THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 31 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.1 2082 सोमवार, 28 अप्रैल-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पहलगाम हमले पर पीएम मोदी गंभीर नहीं : खड़गे

बेंगलुरू, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बेंगलुरू में कहा- पहलगाम हमले पर बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में सभी राजनीतिक दलों के नेता मौजूद थे। प्रधानमंत्री मोदी को भी आना चाहिए था, लेकिन वे नहीं आए। हमने बैठक में सबसे पहले यही सवाल उठाया था।

खड़गे ने कहा- जब देश में 26 लोगों मारे गए और कई घायल हों, तब भी पीएम का सर्वदलीय बैठक के प्रति रवैया ठीक नहीं है। उस वक्त मोदी बिहार में चुनावी रैली को संबोधित करने में व्यस्त थे। अगर वह बैठक में शामिल नहीं हो रहे हैं तो इसका मतलब है कि वह इसे लेकर गंभीर नहीं हैं।

पहलगाम पीड़ितों को न्याय मिलेगा

देश का खून खौल रहा

साजिश करने वालों को कठोर जवाब दिया जाएगा

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने रेडियो शो 'मन की बात' के 121वें एपिसोड की शुरूआत पहलगाम में मारे गए लोगों को याद करते हुए की। उन्होंने कहा- इस आतंकी हमले के बाद पूरा देश एक स्वर में बोल रहा है। पूरे विश्व ने संवेदना प्रकट की है। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले से देश के लोगों का खून खौल रहा है। पीड़ित परिजनों को न्याय जरूर मिलेगा।

मोदी ने कहा- कश्मीर में शांति लौट रही थी, स्कूल-कॉलेज अच्छे से चल रहे थे, निर्माण कार्यों में अभूतपूर्व गति आई थी, लोकतंत्र मजबूत हो रहा था, पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हो रही थी, लोगों की कमाई बढ़ रही थी, युवाओं के लिए नए अवसर तैयार हो रहे थे, लेकिन जम्मू-कश्मीर के दुश्मनों को ये रास नहीं आया।

पीएम ने पीड़ित परिवारों को न्याय का भरोसा दिया। कहा- इस हमले के दोषियों और साजिश रचने वालों को कठोर जवाब दिया जाएगा। इसके साथ ही मोदी ने भारत के ग्लोबल स्पेस पावर बनने की भी बात की। कहा- हमने एक साथ 104 सैटेलाइट्स का लॉन्च करके रिकॉर्ड बनाया है। हम चंद्रमा के साउथ पोल पर पहुंचने वाले पहले देश बने हैं।

> पूर्व इसरो चीफ डॉ. कस्तूरीरंगन को श्रद्धांजलि दी- आज भारत जिन उपग्रहों का उपयोग करता है, उनमें से कई डॉ. कस्तूरीरंगन की देखरेख में लॉन्च की गई थीं। उनका व्यक्तित्व खास था और युवा पीढ़ी उनके कार्यों से बहुत कुछ सीख सकती है। उन्होंने हमेशा नवाचार को महत्व दिया। नया सीखने, जानने और कुछ नया करने का उनका दृष्टिकोण प्रेरणादायक था।

> भारत के युवाओं ने दुनिया का नजरिया बदला- मोदी ने भारत के युवाओं की प्रतिभा की बात करते हुए कहा- भारत के युवाओं ने भारत के प्रति दुनिया का नजरिया बदल दिया है। भारत का युवा, साइंस और इनोवेशन की ओर बढ़ रहा है। ऐसे इलाके, जिनकी पहचान पहले पिछड़ेपन और दूसरे कारणों से होती थी, वहां भी युवाओं ने ऐसे उदाहरण प्रस्तुत किये हैं, जो हमें, नया विश्वास देते हैं।

> स्पेस सेक्टर को प्राइवेट सेक्टर के लिए भी खोला- मोदी बोले भारत ने अपने स्पेस सेक्टर को प्राइवेट सेक्टर के लिए भी खोल दिया है। आज बहुत से युवा स्पेस स्टार्टअप में नए झंडे लहरा रहे हैं। 10 साल पहले इस क्षेत्र में सिर्फ एक कंपनी थी, लेकिन आज देश में, सवा तीन सौ से ज्यादा कंपनी काम कर रहे हैं।

> म्यांमार के लिए ऑपरेशन ब्रह्मा शुरू किया- पिछले महीने म्यांमार में आए भूकंप को लेकर कहा- भूकंप की खौफनाक तस्वीरें आपने जरूर देखी होंगी। भूकंप से वहां बहुत बड़ी तबाही आई, मलबे में फंसे लोगों के लिए एक-एक सांस, एक-एक पल कीमती था। इसलिए भारत ने म्यांमार के लिए ऑपरेशन ब्रह्मा शुरू किया।

आतंक के खात्मे की तैयारी!

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ सीडीएस अनिल चौहान की अहम बैठक, बीएसएफ चीफ भी बैठक में शामिल

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई शुरू कर दी है। सुरक्षा बल जम्मू-कश्मीर में लगातार सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं, जबकि एनआईए इस मामले की गहन जांच में जुटी है। इस बीच, रक्षा और सुरक्षा से जुड़े शीर्ष अधिकारियों की बैठकों का दौर भी जारी है।

रविवार को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर एक अहम बैठक के लिए पहुंचे। सूत्रों के अनुसार, यह बैठक आतंकियों के खात्मे और जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति को मजबूत करने की रणनीति पर केंद्रित है। दूसरी ओर, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के डायरेक्टर जनरल दलजीत सिंह चौधरी गृह मंत्रालय पहुंचे, जहां आतंकवाद के खिलाफ चल रही कार्रवाइयों और सीमा सुरक्षा पर चर्चा हुई।

पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के जंगलों और संवेदनशील इलाकों में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया है। कई संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है, और आतंकियों की तलाश के लिए सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) संयुक्त रूप से अभियान चला रहे हैं। एनआईए की एक विशेष टीम भी पहलगाम पहुंची है, जो हमले के पीछे की साजिश और आतंकी नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है।

पहलगाम हमले में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन टीआरएफ द्वारा जिम्मेदारी लेने और पाकिस्तान के संदिग्ध कनेक्शन के मद्देनजर भारत सरकार ने पहले ही कई सख्त कदम उठाए हैं। इनमें 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित करना, अटारी बॉर्डर चेकपोस्ट को बंद करना, पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाओं पर रोक, और भारत में मौजूद पाकिस्तानी राजनयिकों को 48 घंटे में देश छोड़ने का आदेश शामिल है। इसके अलावा, भारत ने इस्लामाबाद में अपने दूतावास को बंद करने का भी फैसला किया है।

पाकिस्तानी हिंदुओं की चारधाम यात्रा पर रोक

देहरादून, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हालिया आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए पाकिस्तानी नागरिकों की चारधाम यात्रा पर रोक लगा दी है। सरकार के इस फैसले के बाद चारधाम यात्रा के लिए पंजीकरण करा चुके 77 पाकिस्तानी हिंदू श्रद्धालु अब यात्रा नहीं कर पाएंगे।

चारधाम यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिल रहा है। अब तक कुल 21 लाख से अधिक लोगों ने अपना पंजीकरण कराया है। यात्रा में भाग लेने के लिए विदेशों से भी 24,729 श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराया है। खास बात यह है कि इस यात्रा में शामिल होने के लिए पाकिस्तान से भी 77 श्रद्धालुओं ने अपना नाम दर्ज कराया था।

दरअसल, पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सरकार सख्त है। इस हमले के बाद केंद्र सरकार ने त्वरित फैसला लेते हुए पाकिस्तानी श्रद्धालुओं को यात्रा की अनुमति नहीं देने का निर्णय लिया। सुरक्षा कारणों से एहतियात के तौर पर यह निर्णय लिया गया है। इस वर्ष 100 से अधिक देशों के लोगों ने यात्रा में भाग लेने के लिए पंजीकरण कराया है। पाकिस्तानी नागरिकों की वापसी को लेकर प्रशासन ने आवश्यक कदम उठा उन्हें सुरक्षित तरीके से देश वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वहीं, अन्य विदेशी श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है।

बता दें कि 30 अप्रैल से उत्तराखंड में चारधाम यात्रा की शुरूआत होने जा रही है। यात्रा को लेकर प्रशासन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। हर साल की तरह इस बार भी बाबा केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के दर्शन के लिए लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है।

पहलगाम अटैक पर विवादित पोस्ट

7 राज्यों में 28 गिरफ्तार : इनमें 1-1 विधायक, पत्रकार, वकील और 23 स्टूडेंट शामिल, देश विरोधी टिप्पणी की थी

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सोशल मीडिया पर विवादित टिप्पणी करने पर 7 राज्यों से 28 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इन सभी गिरफ्तारियों में असम के विपक्षी पार्टी एआईयूडीएफ के विधायक, एक पत्रकार, एक वकील, 2 रिटायर्ड टीचर और 23 स्टूडेंट शामिल है।

सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट करने पर उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, असम, मेघालय और त्रिपुरा में गिरफ्तारियों हुई हैं। सबसे अधिक 16 गिरफ्तारी असम से की गई है।

पहलगाम हमले पर सोशल मीडिया पर विवादित टिप्पणी करने को लेकर पहली गिरफ्तारी 24 अप्रैल को असम के एक विधायक की हुई। गिरफ्तार विधायक अमीनुल इस्लाम असम की विपक्षी पार्टी एआईयूडीएफ से हैं। उन्होंने 2019 के पुलवामा हमले और 22 अप्रैल के पहलगाम हमले को 'सरकार की साजिश' बताया था। उन पर राजद्रोह का केस दर्ज हुआ और 25 अप्रैल को उन्हें चार दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया।

संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रही कांग्रेस

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर कांग्रेस पार्टी संसद का एक विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रही है। इसके लिए देश की सबसे पुरानी पार्टी ने अन्य विपक्षी दलों से भी संपर्क किया है। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी।

जम्मू एवं कश्मीर के प्रमुख पर्यटन स्थल पहलगाम में मंगलवार को हुए घातक आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। कांग्रेस द्वारा पत्र का मसौदा तैयार किया जा रहा है और पार्टी नेतृत्व इस मामले पर अन्य विपक्षी नेताओं से विचार-विमर्श कर रहा है।

विशेष सत्र की मांग इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि पिछले सप्ताह जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले के बाद से सभी विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार की कार्रवाई का समर्थन किया है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने घोषणा की थी कि विपक्ष इस मामले में केंद्र द्वारा उठाए गए किसी भी कदम का समर्थन करेगा।

हालांकि, गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक में कई विपक्षी नेताओं, जिनमें कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, टीएमसी के सुदीप बंद्योपाध्याय और आप के संजय सिंह ने सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा था कि यह हमला सुरक्षा और खुफिया तंत्र में चूक की ओर इशारा करता है।

अमृतसर में काउंटर इंटेलिजेंस ने पाकिस्तान से जुड़े हथियार तस्करी मामले का भंडाफोड़

अमृतसर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) अमृतसर ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान से जुड़े एक अवैध हथियार तस्करी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। इस ऑपरेशन में अमृतसर से अभिषेक कुमार नामक एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। उसके कब्जे से 7 पिस्तौल (जिनमें 5 पिस्तौल .30 बोर और 2 ग्लॉक 9 मिमी पिस्तौल शामिल हैं), 4 जिंदा कारतूस (.30 बोर) और 1,50,000 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस को मिली विशिष्ट सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में पता चला कि यह मॉड्यूल ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले जस्सा के नेतृत्व में संचालित हो रहा था। जस्सा, पाकिस्तान स्थित तस्करों के साथ मिलकर अपने स्थानीय सहयोगियों जोधबीर सिंह उर्फ जोधा और अभिषेक कुमार के माध्यम से भारत-पाक सीमा के रास्ते अवैध हथियारों और गोला-बारूद की तस्करी करता था। प्रारंभिक जांच से खुलासा हुआ है कि अभिषेक कुमार और जोधबीर सिंह उर्फ जोधा हवाला लेनदेन में भी शामिल थे, जो उनके व्यापक आपराधिक नेटवर्क से संबंधों को दर्शाता है। इस मामले में स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी), अमृतसर में शस्त्र अधिनियम और अन्य संबंधित धाराओं के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। पंजाब पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि इस मॉड्यूल के अन्य सहयोगियों को पकड़ने और इसके पूरे नेटवर्क का खुलासा करने के लिए गहन जांच जारी है। पुलिस का मानना है कि यह नेटवर्क पंजाब में आपराधिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए हथियारों की सप्लाई कर रहा था।

पहलगाम हमले पर बुलाया जाए संसद का विशेष सत्र

कपिल सिब्बल की सरकार के साथ विपक्ष से भी अपील

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने संसद में सरकार से विशेष सत्र बुलाने का अपील की है। सिब्बल ने रविवार को सभी राजनीतिक दलों से कहा कि वे पहलगाम हमले को लेकर जल्द से जल्द संसद का विशेष सत्र बुलाने का सरकार से आग्रह करें। उन्होनें कहा पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करते हुए संसद में प्रस्ताव पारित करना चाहिए, जिससे दुनिया को यह संदेश दिया जा सके कि पूरा देश इस घटना को लेकर एकजुट है। इससे पहले सिब्बल ने पीएम मोदी से भी सत्र बुलाने की मांग की थी। पहलगाम हमले के बाद से पूरा देश गुस्से की आग में जल रहा है। देश के कोने- कोने से आतंकियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग हो रही है। इस हमले के बाद विपक्ष भी सरकार को हर मोर्चे पर साथ देने और आतंकियों पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहा है। 22 अप्रैल को पहलगाम के बेसरन में आतंकवादी हमला हुआ था, जिसमें में 26 मासूम लोगों की जान चली गई थी और कई लोग घायल हुए थे। हमले के बाद गुरुवार को सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। इस बैठक में सरकार ने सभी दलों को हमले की जानकारी दी। साथ ही किसी भी तरह के एक्शन के लिए सभी दलों से सपोर्ट मांगा था। बैठक में मौजूद राजनीतिक दलों के नेताओं ने आतंकवाद और आतंकी शिविरों के खिलाफ एक्शन का फैसला लिया था और सरकार को अपने पूर्ण रुप से समर्थन की बात कही थी।

देश को एकता दिखाने का समय

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि मैंने 25 अप्रैल को सुझाव दिया था कि इस दुख की घड़ी में देश की एकता दिखाने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं सभी राजनीतिक दलों से अपील करता हूं कि वे सरकार से मई में जल्द से जल्द ऐसा सत्र बुलाने का आग्रह करें। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि विभिन्न महत्वपूर्ण देशों में सत्तारूढ़ और विपक्षी सांसदों के प्रतिनिधिमंडल भेजने का भी सुझाव दिया था ताकि पाकिस्तान पर कूटनीतिक दबाव बनाया जा सके। जिस तरह अमेरिका अपने प्रतिबंधों के साथ करता है, भारत को भी पाकिस्तान के साथ व्यापार संबंध रखने वाले देशों से कहना चाहिए कि अगर उनका इस्लामाबाद के साथ व्यापार है तो वे भारतीय बाजार में नहीं आ सकते।

महाराष्ट्र और जम्मू-कश्मीर के डिप्टी सीएम ने की मुलाकात

लोगों की सुरक्षा को लेकर उपायों की सराहना की

जम्मू, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। कश्मीर के उपमुख्यमंत्री ने एकनाथ शिंदे के साथ बैठक में जम्मू-कश्मीर निवासियों के लिए महाराष्ट्र सरकार द्वारा किए गए सुरक्षा उपायों की सराहना की है। उन्होंने अपनी मुंबई यात्रा के दौरान जम्मू-कश्मीर के छात्रों और व्यापारियों से बातचीत कर उन्हें सरकार के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। जम्मू कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने शनिवार को मुंबई में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात की और जम्मू-कश्मीर निवासियों की सुरक्षा के लिए महाराष्ट्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर संतोष व्यक्त किया। उपमुख्यमंत्री ने छात्रों, व्यापारियों और महाराष्ट्र में काम करने वाले पेशेवरों के साथ भी बातचीत की ताकि उनमें सुरक्षा की भावना पैदा हो सके। लोगों की सुरक्षा और समर्थन के लिए मजबूती से खड़े हैं एकनाथ शिंदे बैठक के दौरान चौधरी ने महाराष्ट्र में रहने वाले जम्मू-कश्मीर निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से हाल की चिंताओं के मद्देनजर जम्मू कश्मीर के लोगों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया।

पेंच नेशनल पार्क में बाघिन पीएन-42 की रहस्यमयी तरीके से मौत पंजे और दांत गायब

सिवनी, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। नेशनल पार्क के रुखड़ बफर क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई, जिसने वन विभाग को हिला कर रख दिया। रुखड़ बीट के मासूरनाला इलाके में गश्त कर रहे दल को तेज दुर्गंध ने सतर्क किया। जांच करने पर नाले की रेत में आंशिक रूप से दबा हुआ एक बाघिन का शव बरामद हुआ। टाइगर रिजर्व के फोटो डेटाबेस से उसकी पहचान बाघिन पीएन-42 के रूप में हुई, जो 2016 में पहली बार कैमरा ट्रैप में कैद हुई थी। उस समय उसकी उम्र करीब 2-3 वर्ष थी और अब वह लगभग 12 साल की हो चुकी थी। वरिष्ठ वन्यजीव चिकित्सक डॉ। अखिलेश मिश्रा के नेतृत्व में एनटीसीए प्रोटोकॉल के तहत शव का पोस्टमार्टम किया गया।

कर्नाटक सीएम के किस बयान पर खेल रहा पाकिस्तान

घिरने पर सिद्धारमैया को देनी पड़ी पहलगाम हमले पर सफाई

बेंगलूरू, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद युद्ध को लेकर कई तरह की बातें चल रही हैं। इन सबके बीच बीते दिनों कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव को लेकर बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि वह पाकिस्तान के साथ 'युद्ध' के पक्ष में नहीं हैं। पाकिस्तान ने सीतारमैया के इस बयान को देश भर में खूब प्रसारित किया, इसमें दिखाया गया कि कैसे भारत के लोग ही अपनी सरकार पर सवाल खड़े कर रहे हैं और पहलगाम हमला भारत सरकार की गलती का नतीजा है। सीएम के इस के बाद बीजेपी और तमाम राजनीतिक दलों ने उन पर पलटवार किया है। मामला इतना बड़ गया कि बयान के बाद अब सीएम का स्पष्टीकरण भी सामने आया है। सीएम सिद्धारमैया ने अपने बयान पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि मैंने कहा कि मैं युद्ध के विरोध में नही हूं, बल्कि इस समय ये युद्ध नहीं होना चाहिए। क्योंकि इस घटना में 26 लोग मारे गए हैं। सुरक्षा प्रदान करना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है।

आप ने सिद्धारमैया और कांग्रेस पर किया हमला

कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया के बयान पर आप नेता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि यह एक शर्मनाक बयान है और उन्हें इसके लिए माफी मांगनी चाहिए। मुझे नहीं पता कि कांग्रेस पाकिस्तान के पक्ष में बयान क्यों दे रही है। कांग्रेस को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए। आप के अलावा भारतीय जनता पार्टी ने भी सिद्धारमैया के इस बयान को पाकिस्तान प्रेम बताया है और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला है।

पाकिस्तान के न्यूज़ चैनलों में चल रहा सीएम का वीडियो

सिद्धारमैया के युद्ध को लेकर दिए गए बयान को पाकिस्तानी मीडिया में जमकर दिखाया जा रहा है। इसके साथ ही बताया जा रहा है कि बीजेपी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार पाकिस्तान पर युद्ध छेड़ने के लिए तैयार है। हालांकि, केन्द्र सरकार के इस निर्णय से भारत में असंतोष व्याप्त है। वीडियो में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया कहते दिख रहे कि पहलगाम की घटना के मद्देनजर पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध छेड़ने की कोई जरूरत नहीं है। पहलगाम की घटना सुरक्षा विफलता का परिणाम थी।

दिल्ली में तीन विभागों के अधिकारियों की छुट्टियों पर सरकार ने लगाई रोक, 15 सितंबर तक के लिए आदेश जारी

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी से एक बड़ी खबर सामने आई है। दिल्ली सरकार ने आगामी मानसून की तैयारी के लिए तीन विभागों के अधिकारियों की छुट्टियों पर रोक लगा दी है। इसमें लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग शामिल हैं। मिली जानकारी के अनुसार, सरकार ने अधिकारियों की छुट्टियों पर 15 सितंबर तक रोक लगाई है। इस संबंध में एक आदेश को जारी किया गया है। अधिकारियों ने सामान्य प्रशासन विभाग यानी जीएडी के आदेश के हवाले से बताया कि अत्यंत चिकित्सीय आपात स्थिति को छोड़कर 15 सितंबर तक जूनियर इंजीनियर और उससे ऊपर के किसी भी लेवल के किसी भी कर्मचारी की छुट्टी स्वीकृत या अनुशंसित नहीं की जाएगी।

आदेश में क्या कहा गया?

आदेश में कहा गया, चूंकि मानसून नजदीक आ रहा है, इसलिए नालों की सफाई, जलभराव और बाढ़ को रोकने, सड़कों की मरम्मत और शहर भर में सड़कों एवं नालों में जमे मलबे तथा गाद को हटाने के लिए बड़े पैमाने पर काम करना होगा।

400 से जलभराव वाली जगहों की पहचान

अधिकारियों ने पिछले कुछ सालों में 400 से ज्यादा जलभराव वाली जगहों की पहचान की है। पुरानी नालियों और गाद के जमाव सहित कई वजहों से मानसून के दौरान जलभराव की समस्या बार-बार सामने खड़ी हो जाती है। जल एवं लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा था कि लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत सभी 1,400 किलोमीटर नालों की सफाई 31 मई तक कर दी जाएगी और अन्य एजेंसियां भी अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत नालों की सफाई के लिए काम कर रही हैं।

दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई, हाशिम बाबा को हथियार सप्लाई करने वाले 2 तस्कर गिरफ्तार, बड़ी खेप बरामद

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने राजधानी की सड़कों पर खौफ फैलाने वाले हाशिम बाबा गैंग को बड़ा झटका दिया है। दरअसल, नॉर्थ रेंज वन क्राइम ब्रांच की टीम को गुप्त ऑपरेशन के दौरान दो कुख्यात हथियार सप्लायर को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। हथियार सप्लायर्स की पहचान मोहम्मद रिहान और सलमान अहमद के रूप में हुई है। दिल्ली पुलिस द्वारा गिरफ्तार हथियार सप्लायर्स के पास से तीन सेमी-ऑटोमेटिक पिस्तौल और छह जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस ने तस्करों के पास से एक मोटरसाइकिल भी जब्त की है, जिसे अपराध में इस्तेमाल किया जा रहा था। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार 22 अप्रैल को एचसी पवन कुमार को पुख्ता जानकारी मिली कि जाफराबाद का रहने वाला मोहम्मद रिहान अवैध हथियारों की डिलीवरी देने रोहिणी सेक्टर-24 में प्रेमाधार आयुर्वेदिक अस्पताल के पास आने वाला है। इंस्पेक्टर पुखराज सिंह के नेतृत्व में रिहान को गिरफ्तार करने के लिए जाल बिछाया गया। वहां पहुंचते ही पुलिस ने रिहान को रंगे हाथों दबोच लिया। पुलिस को उसके पास से दो सेमी-ऑटोमेटिक पिस्तौल और चार जिंदा कारतूस मिले। पूछताछ में रिहान ने बताया कि वह हथियारों की सप्लाई जाफराबाद निवासी सलमान अहमद से कराता था।

सलमान अहमद भी चढ़ा पुलिस के हत्थे

रिहान की निशानदेही पर अपराध शाखा ने सलमान अहमद को भी धर दबोचा। उसके पास से एक सेमी-ऑटोमेटिक पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। दोनों सप्लायर हाशिम बाबा गैंग समेत दिल्ली-एनसीआर के कई अपराधी गिरोहों को हथियार बेचते थे।

आरोपियों का बैकग्राउंड खौफनाक

मोहम्मद रिहान यूपी के संभल का रहने वाला है। उसने 12वीं तक की पढ़ाई की है। 12वीं तक पढ़ाई के बाद उसने कुछ समय तक निजी अस्पताल में नौकरी करता था। सलमान के संपर्क में आकर वह अपराध के दलदल में उतर गया। सलमान अहमद दिल्ली के जाफराबाद का रहने वाला है। वह 8वीं पास है। सलमान पहले हस्तशिल्प का काम करता था, लेकिन कारोबार में भारी नुकसान के बाद अवैध हथियारों की दुनिया में उतर आया। उसके चचेरे भाई नदीम ने उसे इस धंधे में उतारा था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह गिरफ्तारी दिल्ली में अवैध हथियारों के सप्लाई नेटवर्क को ध्वस्त करने की दिशा में एक बड़ी सफलता है। हाशिम बाबा गैंग की गतिविधियों पर भी सीधा असर पड़ेगा।

प्रियंका चतुर्वेदी ने बिलावल भुट्टो की गीदड़ भभकी पर दिखाई उसकी औकात, कहा- 'चल बे'

मुंबई, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ भारत ने कड़ा रुख अपनाया है। एक ओर भारत में आए पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने की प्रक्रिया चल रही है तो दूसरी ओर सिंधु जल समझौते को रोक दिया गया है। इसपर पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान बिलबिलाया हुआ है। हाल ही में पाकिस्तानी नेता और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो-जरदारी ने सिंधु के पानी को लेकर भारत को गीदड़भभकी दी है। उनका कहना है, सिंधु जल पाकिस्तान का है और रहेगा। अगर उसे रोकने की कोशिश की गई तो या सिंधु नदी में पानी बहेगा या हिन्दुस्तानियों का खून। ऐसी बेतुकी धमकी देने पर भारत के नेता बिलावल भुट्टो को मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं। इसी कड़ी में उद्धव ठाकरे गुट की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी की भी प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने महज दो शब्दों में बिलावल भुट्टो के बयान का जवाब दिया है। प्रियंका चतुर्वेदी ने बिलावल भुट्टो के धमकी भरे भाषण का वीडियो शेयर कर कैप्शन में लिखा, चल बे! बिलावल भुट्टो पाकिस्तान की आवाम से दावा कर रहे हैं कि पहलगाम आतंकी हमले का जिम्मेदार भारत ने पाकिस्तान को ठहराया है, जो कि गलत है। बिलावल भुट्टो यह दावा करते भी दिख रहे हैं कि सिंधु दरिया पाकिस्तान का है। बिलावल भुट्टो ने कहा, मैं सिंधु दरिया के पास खड़े होकर भारत को कहना चाहूंगा कि सिंधु हमारा है और सिंधु हमारा रहेगा। इस दरिया से या हमारा पानी बहेगा या उनका खून बहेगा। ऐसा नहीं हो सकता कि एक देश फैसला कर ले कि आप इंडस वॉटर ट्रीटी को नहीं मानते हैं। इतना ही नहीं, केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भी पाकिस्तानी नेता बिलावल भुट्टो के बयान पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बिलावल को अपनी दिमागी हालत की जांच करानी चाहिए। हरदीप पुरी ने चेतावनी देते हुए कहा कि भारत का धैर्य अब खत्म हो चुका है। हम इसे और बर्दाश्त नहीं करेंगे। कुछ दिन इंतजार करो।

कुपवाड़ाः लश्कर आतंकी का भाई बना सामाजिक कार्यकर्ता

आतंकियों ने घर में घुसकर मारी गोली, अस्पताल में मौत

कुपवाड़ा, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में संदिग्ध आतंकवादियों ने एक 45 वर्षीय सामाजिक कार्यकर्ता को गोली मार दी, जिससे वह घायल हो गया। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादी रात गुलाम रसूल माग्रे के कंडी खास स्थित घर में घुसे और उन्हें गोली मार दी। रसूल का भाई कुछ साल पहले पाकिस्तान चला गया था और आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा का हिस्सा है। सुरक्षाबलों ने रसूल की हत्या करने वाले आतंकियों का पता लगाने के लिए बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया है। इससे पहले सर्च ऑपरेशन में कई बार आतंकियों और सुरक्षाबलों के जवानों के बीच मुठभेड़ हो चुकी है। इन मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया है, जबकि सुरक्षाबलों का एक जवान भी शहीद हुआ है। दो जवान घायल भी हुए हैं। बांदीपुरा एनकाउंटर में मारे गए आतंकी की पहचान आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के अल्ताफ लाल्ली के रूप में हुई है। पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद जम्मू कश्मीर में सेना लगातार कार्रवाई कर रही है। आतंकियों के घरों को चुन-चुन कर निशाना बनाया जा रहा है। अब तक नौ आतंकियों के घर ब्लास्ट में उड़ाए जा चुके हैं। इसके अलावा जंगलों में आतंकियों के छिपने का एक स्थायी ठिकाना भी ध्वस्त किया गया है। 48 घंटे लंबे सघन ऑपरेशन में सैनिकों को करीब छह फीट गहरा और आठ फीट चौड़ा गड्ढा मिला था, जिसमें आतंकियों ने लंबे समय तक टिकने की व्यवस्था कर रखी थी। यहां पर आतंकियों ने गैस सिलेंडर, सोलर लाइट, हथियार और अन्य जरूरी सामान छिपा रखा था। 14 आतंकियों की हिटलिस्ट जारी की गई है

दिल्ली आईजीआई एयरपोर्ट पर तस्करी की कोशिश नाकाम

दुबई से आए यात्री के बैग से 2 करोड़ का गोल्ड बरामद

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग की एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) ने सोने की तस्करी के प्रयास को विफल कर दिया। एयर इंटेलिजेंस यूनिट की टीम ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए दुबई से दिल्ली पहुंचे एक भारतीय यात्री के बैग से 24 कैरेट शुद्धता वाला 2 किलोग्राम सोना बरामद किया। सोने की अनुमानित बाजार कीमत लगभग 1.91 करोड़ है। दरअसल, 25 अप्रैल को दुबई से दिल्ली आने वाली फ्लाइट संख्या एसजी-6 से उतरे एक यात्री को अफसरों ने एयरपोर्ट पर ग्रीन चैनल के निकास द्वार पर संदेह के आधार पर रोका। सीमा शुल्क अधिकारियों ने यात्री के हाव-भाव और गतिविधियों को संदिग्ध पाते हुए उसे जांच के लिए रोकने का फैसला लिया। जब यात्री को डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर से गुजराया गया, तो कोई धातु डिटेक्शन का सिग्नल नहीं आया। इसके बावजूद उसके सामान को एक्स-रे मशीन से गुजारा गया जहां अधिकारियों को कुछ असामान्य छवियां दिखाई दीं। शक गहराने पर उसके बैग की गहन तलाशी ली गई, जिसके दौरान सोने की दो ईंटें बरामद हुईं। अफसरों द्वारा पकड़े गए यात्री की उम्र 40 वर्ष है। वह राजस्थान के जयपुर का निवासी है। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह दुबई से सोना भारत में अवैध रूप से लाने का प्रयास कर रहा था। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि यात्री इस कार्य में किसी गिरोह के इशारे पर काम कर सकता है। हालांकि इस संबंध में अभी जांच जारी है। सीमा शुल्क अधिकारियों ने जब्त किए गए सोने को सुरक्षित रखा है और यात्री के खिलाफ सीमा शुल्क अधिनियम 1962 के तहत आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। आरोपी से पूछताछ जारी है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इसके पीछे कोई बड़ा रैकेट तो नहीं है। सीमा शुल्क विभाग ने बताया कि हाल के महीनों में दुबई समेत अन्य खाड़ी देशों से भारत में सोने की तस्करी के मामलों में वृद्धि देखी गई है। अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि वे कानून का पालन करें और अवैध गतिविधियों से दूर रहें। अन्यथा, सख्त कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

बहादुरगढ़ एसटीएफ की बड़ी कार्रवाईः कुख्यात बदमाश कुनाल जून दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार, रंगदारी के कई मामले दर्ज

बहादुरगढ़, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात बदमाश कुनाल जून को रविवार तड़के सुबह 3 बजे दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया। कुनाल जून बहादुरगढ़ के नूना माजरा गांव का निवासी है और वह कथित तौर पर कजाकिस्तान में रहकर जिले में आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहा था। पुलिस के अनुसार, कुनाल जून पर बहादुरगढ़ में कई लोगों से रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने के कई मामले दर्ज हैं। वह विदेश में रहकर अपने सहयोगियों के जरिए जिले में आपराधिक वारदातों को अंजाम दे रहा था। उसकी गिरफ्तारी को एसटीएफ की एक बड़ी सफलता माना जा रहा है, क्योंकि वह लंबे समय से फरार था और पुलिस की रडार पर था।

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी का बयान बोले- पीओके लेने का समय आ गया है

कोलकाता, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 भारतीयों की जान चली गई थी। इस हमले के बाद से पूरे देश में आक्रोश का माहौल है। इस हमले के बाद से भारतीय सेना और भारत सरकार दोनों ही एक्शन मोड में है। इस बीच अलग-अलग दलों के नेताओं द्वारा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर यानी पीओके को वापस लेने की बात कही जा रही है। इसी कड़ी में आज ममता बनर्जी के भतीजे और तृणमूल कांग्रेस के नेता और सांसद अभिषेक बनर्जी ने भी बयान दिया है। रविवार के अभिषेक बनर्जी ने कहा कि अब समय आ गया है कि पाकिस्तान को सबक सीखाया जाए और पड़ोसी देश द्वारा कब्जाए गए कश्मीर के हिस्से को वापस लिया जाए। तृणमूल सांसद ने 'एक्स' पर लिखा, ''अब समय आ गया है कि उन्हें (पाकिस्तान) उनकी भाषा में सबक सिखाया जाए। अब समय आ गया है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस लिया जाए।'' उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि ''राजनीति से ऊपर उठकर इस मुद्दे का निर्णायक ढंग से सामना किया जाए।'' अभिषेक बनर्जी ने कहा, ''पहलगाम में इस अभूतपूर्व आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार चूक की गहराई से जांच करने के बजाय वे एक ऐसे विमर्श को आगे बढ़ाने पर अधिक ध्यान केंद्रित करते दिखते हैं, जिससे एक विशेष राजनीतिक दल को लाभ पहुंचे।' बता दें कि शनिवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने बयान देते हुए कहा था, इस्लाम को सुरक्षा कवच बना कर इन्सानियत को लहूलुहान करने वाले इन्सानियत और इस्लाम दोनों के दुश्मन हैं।'' मुख्तार अब्बास नकवी ने इस आतंकी हमले की निंदा की और कहा, 'इस दौरान भाजपा नेता ने कहा, 'मुल्क के दुश्मनों को सबक सिखाने के लिए देश के सौहार्द, एकता को मजबूत और महफूज रखना होगा। आजादी के अमृत काल में पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) को भारत का हिस्सा बनाने के संसद के संकल्प को पूरा करने का वक्त आ गया है। भारतीय संसद ने 22 फरवरी 1994 को सर्वसम्मति से संकल्प पारित किया था कि पीओके भारत का हिस्सा है, इसे पाकिस्तान के अनधिकृत कब्जे से मुक्त कराना है। इसीलिये जम्मू-कश्मीर विधानसभा की 24 सीटें आरक्षित की गई हैं।' वहीं कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई भी पीओके को वापस लेने की बात कह चुके हैं।

मंगेतर को शॉपिंग के लिए बुलाया, कमरे पर ले जाकर किया दुष्कर्म फिर शादी से मुकरा

अनूपपुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के कोतमा में एक शख्स अपनी मंगेतर को शॉपिंग के बहाने बुलाया और उसे अपने घर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद वह शख्स अपनी मंगेतर से शादी करने से मुकर गया। पीड़ित मंगेतर ने आरोपी के खिलाफ कोतमा थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस विभिन्न धाराओं के तहत आरोपी के विरुद्ध मामला पंजीबद्ध कर जांच में जुट गई है। आरोपी कोतमा में बगैहा टोला का रहने वाला है। उसका नाम शिवम मिश्रा है। शिवम ने अपनी होने वाली पत्नी को शादी की शॉपिंग करने के लिए उसे अपने यहां बुलाया था। जिसके बाद वह अपनी मंगेतर को शॉपिंग कराने पहले कोतमा बाजार लेकर गया। फिर घर दिखाने के बहाने उसे अपने घर ले जाकर उससे जबरन शारीरिक संबंध बनाया और फिर बाद में शादी करने से भी मना कर दिया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 28 अप्रैल, 2025 3

सुविचार: क्रोध पर जिसका क़ाबू हो जाये वो इंसान हर परिस्थिति पर क़ाबू पा सकता है।

आईएएस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र बदले

जयेश रंजन को मिली अहम जिम्मेदारी, स्मिता सभरवाल का भी तबादला

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने रविवार को तेलंगाना में कई आईएएस अधिकारियों का तबादला कर दिया। मुख्य सचिव शांति कुमारी द्वारा जारी आदेशों के अनुसार, डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान के महानिदेशक डॉ. शशांक गोयल का तबादला कर उन्हें सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस का उपाध्यक्ष बनाया गया है। डॉ. शशांक गोयल को ईपीटीआरआई के महानिदेशक के पद पर एफएसी में भी रखा गया है। उन्होंने अहमद नदीम को उक्त पद के एफएसी से मुक्त कर दिया है। आईटीईएंडसी और खेल विभाग के विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन को सरकार के विशेष मुख्य सचिव और सीएमओ में उद्योग और निवेश सेल के सीईओ और स्मार्ट प्रोएक्टिव एफिशिएंट एंड इफेक्टिव

डिलीवरी (स्पीड) के पद पर तैनात किया गया है। जयेश रंजन को विशेष के पद पर एफएसी में भी रखा गया है। सरकार के मुख्य सचिव, वाईएटीएंडसी विभाग और पुरातत्व निदेशक, स्मिता सभरवाल का तबादला किया गया। संजय कुमार, सरकार के विशेष मुख्य सचिव, एलईटीएंडएफ विभाग को जयेश रंजन के स्थान पर सरकार के विशेष मुख्य सचिव, उद्योग और वाणिज्य विभाग और आईटीईएंडसी और खेल विभाग के पद पर स्थानांतरित किया गया है। एम. दाना किशोर, सरकार के प्रधान सचिव, एमए और यूडी विभाग को सरकार के प्रधान सचिव, एलईटीएंडएफ विभाग के पद पर स्थानांतरित किया गया है। एम. दाना किशोर को आयुक्त, श्रम, निदेशक, बीमा चिकित्सा सेवाएं और निदेशक, रोजगार और प्रशिक्षण के पदों के एफएसी में भी रखा गया है। एम. दाना किशोर राज्यपाल के प्रधान सचिव के पद के एफएसी में बने रहेंगे। स्थानांतरण पर, स्मिता सभरवाल को टीजी वित्त आयोग के सदस्य सचिव के पद पर तैनात किया गया है। नगर प्रशासन की आयुक्त एवं निदेशक डॉ.टी.के. श्रीदेवी को नगर प्रशासन विभाग (एचएमडीए

के बाहर) में सचिव के पद पर स्थानांतरित किया गया है। डॉ.टी.के. श्रीदेवी को नगर प्रशासन विभाग (ओआरआर सीमा के बाहर नगर पालिकाओं एवं निगमों के लिए) में आयुक्त एवं निदेशक के पद के एफएसी में भी रखा गया है। इलांबर्ती के., आयुक्त, जीएचएमसी को सचिव, सरकार, महानगर क्षेत्र एवं शहरी विकास विभाग (एचएमडीए सीमा) में स्थानांतरित किया गया है। आर.वी. कर्णन, निदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण को आयुक्त, जीएचएमसी के पद पर स्थानांतरित किया गया है। वे इलांबर्ती के स्थान पर आयुक्त, जीएचएमसी के पद पर नियुक्त किए गए हैं। के. शशांक, आयुक्त, राज्य फ्लैगशिप परियोजनाओं को आयुक्त, फ्यूचर सिटी डेवलपमेंट अथॉरिटी (एफसीडीए) के पद पर स्थानांतरित किया गया है। के. शशांक, निदेशक, खान एवं भूविज्ञान के पद के एफएसी में बने रहेंगे। एस. हरीश, विशेष आयुक्त, सूचना एवं जनसंपर्क एवं कार्यकारी अधिकारी विशेष सचिव, जीए (आई एंड पीआर) विभाग को श्री संदीप कुमार सुल्तानिया को उक्त पद के एफएसी से मुक्त करते हुए सीएमडी, जेनको के पद पर स्थानांतरित किया गया है। एस. हरीश को विशेष आयुक्त, सूचना एवं जनसंपर्क एवं कार्यकारी अधिकारी विशेष सचिव, जीए (आई एंड पीआर) विभाग के पद के एफएसी में भी रखा गया है। एस. हरीश, राजस्व विभाग में सरकार के संयुक्त सचिव (डीएम) के पद के एफएसी में बने रहेंगे। के. निखिला, सीईओ, टीजीआईआरडी को सचिव एवं सीईओ, तेलंगाना मानवाधिकार आयोग के पद के एफएसी में रखा गया है।

एस. संगीता सत्यनारायण, संयुक्त सचिव, सीएम को स्थानांतरित किया गया है और उन्हें निदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के पद पर नियुक्त किया गया है, जो आर.वी. कर्णन के स्थान पर स्थानांतरित किया गया है। एस.संगीता सत्यनारायण को भी आरोग्यश्री हेल्थ केयर ट्रस्ट के सीईओ पद के एफएसी में रखा गया है, जो आर.वी.कर्णन को उक्त पद के एफएसी से मुक्त करता है। एस.वेंकट राव, निदेशक, प्रोटोकॉल और संयुक्त सचिव, सरकार (प्रोटोकॉल), जीएडी को निदेशक, बंदोबस्ती के पद पर स्थानांतरित और तैनात किया गया है। एस.वेंकट राव को भी यदागिरिगुट्टा मंदिर के कार्यकारी अधिकारी के पद के एफएसी में रखा गया है। पी.कात्यायनी देवी, संयुक्त प्रबंध निदेशक, राज्य वित्त निगम को अतिरिक्त सीईओ, एसईआरपी के पद पर स्थानांतरित और तैनात किया गया है।

चार पाकिस्तानी नागरिक स्वदेश रवाना

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिन चार पाकिस्तानी नागरिकों को पुलिस ने देश छोड़ने का नोटिस जारी किया था, वे पाकिस्तान के लिए रवाना हो गए हैं। तेलंगाना में कुल 213 पाकिस्तानी नागरिक दीर्घावधि, अल्पावधि, आधिकारिक और चिकित्सा वीज़ा पर रह रहे पाए गए। उनमें से केवल अल्पावधि वीज़ा पर रहने वालों को ही देश छोड़ने के लिए कहा गया।

सूत्रों के अनुसार, चारों में से एक डेढ़ साल का बच्चा, जिसकी मां भारतीय और पिता पाकिस्तानी हैं, को नोटिस जारी कर देश छोड़ने को कहा गया है। बाकी तीन लोग व्यवसाय के उद्देश्य से या अपने रिश्तेदारों से मिलने आए थे। चारों लोगों ने स्वेच्छा से अपने देश जाने की इच्छा जताई थी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि रविवार शाम तक चारों पाकिस्तान में चले गए। हालांकि पुलिस ने उन स्थानों की जांच कर ली है जहां अन्य पाकिस्तानी नागरिक दीर्घकालिक वीजा पर रह रहे हैं तथा उनके रिश्तेदारों और प्रायोजकों का विवरण एकत्र कर लिया है।

पहलगाम हत्याकांड के बाद केंद्र सरकार ने देश में रह रहे सभी पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने को कहा था। पुलिस ने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तानी नागरिकों के ठिकानों का खुलासा नहीं किया है। तेलंगाना के डीजीपी जितेन्द्र ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि उपर्युक्त निर्णय में निर्दिष्ट वीजा निरस्तीकरण दीर्घकालिक वीजा (एलटीवी) और राजनयिक और आधिकारिक वीजा धारकों पर लागू नहीं होता है। पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए मेडिकल वीजा केवल 29 अप्रैल तक वैध होंगे। अटारी सीमा 30 अप्रैल तक पाकिस्तानियों के प्रस्थान के लिए खुली रहेगी। तेलंगाना में रहने वाले सभी पाकिस्तानी नागरिकों को किसी भी कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए दिशानिर्देशों का पालन करने की सलाह दी जाती है।

सीएम ने शांति वार्ता समिति के साथ बैठक की

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शांति वार्ता समिति के साथ बैठक की। शांति वार्ता समिति के नेताओं ने मुख्यमंत्री से उनके जुबली हिल्स स्थित आवास पर मुलाकात की। समिति ने मुख्यमंत्री से केंद्र सरकार और माओवादियों के बीच शांति वार्ता कराने की पहल करने की अपील की। समिति ने मुख्यमंत्री से केंद्र को युद्ध विराम के लिए मनाने का भी अनुरोध किया। समिति के संयोजक न्यायमूर्ति चंद्रकुमार, प्रोफेसर हरगोपाल, प्रोफेसर अनवर खान, दुर्गा प्रसाद, जम्पन्ना, रवि चंद्र ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को ज्ञापन सौंपा। मुख्यमंत्री ने समिति के सदस्यों से कहा कि उनकी सरकार नक्सलवाद को केवल सामाजिक दृष्टिकोण से देख रही है और इसे कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं मानती। मुख्यमंत्री ने समिति को बताया कि सरकार नक्सल मुद्दों पर वरिष्ठ नेता के जन रेड्डी से सलाह और सुझाव लेगी, जिन्होंने अतीत में माओवादियों के साथ बातचीत की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल भी इस मुद्दे पर चर्चा करेगा और जल्द ही निर्णय लेगा।

मंत्री पोन्नम ने एलबी स्टेडियम में खिलाड़ियों के साथ क्रिकेट का लुत्फ़ उठाया

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने रविवार को यहां एलबी स्टेडियम में तेलंगाना टी-20 चैंपियनशिप क्रिकेट टूर्नामेंट का आधिकारिक रूप से उद्घाटन किया। तेलंगाना युवा कांग्रेस के साथ साझेदारी में आयोजित इस टूर्नामेंट की शुरूआत "क्रिकेट खेलो- नशा छोड़ो" के नारे के साथ हुई। कार्यक्रम के दौरान, मंत्री ने क्रिकेट के खेल में भाग लेकर खिलाड़ियों में जोश भरा, बल्लेबाजी की जबकि खैरताबाद डीसीसी के अध्यक्ष रोहिन रेड्डी ने उन्हें गेंदबाजी की। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने टूर्नामेंट की शुरूआत के लिए सिक्का उछाला और बाद में खिलाड़ियों को जर्सी वितरित की।

कांग्रेस तेलंगाना की खलनायक नंबर-1 : केसीआर

राज्य की शुरूआत में हुई थी कई मोर्चों पर उल्लेखनीय प्रगति

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने कहा कि तेलंगाना के लिए कांग्रेस खलनायक नंबर-1 है। 2014 में जब बीआरएस (टीआरएस) ने अपना कार्यकाल शुरू किया था, तब तेलंगाना किस तरह से मजबूती से आगे बढ़ा था। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे राज्य ने कई पुरस्कार जीते और प्रति व्यक्ति आय और जीएसडीपी सहित कई मोर्चों पर उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की। इस भूमि पर रानी रुद्रमा देवी और अन्य लोगों का शासन था और यह आंदोलन और संघर्ष के लिए जाना जाता है। बीआरएस प्रमुख ने कहा कि इस भूमि के खिलाफ अतीत में कई प्रयास किए गए और वर्तमान में भी कई प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि चाहे अतीत हो या वर्तमान, कांग्रेस पार्टी तेलंगाना के लिए खलनायक नंबर एक है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा तथ्य है जिसे हर कोई जानता है। उन्होंने कांग्रेस के विफल वादों और तेलंगाना के हितों के खिलाफ काम करने के उनके प्रयासों को गिनाया। इससे पहले राव ने अपने भाषण की शुरुआत रामायण की एक घटना को याद करते हुए की। रावण से युद्ध जीतने के बाद जब लक्ष्मण लंका में बसना चाहते थे, तब भगवान राम ने उन्हें मातृभूमि का महत्व और अपनी भूमि पर लौटने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि मां और मातृभूमि से बड़ा स्वर्ग कुछ भी नहीं है, इसलिए भगवान राम ने अयोध्या लौटने पर जोर दिया था।

चंद्रशेखर राव ने कहा कि तेलंगाना में चुनौतीपूर्ण स्थिति के बीच उसी भावना के साथ, मैंने एक अलग राज्य आंदोलन शुरू करने और तेलंगाना को आजाद कराने के लिए अकेले अपनी यात्रा शुरू की। उन्होंने कहा कि गुलाबी झंडा, जिसे 25 साल पहले फहराया गया था, की आलोचना की गई, उसे अपमानित किया गया और कई लोगों ने कोसा कि पार्टी लंबे समय तक नहीं टिकेगी। उन्होंने कहा कि लेकिन यह ऊंची उड़ान भर रहा है और आपके समर्थन और बलिदान के कारण तेलंगाना हासिल हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों में तेलंगाना ने कई क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। आज हम वारंगल में बीआरएस की 25वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

अतिरिक्त कलेक्टर के कैंप कार्यालय में फर्नीचर, घरेलू उपकरण जलकर खाक

कुमराम भीम आसिफाबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को आसिफाबाद में बिजली के शॉर्ट-सर्किट के कारण आग लगने से अतिरिक्त कलेक्टर के कैंप कार्यालय का फर्नीचर जलकर खाक हो गया। आग से करीब 3 लाख रुपये की संपत्ति का नुकसान होने का अनुमान है। अतिरिक्त कलेक्टर डेविड के कैंप कार्यालय के एक कमरे में सोफ़ा, एक लकड़ी की चारपाई और घरेलू उपकरण जलकर राख हो गए। आग लगने का कारण कमरे में लगी एयर-कंडीशनिंग मशीन के स्टेबलाइज़र में बिजली का शॉर्ट-सर्किट था। आग बुझाने के लिए आसिफाबाद फायर स्टेशन से एक दमकल गाड़ी बुलाई गई। मुख्य फायरमैन कार्तिक और अग्निशमन कर्मचारियों ने आग बुझाई।

सभी जेलों में सुरक्षा ऑडिट कर रहा है तेलंगाना कारागार विभाग

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कारागार विभाग राज्य की सभी जेलों में व्यापक सुरक्षा ऑडिट कर रहा है, जिसमें केंद्रीय जेल, जिला जेल, महिलाओं के लिए विशेष जेल, विशेष उप जेल और उप जेल शामिल हैं। इस पहल के तहत, अधिकारी सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन सुनिश्चित करने और समग्र सुरक्षा को बढ़ाने के लिए सुविधाओं का दौरा कर रहे हैं। ऑडिट स्कैनर की कार्यक्षमता, खोज प्रक्रिया, आगंतुक पहचान सत्यापन और प्रवेश रिकॉर्ड, सीसीटीवी कवरेज, रिकॉर्डिंग प्रोटोकॉल और संचार उपकरण उपयोग, परिधि की दीवारों का निरीक्षण, लाइव वायर सिस्टम और वॉचटावर की स्थिति, सुरक्षा गैजेट का रखरखाव और पर्यवेक्षी निगरानी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर केंद्रित है।

इस सक्रिय ऑडिट का उद्देश्य जेलों की समग्र सुरक्षा संरचना को मजबूत करना, परिचालन पारदर्शिता को बढ़ाना और सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करना है। यह पहल एक अधिक सुरक्षित, संरक्षित वातावरण बनाने की दिशा में समग्र दृष्टिकोण को रेखांकित करती है, जो संस्थागत अनुशासन और कैदी कल्याण दोनों को प्राथमिकता देती है।

आंधी-तूफान के बाद तापमान में फिर वृद्धि

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कई हिस्सों में तीव्र गर्मी से लेकर भयंकर तूफान और तेज़ हवाओं तथा फिर भीषण गर्मी जैसी स्थितियों में परिवर्तन के कारण मौसम की स्थिति में महत्वपूर्ण बदलाव आने का अनुमान है, जो अगले कुछ दिनों तक जारी रहने की उम्मीद है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी)-हैदराबाद ने रविवार को अपने पूर्वानुमान में सोमवार को लगभग सभी स्थानों पर गरज के साथ बारिश और तेज़ हवाएं चलने की चेतावनी जारी की। हालांकि, कई जिलों में भीषण शुष्क गर्मी की लहर जैसी स्थिति बनी रहेगी और उसके बाद तापमान 41 डिग्री सेल्सियस से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा।

जिन जिलों में तेज हवाओं के साथ तूफान की चेतावनी जारी की गई है उनमें आदिलाबाद, आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, निज़ामाबाद, जगतियाल, राजन्ना सिरसिल्ला, नलगोंडा, सूर्यापेट, यादाद्री भुवनगिरी, रंगारेड्डी, हैदराबाद, मेडचल मल्काजगिरी, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेदक, कामारेड्डी, महबूबनगर, नागरकर्नूल, वानापर्थी, नारायणपेट, जोगुलम्बा गदवाल, करीमनगर, पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, महबुबाबाद, वारंगल और हनमकोंडा जिले शामिल हैं।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, S. AJAY R/O F.NO.8, ARCHANA APARTMENT, NAREDMET 'X' ROAD, HYDERABAD. T.S. CHANGED MY NAME AS "KANTEGARI AJAY"

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

आरपीएफ, जीआरपी ने रेलवे स्टेशन पर की एहतियाती सुरक्षा जांच

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नियमित जांच के तहत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने रविवार को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर व्यापक सुरक्षा जांच की। आरपीएफ और जीआरपी ने स्टेशन के विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों में व्यापक तलाशी और तोड़फोड़ विरोधी अभियान चलाया। इनमें वेटिंग हॉल, सर्कुलेटिंग एरिया, ट्रेनें और प्लेटफॉर्म शामिल थे। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, टीम ने संदिग्ध व्यक्तियों की जांच के लिए उन्नत पैपिलॉन उपकरणों का इस्तेमाल किया। इसके अलावा, आरपीएफ, सिकंदराबाद ने मार्च पास्ट किया और डॉग ब्लेज़ (एक विस्फोटक खोजी कुत्ता) ने प्रतीक्षालय, प्लेटफ़ॉर्म, पार्सल कार्यालय और ट्रेनों में विस्फोटक वस्तुओं की जांच की। जांच के दौरान कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे परिचालन के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए निवारक उपाय किए गए थे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि स्टेशन सुरक्षित है और यात्री निश्चिंत होकर यात्रा कर सकते हैं।

हनमकोंडा में महंगे क्लीनिक चलाने वाले फर्जी डॉक्टरों का भंडाफोड़

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य चिकित्सा परिषद (टीजीएमसी) के निरीक्षण के दौरान, हनमकोंडा में एक उच्च स्तरीय क्लिनिक, अमायरा में त्वचाविज्ञान और प्लास्टिक सर्जरी में कोई योग्यता नहीं रखने वाले फर्जी डॉक्टर कथित तौर पर मरीजों को बाल प्रत्यारोपण, त्वचा देखभाल, प्लेटलेट-समृद्ध प्लाज्मा (पीआरपी) और लेजर थेरेपी जैसी जटिल प्रक्रियाएं करते पाए गए।

यह भी पाया गया कि क्लीनिक के पास जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (डीएम एंड एचओ) से संचालन की अनुमति नहीं थी। परिषद ने कहा कि क्लीनिक का संचालन फज शेख और इमरान खान द्वारा किया जा रहा था, जो बिना किसी मेडिकल योग्यता के अवैध रूप से डॉक्टर के रूप में उपचार कर रहे थे।

डॉ.वी. नरेश कुमार, डॉ. अनवर मिया, डॉ. वेंकटस्वामी और हनमकोंडा के अतिरिक्त डीएम एवं एचओ डॉ. मदन मोहन सहित निरीक्षण दल ने पाया कि अयोग्य व्यक्ति बिना योग्यता के उच्च स्तरीय नैदानिक परीक्षण कर रहे थे। इस बीच, श्रीनिवास क्लिनिक, भीमाराम, हनमकोंडा का संचालन ई. श्रीनिवास द्वारा किया जा रहा था, जिनके पास कोई चिकित्सा योग्यता नहीं थी, और एक लैब तकनीशियन, बी. अनिल, एसआरआर डायग्नोस्टिक सेंटर, एर्रागट्टुगुट्टा एक्स रोड में उच्च-स्तरीय निदान का संचालन और संचालन करते पाया गया।

तीनों व्यक्तियों के खिलाफ राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) अधिनियम की धारा 34 और 54 तथा तेलंगाना राज्य चिकित्सा व्यवसायी पंजीकरण (टीएसपीएमआर) अधिनियम की धारा 22 के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। टीजीएमसी जनसंपर्क समिति के अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र कुमार ने कहा कि लेजर और हेयर ट्रांसप्लांटेशन जैसी जटिल प्रक्रियाएं एमडी डर्मेटोलॉजी या एमसीएच प्लास्टिक सर्जरी पूरा करने वाले डॉक्टरों द्वारा की जानी चाहिए। बीडीएस डिग्री वाले डेंटल डॉक्टर या वैध चिकित्सा मान्यता के बिना किसी अन्य व्यक्ति के लिए कॉस्मेटोलॉजी, हेयर ट्रांसप्लांटेशन और लेजर उपचार करना अवैध है। ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दुर्घटना में 5 वर्षीय बच्चे सहित 3 की मौत

मेदक, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण शनिवार शाम नरसापुर मंडल के चिंताकुंटा में दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में एक पांच वर्षीय लड़के सहित तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, वेंकटरावपेट निवासी गोपाल (28) अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ दोपहिया वाहन पर नरसापुर की ओर जा रहे थे, तभी विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। गोपाल और उनके बेटे लोकेश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि भीषण सड़क हादसे में शामिल दूसरी बाइक के सवार की भी मौके पर ही मौत हो गई। गोपाल की पत्नी पूजा और उसके छोटे बेटे सहित तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को नरसापुर के क्षेत्रीय अस्पताल में भर्ती कराया गया।

IN THE COURT OF THE HON'BLE Ist SENIOR CIVIL JUDGE CITY CIVIL COURT:: AT : HYDERABAD

S.O.P.No. 11 OF 2025

Between:
Abhi Bhattacharjee & 1 Anr . .... Petitioners Nos. 1 & 2
AND
1. INDIA POST & 1 anr. ..... Respondants

To
All Concerned

Please take notice that the plaintiff/s filed the above SOP seeking issuance of succession certificate, to declare them as successors of Late Ashime Kumar Bhattacharjee and late Mita Bhattacharjee. If anybody/bodies are having any objection or claims to declare the Petitioner's as legal heirs/successors, shall appear before the HON'BLE 1st SENIOR CIVIL JUDGE :: CITY CIVIL COURT :: AT :: HYDERABAD on 30-06-2025 at 10.30 A.M. along with relevant documents, failing which the above case will be heard and decided in accordance with law. Hence this notice.

//BY ORDER OF THE HON'BLE COURT //

Sd/- E.SYAMKUMAR GOUD,
Advocate, O/o: Plot No.159,
Avanthinagar thota, Beside Vijetha High School, Hyderabad - 114.
TS. Cell: 7675991881

मिर्जापुर में पलटी एंबुलेंस गर्भवती सहित चार की मौत

मिर्जापुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। सोनभद्र जिला अस्पताल लोढ़ी से नौ माह की गर्भवती महिला की डिलीवरी कराने को लेकर वाराणसी जा रही एंबुलेंस शनिवार को स्टेट हाइवे पांच ए पर ओवर ब्रिज के पास गिट्टी लदे ट्रक को ओवरटेक करने के चक्कर में पलट गई। इस दौरान ट्रक भी अनियंत्रित होकर एंबुलेंस के ऊपर पलट गया और डाला में लदी गिट्टी के मलवे में एंबुलेंस दब गई। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने रेस्क्यू चलाकर पास में स्थित पत्थर खदान में कार्यरत जेसीबी व लोडर को बुलाकर गिट्टी का मलवा हटाना शुरू किया। हाइवे के एक लेन की गाड़ियों को डायवर्ट करते हुए काफी मशक्कत के बाद मलबे से एंबुलेंस को बाहर निकाला गया। उसमें फंसे दो महिला व चार पुरुषों को ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाला गया।

15 हजार स्टूडेंट्स से 250 करोड़ रुपये की ठगी

ईडी की जांच में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

लखनऊ, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। फिटजी कोचिंग संचालकों ने विभिन्न राज्यों के 14,411 छात्र-छात्राओं से एडवांस फीस के रूप में 250.02 करोड़ रुपये जमा कराए थे और जनवरी माह में बिना किसी पूर्व सूचना के अपने कोचिंग सेंटर बंद कर दिए थे। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच में यह भी सामने आया है कि छात्रों से शैक्षणिक सत्र 2028-29 तक की एडवांस फीस जमा कराई गई थी। इनमें वर्तमान में चल रहे बैचों के छात्र-छात्राओं से लगभग 206 करोड़ रुपये जमा कराए गए थे। ईडी ने दिल्ली में कोचिंग संचालक डीके गोयल के वसंत विहार स्थित आवास समेत अन्य स्थानों पर की गई छापेमारी के दौरान कई दस्तावेज, 10 लाख रुपये नकद व 4.89 करोड़ रुपये के जेवर जब्त किए हैं। इनमें कई आपत्तिजनक दस्तावेज व डिजिटल डिवाइस भी शामिल हैं। ईडी के अनुसार व्यक्तिगत लाभ के लिए फीस की रकम को दूसरे खातों में डायवर्ट किया गया था। आगे की छानबीन की जा रही है। इन राज्यों में सेंटर कर दिए बंद फिटजी कोचिंग के लखनऊ, गाजियाबाद, मेरठ, नोएडा, प्रयागराज, दिल्ली, भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, फरीदाबाद, गुरुग्राम, मुंबई व अन्य शहरों में स्थित 32 कोचिंग सेंटर बिना किसी पूर्व सूचना के अचानक बंद कर दिए गए थे। ईडी के अनुसार छानबीन में सामने आया है कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 के 9,823 छात्र-छात्राओं से 181.89 करोड़ रुपये, शैक्षणिक सत्र 2026-27 के 3,316 छात्र-छात्राओं से 47.48 करोड़ रुपये, शैक्षणिक सत्र 2027-28 के 1,008 छात्र-छात्राओं से 17.07 करोड़ रुपये तथा शैक्षणिक सत्र 2028-29 के 264 छात्र-छात्राओं से 3.76 करोड़ रुपये बतौर फीस जमा कराए गए थे। वेतन का भी नहीं किया भुगतान फिटजी संचालक ने कोचिंग सेंटर के अध्यापकों व कर्मचारियों के कई माह के वेतन का भुगतान भी नहीं किया था। ईडी ने कोचिंग संचालक के विरुद्ध दर्ज कराए गए मुकदमों को आधार बनाकर मनी लॉड्रिंग का केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। ईडी ने गुरुवार व शुक्रवार को दिल्ली, नोएडा व गुरुग्राम स्थित आठ स्थानों पर छापेमारी की थी। इनमें कोचिंग संचालक का दिल्ली स्थित आवास व कारपोरेट आफिस भी शामिल था। जांच में यह भी सामने आया है कि शैक्षिक सेवाओं की आड़ में छात्र-छात्राओं व उनके अभिभावकों को धोखा देकर धन की हेराफेरी योजनाबद्ध ढंग से की गई।

कटिहार में थाने पर हमला मामले में भाजपा नेता के घर छापेमारी

पुलिस ने मां को हिरासत में लिया

कटिहार, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले में डंडखोरा थाने पर रायपुर गांव के लोगों ने शराब कारोबारी को छुड़ाने के लिए हमला बोल दिया था। करीब 100 से भी ज्यादा संख्या में लाठी-डंडे लेकर पहुंचे लोगों ने थाने में जमकर उत्पात मचाया। पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की और थाने में मौजूद कई सामानों को क्षतिग्रस्त कर दिया। इस घटना में कई पुलिसकर्मी घायल भी हो गए। ऐसे में अब इस पूरे घटनाक्रम को लेकर पुलिस एक्शन मोड में आ गई है और ताबड़तोड़ कार्रवाई शुरू हो गई है। दरअसल, इस घटना के बाद पुलिस एक्टिव हो गई और थाना पर हमला करने वाले सभी उपद्रवियों की खोजबीन में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, कई थानों की पुलिस नवादा गांव पहुंची और छापेमारी के दौरान रायपुर पंचायत के मुखिया सह भाजपा प्रखंड अध्यक्ष आलोक कुमार के घर पहुंची। दूसरी ओर परिजनों का आरोप है कि, पुलिस ने घर में तोड़फोड़ की। स्कॉर्पियो और ट्रैक्टर को जब्त कर थाने ले आई है। इस घटना को लेकर बड़ा अपडेट यह भी सामने आया है कि, पुलिस ने नवादा गांव के मुखिया आलोक कुमार की मां को हिरासत में ले लिया है। इतना ही नहीं, इसके अलावा पूर्व मुखिया संजीव चौहान के परिजनों ने भी पुलिस पर छापेमारी के दौरान मारपीट में घर के सामान क्षतिग्रस्त करने का आरोप लगाया। मामले में बताया जा रहा है कि, पुलिस को इस बात का अनुमान है कि, थाना पर हमला करने वालों को उकसाने में स्थानीय मुखिया की भूमिका रही है। खैर, इस पूरी घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। देखना होगा कि, पुलिस क्या कुछ एक्शन लेती है।

बम धमाकों से दहली पटना यूनिवर्सिटी

आधी रात को दो हॉस्टल के छात्रों में हुआ था विवाद, पुलिस ने लिया एक्शन

पटना, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना से बड़ी खबर सामने आई है। यहां प्रतिष्ठित पटना यूनिवर्सिटी में एक के बाद एक बमबाजी की कई घटना हुई। बमबाजी के बाद से पूरे इलाके में हड़कंप है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। मिली जानकारी के अनुसार, पटना यूनिवर्सिटी के क्वींडिस और मिंटो हॉस्टल के छात्रों के बीच विवाद चल रहा था। वह विवाद बीती रात अचानक बढ़ गया। दोनों ही हॉस्टल के छात्रों के बीच मारामारी भी हुई। फिर इसके बाद हॉस्टल के छात्रों ने देर रात 1:30 बजे के करीब एक के बाद एक चार बम फोड़े। बम फोड़ने के बाद पूरे इलाके में तनाव फैल गया और हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि पुराने विवाद में पहले छात्रों के बीच बहस बाजी हुई। उसके बाद से ईंट पत्थर भी चलाए गए। फिर बम फेंके गए। एक के बाद एक चार बम फोड़े जाने के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इधर घटना की सूचना मिलने के बाद पीर बहोर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। बताया जा रहा है कि स्थानीय पुलिस ने कई छात्रों को हिरासत में भी लिया है। सभी छात्रों से पुलिस पूछताछ भी कर रही है। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि विवाद किस बात को लेकर हुआ जो बमबाजी तक पहुंच गया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि इस मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस और स्थानीय प्रशासन पूरे घटना की गंभीरता से जांच कर रहा है। फिलहाल घटना के बाद तनाव बना हुआ है।

गंगा एक्सप्रेस-वे का सीएम ने किया निरीक्षण

20 मिनट तक रुके, निर्माण कार्य में देरी होने पर अफसरों को फटकारा; बोले- काम में लापरवाही न हो

हरदोई, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। शाहजहांपुर, हापुड़गंगा एक्सप्रेस-वे का निरीक्षण करने के लिए सीएम योगी रविवार सुबह हरदोई पहुंचे। 11 बजकर 5 मिनट पर सीएम का हेलीकाप्टर जिला मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर हसनपुर में उतरा। सीएम ने कार से लगभग 100-200 मीटर तक एक्सप्रेस-वे का निरीक्षण किया। सीएम के साथ यूपीडा के अफसर, उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वे डेवलपमेंट अथॉरिटी के अफसर और नेशनल एक्सप्रेस-वे डेवलपमेंट अथॉरिटी के अफसर मौजूद रहे। सीएम ने एक्सप्रेस वे पर हो रहे काम को देखा। उसके बाद निर्माण में हो रही देरी को लेकर अफसरों को फटकार लगाई। उन्होंने अफसरों से कहा, तय सीमा में एक्सप्रेस-वे का निर्माण हो जाना चाहिए। काम में लापरवाही नहीं होनी चाहिए। नवंबर में एक्सप्रेस को तैयार हो जाना चाहिए था लेकिन निर्माण कार्य बहुत धीमी गति से हो रहा है। करीब 20 मिनट तक एक्सप्रेस का निरीक्षण करने के बाद सीएम योगी हेलीकाप्टर से शाहजहांपुर के लिए रवाना हो गए। सीएम रविवार को हरदोई, शाहजहांपुर और हापुड़ में एक्सप्रेस-वे का निरीक्षण कर रहे हैं। हरदोई के बाद सीएम शाहजहांपुर हेलीकाप्टर से पहुंचे। उन्होंने हेलीकाप्टर से उतरते ही सांसद अरुण सागर से हालचाल पूछा। उसके बाद कार से एक्सप्रेस-वे का निरीक्षण करने के लिए रवाना हो गए। एक्सप्रेस-वे पर अफसरों से बात करके जल्द काम पूरा करने के निर्देश दिए। करीब 15 मिनट तक सीएम मौके पर रुके। उसके बाद हापुड़ के लिए रवाना हो गए।

शाहजहांपुर में एयरस्ट्रिप भी तैयार हो रहा

सीएम के आने पर सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए। किसी भी व्यक्ति को 2 किलोमीटर की रेंज के अंदर नहीं आने दिया जा रहा है। बता दें, शाहजहांपुर से 30 किलोमीटर दूर जलालाबाद में गंगा एक्सप्रेस-वे का निर्माण हो रहा है। शाहजहांपुर में 3.5किमी का एयरस्ट्रिप भी तैयार हो रहा है। बता दें, मेरठ से प्रयागराज तक बनने वाला 650 किलोमीटर लंबा गंगा एक्सप्रेस-वे उत्तर प्रदेश की प्रमुख परियोजनाओं में से एक है। यह एक्सप्रेस-वे पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश को जोड़ेगा। इससे क्षेत्र में औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

यूपी में कहां-कहां वायुसेना के स्टेशन?

यूपी में वेस्टर्न एयर कमांड में गाजियाबाद का हिंडन एयरबेस और सहारनपुर का सरसावा एयरफोर्स स्टेशन है। सेंट्रल एयर कमांड में आगरा, लखनऊ में बख्शी का तालाब, बरेली का त्रिशूल एयरबेस, प्रयागराज का बमरौली, कानपुर का चकेरी और गोरखपुर एयरफोर्स स्टेशन है।

सुरक्षा गार्ड को रिवॉल्वर देने पर एफआईआर

भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजेश सिंघल पर कसा कानून का शिकंजा

संभल, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। भाई के बाद अब भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजेश सिंघल भी कानून में शिकंजे में आ गए हैं। अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर निजी सुरक्षाकर्मियों के हाथ में देने के आरोप पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। जिसका वीडियो प्रसारित हुआ था। प्राथमिकी में भाजपा नेता के साथ मोहम्मद फैजी और वसीउल को भी नामजद किया गया है। इधर, राजेश सिंघल के चचेरे भाई सुभाष सिंघल के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। आरोप है उन्होंने कंपोजिट विद्यालय की भूमि पर कब्जा कर भवन बनवाकर एक बैंक को किराए पर दे दिया। इससे पहले आठ दिनों के अंतराल में इनके भाई कपिल सिंघल के खिलाफ तीन प्राथमिकी दर्ज कराई जा चुकी है। असमोली थाने के हेड कांस्टेबल जवाहर सिंह की ओर से दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि पुलिस ने इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित दो युवकों के लाइसेंसी रिवाल्वर के साथ फोटो की जांच की। पता चला दोनों युवक भाजपा नेता राजेश सिंघल के निजी सुरक्षाकर्मी हैं। रिवॉल्वर का लाइसेंस राजेश सिंघल के नाम है। नियमानुसार लाइसेंस असलाह किसी अन्य को नहीं दिया जा सकता है। इससे पहले 18 अप्रैल को कपिल सिंघल की स्क्रैप फैक्ट्री पर छापा मारा गया। जहां चोरी के वाहनों के काटे जाने का पता चला। फैक्ट्री को सील कर पुलिस ने कपिल सिंघल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। इसके बाद 24 अप्रैल को बिना अनुमति फैक्ट्री में दीवार फांदकर सीसीटीवी कैमरे लगाने की प्राथमिकी दर्ज कराई गई। उसमें जांच में बाधा डालने और सरकारी कार्य में दखलंदाजी करने का आरोप है। इतना ही नहीं 25 अप्रैल को विपुल गुप्ता की तहरीर पर संपत्ति पर कब्जा करने सहित कई आरोप में कपिल सिंघल, उनके बेटे सार्थक सिंघल और पंवासा ब्लाक प्रमुख पति सहित 13 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई।

'सैनिकों की सुरक्षा से कोई समझौता माफी योग्य नहीं'

अखिलेश यादव ने सरकार को घेरते हुए ऐसा क्यों कहा?

लखनऊ, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सुरक्षा बलों के विशेष अभियानों (स्पेशल ऑपरेशन्स) की लाइव मीडिया कवरेज को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इसको लेकर सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट किया। उन्होंने इस कवरेज को 'रणनीतिक लापरवाही' या 'राजनीतिक प्रचार' से प्रेरित बताते हुए सरकार से तत्काल स्पष्टीकरण की मांग की है। सपा चीफ अखिलेश यादव ने अपने ट्वीट में लिखा, 'सुरक्षा के दृष्टिकोण से स्पेशल ऑपरेशन्स की लाइव कवरेज की अनुमति क्या एक रणनीतिक लापरवाही थी या फिर ये राजनीतिक प्रचार से प्रेरित थी, ये बात सरकार तत्काल स्पष्ट करे। उन्होंने आगे चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसी लाइव कवरेज से दुश्मन को सुरक्षा बलों की लोकेशन और रणनीति की जानकारी मिल सकती है, जिससे जवानों की जान और देश की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है।

ये बोले अखिलेश

सपा चीफ अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, सुरक्षा के दृष्टिकोण से स्पेशल ऑपरेशन्स की लाइव कवरेज की अनुमति क्या एक रणनीतिक लापरवाही थी या फिर ये राजनीतिक प्रचार से प्रेरित थी, ये बात सरकार तत्काल स्पष्ट करे। कल को फिर से सरकार ये कहेगी कि 'एक चूक के बाद ये दूसरी चूक' हो गयी। उन्होंने आगे लिखा, इसका मतलब साफ़ है कि सुरक्षा जैसे अति संवेदनशील क्षेत्र में मीडिया का अवांछित अतिक्रमण है। लाइव कवरेज तो दुश्मन भी देखेंगे जिससे हमारे सुरक्षा बलों की लोकेशन उनको पता चल जाएगी और रणनीति भी, इससे देश की सुरक्षा और हमारे जवानों की जान भी ख़तरे में डाल दी जाएगी। इस तरह की लाइव कवरेज के लिए सख़्त दंडात्मक कार्रवाई हो। देश और सैनिकों की सुरक्षा से कोई भी समझौता माफ़ी के योग्य नहीं है।

पहलगाम आतंकी हमला: बच्चों को अकेले नहीं भेजूंगी पाकिस्तान, अमृतसर से वापस लौटी सना

मेरठ, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। मेरठ में सरधना के घोसियान मोहल्ला निवासी सना ने अपने बच्चों को अकेले पाकिस्तान भेजने से इंकार कर दिया है। सना का वीजा भारत का और उसके बच्चों का पाकिस्तान का है। विदेश मंत्रालय ने सना को भारत और उसके बच्चों को पाकिस्तान भेजने की मंजूरी दी है। महिला ने नाराजगी जताकर आपत्ति दर्ज कराई है। अब महिला दोनों बच्चों संग अपने मायके सरधना वापस लौट आई है। विदेश मंत्रालय के अगले आदेश तक महिला और उसके बच्चे भारत में रहेंगे। पुलिस के मुताबिक घोसियान मोहल्ला निवासी पीरुद्दीन की बेटी सना की शादी 2020 में पाकिस्तान के कराची में हुई थी। सना के तीन साल का बेटा और छह महीने की बेटी है। सरधना में मायके में 26 अप्रैल को एक शादी का कार्यक्रम था, जिसमें सना अपने दोनों बच्चों के साथ 40 दिन के वीजा पर भारत आ गई। 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी हमला हुआ। इसके चलते पाकिस्तान से दो माह या उससे कम वीजा पर आए लोगों को वापस उनके देश भेजने का सिलसिला भारत में चल रहा है। सना और उसके दोनों बच्चों को पाकिस्तान भेजने की तैयारी सुरक्षा एजेंसियों ने कर ली। तीनों को अमृतसर भेजा गया। विदेश मंत्रालय ने सना को भारत और उसके दोनों बच्चों को पाकिस्तान भेजने की सहमति दी। सना ने अपने दोनों बच्चों को अकेले पाकिस्तान भेजने से इंकार कर दिया। महिला ने कहा है कि मैं भी पाकिस्तान से अपने बच्चों के साथ आई हूं। बच्चों के साथ मुझे भी पाकिस्तान भेजने की इजाजत दीजिए, अन्यथा मैं अपने बच्चों के साथ भारत में ही रहूंगी। जिस पर विदेश मंत्रालय ने महिला और उसके दोनों बच्चों को पाकिस्तान भेजने के निर्णय पर विचार करने की बात कही है। सना अपने बच्चों के साथ वापस सरधना अपने मायके लौट आई है। शनिवार को महिला ने बच्चों के साथ शादी कार्यक्रम में उपस्थित रही। सना का कहना है कि उसके बच्चों के पिता पाकिस्तान में हैं। अमृतसर वाघा बॉर्डर पर महिला ने अधिकारियों से गुहार लगाई कि भारत में रहने का अभी 32 दिन का वीजा बचा हुआ है। बच्चों को उसके साथ पाकिस्तान भेजा जाए। अधिकारियों ने सना को बताया कि उच्च अधिकारियों से बात करेंगे, जिसके बाद सना अपने दोनों बच्चों के साथ वापस सरधना लौट आई। सना ने कहा कि मैं बच्चों को अपने बिना पाकिस्तान नहीं भेज सकती। फिलहाल मैं जहां रहूंगी, बच्चे भी वहीं रहेंगे। खुफिया विभाग ने दो महीने या उससे कम समय वाले बीजा पर पाकिस्तान से मेरठ आए लोगों की संख्या सिर्फ तीन बताई है। शुक्रवार देररात तक तीनों को पाकिस्तान भेजने की बात सामने आई थी। दो महीने से ऊपर रहने वाले पाकिस्तान के लोगों की भी खुफिया विभाग ने रिपोर्ट तैयार की है। उनको पाकिस्तान भेजना है या नहीं, इसको लेकर अभी मंथन चल रहा है। सरकार के अगले निर्देश के बाद ही कार्रवाई सुनिश्चित होगी।

प्रयागराज में शिक्षा निदेशालय में आग

5 हजार फाइलें राख: जिन दो कमरों में आग लगी वहां टीचर्स की फर्जी नियुक्तियों की फाइलें भी थीं

प्रयागराज, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रयागराज के शिक्षा निदेशालय में रविवार सुबह भीषण आग लग गई। आग से दो कमरों में रखी एडेड स्कूलों की 5 हजार फाइलें जलकर राख हो गईं। मौके पर फायर ब्रिगेड की 3 गाड़ियां पहुंचीं। फायर फाइटर्स को आग बुझाने के दौरान करंट के झटके लगे। इससे वहां चीख-पुकार मच गई। फायर फाइटर्स का कहना है कि इन्वर्टर ऑन था। फाइलें होने के चलते आग बहुत तेजी से फैली। बुझाने में 4 घंटे से ज्यादा का वक्त लगा। आग निदेशालय के ग्राउंड फ्लोर में कमरा नंबर- 14 और 15 में लगी। सूत्रों ने बताया कि जिन दो कमरों में आग लगी, उनमें प्रदेश के 9 मंडल के एडेड स्कूलों के रजिस्ट्रेशन, टीचर भर्ती, भर्ती में फर्जीवाड़ा, जांच, ट्रांसफर, वित्तीय लेनदेन से जुड़ी फाइलें भी रखी थीं। आग कैसे लगी? यह अभी स्पष्ट नहीं है। घटना सुबह 8 बजे की है। मौके पर पुलिस और शिक्षा निदेशालय के सीनियर अफसर पहुंच गए हैं। ऑफिस के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। क्या यह कोई साजिश है? इस सवाल पर पुलिस का कहना है कि सभी एंगल पर जांच होगी।

गार्ड बोले- सुबह 7.15 बजे ड्यूटी पूरी कर मैं गया

गार्ड कमलेश यादव ने कहा- नाइट ड्यूटी पूरी कर मैं यहां से सुबह 7.15 बजे निकला। रात में जल रही सभी लाइट बुझाई। तब न तो धुआं उठ रहा था, न ही कुछ जलने की बदबू आ रही थी। मैं घर पहुंच गया, फिर करीब 8.15 बजे इसी गार्ड ने आग की सूचना दी। इसके बाद मैं भी मौके पर आ गया।

प्रशांत किशोर की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, मंत्री अशोक चौधरी करेंगे मानहानि का मुकदमा

पटना, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सभी राजनीतिक पार्टियां चुनावी तैयारियों में जुटने लगी है। इस बीच राजनीतिक पार्टियों के बीच जुबानी जंग भी तेज होने लगी है। इसी कड़ी में जन सुराज संयोजक प्रशांत किशोर ने मंत्री अशोक चौधरी पर अपनी बेटी के लिए टिकट खरीदकर सांसद बनवाने का आरोप लगाया था। जिसपर मंत्री अशोक चौधरी का जवाब आया है। शनिवार को मीडिया से बातचीत के दौरान जब उनसे प्रशांत किशोर के आरोप पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि उनपर मानहानि का केस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर ने जो कहा है उनपर मानहानि का केस तैयार हो रहा है, उनके खिलाफ केस लड़ेंगे, क्योंकि हम लोग तो दलित परिवार से आते हैं हम तो उनसे तलवार, छूरा लेकर लड़ने जाएंगे नहीं, हमारे पास सामान्य नागरिक होने का जो संसाधन है उसका हम प्रयोग करेंगे। हमको लगता है कि हमें न्याय मिलेगा।

क्या बोले थे प्रशांत किशोर?

दरअसल, जमुई में एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए जन सुराज संयोजक प्रशांत किशोर ने मंत्री अशोक चौधरी पर हमला बोला था। उन्होंने कहा कि अशोक चौधरी का राजनीतिक चरित्र क्या है सबको पता है। उन्होंने अपनी बेटी को टिकट खरीदकर सांसद बनवाया था। बिहार में किसी पार्टी या नेता की हिम्मत नहीं कि उनपर एक रुपया लेने का आरोप लगा सके।

'अपनी मेहनत और बुद्धि से धन अर्जित किया है'

प्रशांत किशोर ने कहा कि हम न तो सांसद है न विधायक, न ही बालू या शराब माफिया के लिए काम करते हैं। हमने जो धन अर्जित किया है वो अपनी मेहनत और बुद्धि से किया है। उन्होंने कहा कि हम जो भी संसाधन खर्च कर रहे हैं वो बिहार के गरीब लोगों के लिए खर्च कर रहे हैं। ताकि पैसे के अभाव में उन्हें राजनीति से दूर न होना पड़े।

बिहार में भीषण सड़क हादसा, स्कॉर्पियो और बाइक की टक्कर में एक ही गांव के 4 युवकों की मौत

कैमूर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। भभुआ-मोहनियां पथ पर सेमरियां गांव के पास रविवार की सुबह स्कॉर्पियो और बाइक की टक्कर में चार नवयुवकों की मौत हो गई। चारों युवक बाइक पर ही बैठे थे। बाइक लेकर चारों भभुआ से अपने गांव बारे जा रहे थे। इसी दौरान सेमरिया के पास सामने से आ रही स्कॉर्पियो में बाइक टकरा गई। इससे तीन की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक युवक को गंभीर हालत में सदर अस्पताल से बेहतर इलाज के लिए वाराणसी रेफर कर दिया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मृतकों में भभुआ थाना क्षेत्र के बारे गांव निवासी जितेंद्र कुमार यादव का पुत्र वीरेंद्र कुमार 22 वर्ष, स्व. पप्पू तिवारी का पुत्र सन्नी देवल तिवारी 22 वर्ष, मंटू चौधरी का पुत्र आदर्श चौधरी 21 वर्ष, प्रभु गोंड का पुत्र विकास कुमार गोंड 23 वर्ष बताए जाते हैं। इसमें घटनास्थल पर ही वीरेंद्र कुमार यादव, सन्नी देवल तिवारी और आदर्श चौधरी की मौके पर ही मौत हो गई।

'मेरे लिए देश पहले, बीवी-बच्चा कुर्बान करने पड़ें तब भी गम नहीं'

बिहार में पाकिस्तान के दामाद का फूटा गुस्सा

मुजफ्फरपुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले से जहां पूरे देश में रोष व्याप्त है, वहीं बिहार में रह रहे पाकिस्तान के दामाद के गुस्से का अलग ही लेवल देखने को मिला। मुजफ्फरपुर निवासी आफताब आलम की बीवी और बेटी पाकिस्तान में हैं। आफताब ने पाकिस्तानी सायना कौसर से निकाह किया था। आफताब को पहलगाम हमले का इतना दुख है कि उन्होंने कहा- पाकिस्तान से आर-पार की लड़ाई होनी चाहिए। मेरे लिए देश पहले है, बीवी-बेटी बाद में। गुस्से का आलम तो इतना है कि आफताब ने ये तक कह डाला- देश के लिए बीवी और बेटी की कुर्बानी देनी पड़ी तो भी मैं पीछे नहीं हटूंगा। मुझे उन्हें कुर्बान करने में कोई गम नहीं होगा। आफताब औराई के रहने वाले हैं। उनकी पत्नी सायना कौसर और बेटी आफिया इस समय पाकिस्तान के कराची में हैं। आफताब की बेटी पाकिस्तान के एक प्राइवेट स्कूल में पांचवीं क्लास में पढ़ती है। जबकि, पत्नी सायना एक कॉलेज में प्रोफेसर के पद पर हैं। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से आफताब काफी आक्रोशित हैं। उन्होंने कहा- पाकिस्तान का कोई भरोसा नहीं। वह न तो खुद के नागरिकों से इंसानियत से पेश आता है। न ही पड़ोसी देशों के साथ। आफताब ने दुख जताते हुए कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो देश के लिए वे अपनी पत्नी और बेटी की भी कुर्बानी देने को तैयार हैं।

नाबालिग लड़के के यौन उत्पीड़न में कोर्ट ने सुनाई 47 साल की सजा

कोट्टायम, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल की एक अदालत ने एक नाबालिग लड़के के साथ यौन उत्पीड़न के मामले में एक व्यक्ति को 47 साल कैद की सजा सुनाई है और 30,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। कोट्टायम विशेष फास्ट-ट्रैक कोर्ट के न्यायाधीश सतीश कुमार वी ने 2024 में दर्ज मामले में सिजोमोन (41) को सजा सुनाई। पुलिस के अनुसार, पिछले साल अगस्त में यहां अयारकुन्नम पुलिस स्टेशन में एक मामला दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि वैकोम के चेनक्कला के मूल निवासी सिजिमोन ने लड़के का यौन उत्पीड़न किया था। पुलिस द्वारा रविवार को जारी एक बयान में कहा गया कि अदालत ने आरोपी को दोषी पाया और उसे 47 साल की कैद और 30,000 रुपये का जुर्माना लगाया। स्टेशन हाउस ऑफिसर अनूप जोस जांच अधिकारी थे, और पॉल के अब्राहम पॉक्सो मामले में सरकारी अभियोजक थे। बता दें कि इसके पहले बेंगलुरु में सड़क पर जा रही युवती के सात यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया था। पुलिस ने करीब 700 सीसीटीवी खंगालने के बाद आरोपी को केरल से गिरफ्तार किया था। आरोपी संतोष की उम्र 26 साल है और वह बेंगलुरु के एक जैगुआर शोरूम में ड्राइवर के तौर पर काम करता है। पुलिस के मुताबिक, जब उसके खिलाफ तलाशी शुरू हुई तो वह तमिलनाडु के होसुर भाग गया, फिर सलेम और वहां से केरल के कोझीकोड पहुंचा।

'मुसलमान को काम पर रखा तो तुझे देख लेंगे'

बीजेपी नेता पर लगा फेरीवालों से मारपीट का आरोप, 8 पर केस

दादर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई के दादर इलाके में बीजेपी नेता अक्षता तेंदुलकर पर आरोप है कि उन्होंने अपने समर्थकों के साथ मिलकर दादर मार्केट में फेरीवालों के मारपीट की। इस मामले में बीजेपी नेता समेत 8 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। यह मारपीट कथित रूप से मुसलमान को काम पर रखने को लेकर विवाद के दौरान हुई। बीजेपी नेता ने अपने फेसबुक पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें दादर में जाकर अवैध रूप से आए हुए फेरीवालों से उनके समर्थक मारपीट करते हुए नजर आ रहे हैं। बता दें, बांग्लादेशियों के अतिक्रमण हटाने के नाम पर कई बार ऐसे वीडियो नेता की तरफ से शेयर किए गए हैं। हालांकि, जब वीडियो बहुत ज्यादा वायरल हुआ और उन पर मामला दर्ज हुआ, तब उन्होंने अपने फेसबुक से इस वीडियो को हटा दिया।

मारपीट करने के बाद मांगा आधार कार्ड

पुलिस की तरफ से दर्ज की गई एफआईआर के मुताबिक, जिस शख्स को लोग मारते हुए नजर आ रहे हैं, उसका नाम सोफियान शाहिद अली बताया जा रहा है। मारपीट की घटना के बाद उसने अपने मालिक को फोन किया और बताया कि अक्षता तेंदुलकर अपने कुछ 8 से 9 समर्थकों के साथ आकर उसके साथ मारपीट कर रही हैं और उसका आधार कार्ड मांग रही हैं।

'मुसलमान को काम पर रखा तो देख लेंगे'

शिकायतकर्ता शंकर मिश्रा ने अपनी शिकायत में बताया है कि अक्षता तेंदुलकर ने कहा, आपको समझ नहीं आता आप मुसलमान को काम देते हैं। आपकी वजह से दंगे होते हैं। अगर मुसलमान को काम पर रखा तो तुझे देख लेंगे।

इन धाराओं में केस दर्ज

मुंबई के शिवाजी पार्क पुलिस स्टेशन में इस मामले में पुलिस ने बीएनएस की धारा 189 (2),191 (2),115 (2) 352, 351 (2), 37 (1) और 135 के तहत नौ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

मणिपुर में 10 उग्रवादी गिरफ्तार, जबरन वसूली सहित कई आरोप, हथियार भी बरामद

इंफाल, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग प्रतिबंधित संगठनों के 10 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारी इंफाल पूर्व और इंफाल पश्चिम जिलों में की गई है। पुलिस ने रविवार को बताया कि प्रतिबंधित यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (पाम्बेई) के चार कार्यकर्ताओं और एक सहयोगी को शनिवार को इंफाल पूर्व के वांगखेई थंगापट मापन से गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारी के अनुसार ये उग्रवादी इंफाल घाटी में जबरन वसूली और स्थानीय लोगों को धमकाने की गतिविधियों में शामिल थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंधित 'पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलीपाक' (पीआरईपीएके-प्रो)' के एक सदस्य को इंफाल पश्चिम के लाम्फेलपट से गिरफ्तार किया गया, जबकि कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूडी) के पांच सक्रिय कार्यकर्ताओं को शनिवार को इंफाल पूर्व के विभिन्न हिस्सों से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए यूएनएलएफ (पी) कार्यकर्ता इंफाल घाटी में जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल थे और मौद्रिक लाभ के बदले व्यक्तियों के निजी मामलों में जबरन दखल देकर स्थानीय लोगों को डराते-धमकाते थे। इसके अलावा, यह भी पता चला कि गिरफ्तार किया गया पांचवां व्यक्ति (सहयोगी) इन गिरफ्तार यूएनएलएफ (पी) कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों के बीच बिचौलिए के रूप में काम करके जबरन वसूली और डराने-धमकाने में शामिल था।

पाकिस्तान की हिरासत में बीएसएफ जवान

चार दिन से पाक के कब्जे में पीके शाह, पति के लिए तड़प रही पत्नी

फिरोजपुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब के फिरोजपुर में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से सीमा के उस पार पाकिस्तान गलती से गया सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का जवान अभी तक नहीं लौटा है। चार दिन से जवान पाकिस्तान की हिरासत में है। 90 घंटे से भी ज्यादा समय बीत जाने के के बाद भी पाकिस्तानी रेंजर्स ने बीएसएफ के जवान पीके शाह को रिहा नहीं किया। शनिवार को दिन भी बीएसएफ के अधिकारी फ्लैग मीटिंग के लिए पाकिस्तानी रेंजर्स का इंतजार कर रहे थे लेकिन वे फ्लैग मीटिंग करने के लिए नहीं आए। शाम से पाकिस्तान रेंजर्स ने बीएसएफ जवान कांस्टेबल पीके शाह को हिरासत में रखा है। पीके शाह कोलकाता का रहने वाला है। सूत्रों ने बताया कि उक्त जवान की पत्नी रजनी शाह कोलकाता से अपने पति की रिहाई को लेकर पंजाब आ रही है। उक्त जवान को पाकिस्तानी रेंजर्स ने उस समय गिरफ्तार किया जब पहलगाम में आतंकवादियों ने 26 पर्यटकों की हत्या कर दी है। इस समय दोनों देशों में तनाव की स्थिति बनी है।

बीएसएफ ने कई बार दिखाई दरिया दिल्ली

बीएसएफ ने कई बार दरिया दिल्ली दिखाई है कि जब कभी पाकिस्तानी नागरिक सीमा लांघ कर भारतीय इलाके में घुस आता था तो बीएसएफ उसे पकड़ने के बाद फ्लैग मीटिंग कर उसे पाकिस्तानी रेंजर्सों के हवाले कर देती थी। यह एक ऐसा मामला सामने आया है कि 48 घंटे से अधिक समय बीतने के बाद भी पाकिस्तान ने बीएसएफ के जवान को फ्लैग मीटिंग करने के बाद भी रिहा नहीं किया है।

पाकिस्तान की तरफ से नहीं है फेंसिंग

आपको बता दें कि कई बार पाकिस्तानी गांव से बच्चे और लोग गलती से भारत की सीमा में घुस जाते हैं क्योंकि पाकिस्तान की तरफ कोई फेंसिंग नहीं लगी है सिर्फ एक सफेद पिल्लर है वह भी काफी दूरी पर लगे हैं। जबकि इंडिया की तरफ जो फेंसिंग की गई है उस तरफ भी भारत की काफी जमीन है। ऐसे में कई बार पाकिस्तानी ग्रामीण भारत के इलाके में आ जाते थे तो बीएसएफ उन्हें पाकिस्तानी रेंजर्सों को सौंप देती थी।

दो बार फ्लैग मीटिंग कर चुके बीएसएफ अधिकारी

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का जवान पीके सिंह मूल रूप से कोलकाता का रहने वाला है। वह बुधवार को गलती से बॉर्डर क्रास कर पाकिस्तान सीमा पर चला गया था। जवान को छुड़ाने के लिए बीएसएफ और पाकिस्तानी रेंजर्स अधिकारियों के बीच पहले बुधवार रात और फिर वीरवार दोपहर बाद लगभग साढ़े तीन बजे फ्लैग मीटिंग हुई थी। लेकिन दोनों मीटिंग के बाद भी पाकिस्तान ने बीएसएफ जवान पीके सिंह को वापस नहीं लौटाया।

एक दर्जन से अधिक झुग्गियों में लगी आग, दो लोगों की हुई मौत; दमकलकर्मियों ने आग पर पाया काबू

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। रोहिणी सेक्टर 17 स्थित एक झुग्गी में रविवार सुबह अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग आस पास मौजूद करीब एक दर्जन से अधिक झुग्गियों को अपने चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही दमकल की 20 गाड़ियां मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया है। तलाशी के दौरान दो शव बरामद किए गए है, अभी तलाशी अभियान जारी है। स्थानीय लोगों ने दमकल की गाड़ियों के देर से पहुंचने का आरोप लगाया है। राष्ट्रीय राजधानी के शकरपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आईटीओ के पास जंगल में रविवार दोपहर भीषण आग लग गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा विभाग के अधिकारियों के अनुसार, आग की घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

महाराष्ट्र में 5023 पाकिस्तानी नागरिक मौजूद, 107 लापता

मुंबई, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने का आदेश दिया। इसके बाद राज्य सरकारों ने इसे सफलता पूर्वक पूरा करने का जिम्मा अधिकारियों को सौंपा। इसी बीच महाराष्ट्र से चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए है। महाराष्ट्र में पाकिस्तान के 5023 नागरिकों के मौजूद होने की जानकारी सामने आई है, जिनमें 107 नागरिक पुलिस की पहुंच से फरार हैं और 34 अवैध रूप से राज्य में रह रहे हैं। यह आंकड़े सरकारी अधिकारियों द्वारा जारी किए गए हैं। जम्मू एवं कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमलों के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने का अल्टीमेटम दिया था और शॉर्ट टर्म वीजा पर आए पाकिस्तानी नागरिकों की वापसी प्रक्रिया शुरू कर दी थी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, राज्य में पाकिस्तानी नागरिकों की मौजूदगी का मुख्य कारण विभिन्न श्रेणियों के वीजा हैं, जिनमें लॉन्ग टर्म वीजा, सालाना वीजा रिन्यूअल, पाकिस्तानी पासपोर्ट सरेंडर कर भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन करने वाले और भारत में शादी कर रहने वाले नागरिक शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, लगभग 250 पाकिस्तानी नागरिक, जो शॉर्ट टर्म वीजा पर राज्य में आए थे, उनकी वापसी की प्रक्रिया केंद्र सरकार के निर्देश पर शुरू की जा चुकी है। हालांकि, सरकार ने यह साफ किया है कि केवल शॉर्ट टर्म वीजा पर आए पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे के भीतर वापस भेजने का आदेश प्राप्त हुआ है। इसके अलावा, आंकड़ों के अनुसार, 5023 पाकिस्तानी नागरिकों में से 107 नागरिक पुलिस की पहुंच से बाहर हैं, यानी वे अनट्रेसेबल हैं या भारत आने के बाद अंडरग्राउंड हो गए हैं। इनकी तलाश जारी है, जबकि 34 पाकिस्तानी नागरिक अवैध रूप से राज्य में रह रहे हैं।

जानें किन जिलों में कितने पाकिस्तानी?

राज्य में पाकिस्तानी नागरिकों की मौजूदगी का वितरण विभिन्न शहरों में इस प्रकार है। राज्य में सबसे अधिक पाकिस्तानी नागरिक नागपुर शहर में निवास करते हैं, हालांकि इस आंकड़े में अवैध और लापता नागरिकों की संख्या भी शामिल है। दूसरे नंबर पर ठाणे है, जहां 1106 पाकिस्तानी नागरिक रह रहे हैं, जिनमें 33 लापता और 8 अवैध रूप से रह रहे हैं। तीसरे नंबर पर जलगांव आता है, जहां 393 पाकिस्तानी नागरिक हैं। चौथे नंबर पर पिंपरी चिंचवड़ जहां 290 पाकिस्तानी नागरिक हैं। पांचवां नंबर नवी मुंबई है, जहां 239 पाकिस्तानी नागरिक निवास करते हैं, जिनमें से 2 लापता हैं।

पहलगाम हमले के बाद हिमाचल में मिला पाकिस्तान एयरलाइंस का गुब्बारा, मचा हड़कंप

पुलिस ने शुरू की जांच

शिमला, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मु कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर तनाव चरम पर पहुंच गया है। भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कड़े फैसले लिए हैं। इसी बीच शनिवार को पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले में पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस का एक मॉडल गुब्बारा मिला। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस का मॉडल गुब्बारा हमीरपुर और बिलासपुर की सीमा पर स्थित बड़सर थाना क्षेत्र के रैली जजरी पंचायत अंतर्गत करनेहड़ा गांव में मिला।

गांव में मॉडल गुब्बारा मिलने से हड़कंप मच गया। स्थानीय पंचायत के प्रधान ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। जानकारी मिलने के बाद बड़कर पुलिस चौकी प्रभारी एएसआई प्रकाश ठाकुर टीम के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद पुलिस ने पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस के मॉडल गुब्बारे को कब्जे में लिया और जांच शुरू कर दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ये पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि ये मॉडल गुब्बारा कहां से आया। इसके पीछे क्या मकसद हो सकता है। गुब्बारे में पाकिस्तान का लोगो और अन्य चिन्ह साफ-साफ नजर आ रहे हैं। इससे स्थानीय लोगों में भय का माहौल है।

बम से उड़ाने की भी मिली थी धमकी

बता दें कि इससे पहले शुक्रवार को हमीरपुर के उपायुक्त ऑफिस को बम से उड़ा देने की धमकी मिली थी। फिर इसके अगले ही दिन शनिवार को गुब्बारा मिलने का मामला सामने आया। ऐसे में अब सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है।

भारत-पाक तनाव के बीच चीन की एंट्री होगी या नहीं? पूर्व आर्मी कमांडर ने समझाई पूरी बात

गुवाहाटी, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। क्या भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के बीच चीन की एंट्री हो सकती है? क्या चीन पाकिस्तान की मदद के लिए आगे आ सकता है? भारतीय सेना के एक पूर्व कमांडर ने कहा है कि वर्तमान भू-राजनीतिक परिदृश्य और शुल्क (टैरिफ) संबंधी ''जटिलताओं'' के कारण, पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच ''अस्थिरता'' में चीन के सीधे तौर पर शामिल होने की संभावना नहीं है। हालांकि, उन्होंने यह कहा कि पाकिस्तान के साथ चीन की मित्रता जगजाहिर है। पूर्वी कमान के पूर्व प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) राणा प्रताप कलिता ने कहा, "गलवान 2020 की घटना के बाद, दोनों देशों के बीच काफी विचार-विमर्श हुआ और टकराव के अंतिम बिंदु पर गतिरोध को हल कर लिया गया है।" उन्होंने कहा कि संघर्ष के अंतिम क्षेत्रों में समाधान के बाद 'सामान्यीकरण की प्रक्रिया' शुरू हो गई है और द्विपक्षीय तंत्र में तेजी आई है, जिसमें सीधी उड़ानें शुरू करने और कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने के लिए वार्ता शामिल है। कलिता ने यह भी कहा कि दोनों देशों को अमेरिका द्वारा लगाए गए बढ़े हुए व्यापार शुल्क का सामना करना पड़ रहा है, जिसका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और चीन विनिर्माण देश होने के साथ-साथ प्रमुख उपभोग बाजार भी हैं, इसलिए इनमें शुल्क में बदलाव का प्रभाव अधिक महसूस किया जाएगा। पूर्व सैन्य कमांडर ने कहा, "इन जटिलताओं और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों को देखते हुए, पहलगाम घटना से पैदा हुई अस्थिरता के प्रति चीन की कोई प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया होगी या नहीं, इसका अनुमान लगाना फिलहाल मुश्किल है। लेकिन फिलहाल मुझे नहीं लगता कि वे सीधे तौर पर इसमें शामिल होंगे।" कलिता ने कहा, ''पाकिस्तान के साथ समुद्री संपर्क की संवेदनशीलता जगजाहिर है। चीन के लिए पाकिस्तान के ज़रिए अरब सागर तक पहुंच का महत्व भी जगजाहिर है।''बांग्लादेश सीमा पर संवेदनशीलता के बारे में उन्होंने कहा कि यह अब भी बनी हुई है तथा "बांग्लादेश में सरकार बदलने के बाद यह और भी अधिक बढ़ गई है।" उन्होंने कहा, ''शेख हसीना सरकार के गिरने के बाद हमने देखा है कि बांग्लादेश में भारत विरोधी भावना बढ़ रही है, जिसे धार्मिक कट्टरपंथियों द्वारा बढ़ावा दिया जा रहा है।'' पूर्व सैन्य कमांडर ने कहा कि बांग्लादेश में कार्यवाहक सरकार के सत्ता में आने के बाद अंसार-उल -बांग्ला जैसे आतंकवादी समूहों के प्रमुख व्यक्तियों की जेल से रिहाई ने भी "सामूहिक रूप से भारत विरोधी भावना को बढ़ाने में योगदान दिया है।"उन्होंने कहा कि आईएसआई के महानिदेशक समेत वरिष्ठ पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों का दौरा इस संवेदनशीलता को और बढ़ा देता है। उन्होंने कहा कि बांगलादेश से प्रवासन और पूर्वोत्तर में 'इस्लामी कट्टरवाद फैलाने के लिए घुसपैठ'-यह सब उस मौजूदा संवेदनशीलता के कारण है जो जनसंख्या पैटर्न में मौजूद है, खासकर असम और त्रिपुरा जैसे राज्यों में, जहां जनसंख्या संतुलित और संवेदनशील है तथा ये सब चिंताजनक मुद्दे हैं। कलिता ने कहा कि संकीर्ण सिलीगुड़ी गलियारा भी भारत के लिए संवेदनशील क्षेत्र है, क्योंकि यह पूर्वोत्तर को रणनीतिक संपर्क प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में आतंकवादी शिविरों का संभावित रूप से फिर से शुरू होना चिंता का एक और पहलू है, क्योंकि वहां उल्फा और अन्य संगठनों के अड्डे हैं। हालांकि, कलिता ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बल किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए तैयार हैं।

एक्शन मोड में एनआईए खोलेगी पहलगाम आतंकी हमले के राज सुराग जुटाने जम्मू कश्मीर पहुंचीं टीमें

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पहलगाम में टूरिस्टों पर गत 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले की जांच आधिकारिक तौर पर अपने हाथ में ले ली है। हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी, लेकिन एनआईए ने आतंकी हमले के राज खोलने का जिम्मा उठा लिया है। गृह मंत्रालय (एमएचए) से मंजूरी मिलते ही एजेंसी एक्शन मोड में आ गई है। देश के केंद्रीय गृह मंत्रालय के आतंकवाद और काउंटर रेडिकलाइजेशन (सीटीसीआर) प्रभाग से जारी आदेश के बाद रात एक नई प्राथमिकी दर्ज की, क्योंकि पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के प्रॉक्सी, द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

हॉस्टल में लड़की के पेट में अचानक उठा तेज दर्द, मेडिकल रिपोर्ट देख डॉक्टर रह गए सन्न

फिर हुआ गैंगरेप का खुलासा

शिवपुरी, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी में एक 15 वर्षीय छात्रा के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है, जहां एक लड़की के साथ दो लोगों ने मिलकर रैप किया था। हालांकि उस वक्त डर की वजह से लड़की ने कुछ नहीं कहा और किसी को नहीं बताया था, लेकिन फिर जब एक दिन लड़की के पेट में दर्द हुआ और उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया तो डॉक्टरों ने लड़की को 2 महीने की प्रेग्नेंट बताया। दरअसल, मायापुर थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली लड़की एक हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही है। वह शासकीय हॉस्टल में रहती है और 9वीं कक्षा की पढ़ाई कर रही है। लड़की के फोन और मैसेंजर की मदद से पिपरौदा आलम गांव के विवेक यादव और जितेन्द्र चंदेल नाम के दो युवकों से दोस्ती हो गई थी, जिसके बाद दोनों ने लड़की से मिलने के लिए कहा। एक दिन विवेक यादव और जितेन्द्र ने लड़की को एक नर्सरी में मिलने के लिए बुलाया। वहां दोनों ने लड़की को नशीला पदार्थ पिला दिया और फिर गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया था। हालांकि उस समय लड़की ने डर की वजह से ये बात अपने घरवालों और हॉस्टल वालों से भी छिपा ली थी, लेकिन अब इस मामले का खुलासा हो गया। जब लड़की तबीयत बिगड़ी। ये घटना 2 महीने पहले की है, जब लड़की के साथ दुष्कर्म किया गया था, लेकिन तब किसी को पता नहीं चला था। अब जब हॉस्टल में रहते हुए लड़की के पेट में दर्द हुआ तो उसे अस्पताल ले जाया गया और चेकअप किया गया। डॉक्टरों ने बताया कि लड़की 2 महीने की प्रेग्नेंट है। इसके बाद परिजनों को मामले की जानकारी दी गई। फिर लड़की ने अपने साथ हुई दरिंदगी का खुलासा किया और आपबीती सुनाई। पुलिस ने इस मामले में दो लड़कों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

दिल्ली सीबीएसई भर्ती परीक्षा में फर्जीवाड़ा, 15 लाख में परीक्षा पास कराने का सौदा, 4 ठग गिरफ्तार

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की साउथ डिस्ट्रिक्ट टीम ने सीबीएसई की सुपरिंटेंडेंट और जूनियर असिस्टेंट भर्ती परीक्षा घोटाले का पर्दाफाश कर सबको चौंका दिया। पुलिस की टीम ने इस मामले में 4 ठगों को गिरफ्तार किया। शातिर ठग सरकारी नौकरी के सपने देखने वालों को चूना लगाने का काम कर आए हैं। दिल्ली पुलिस के हत्थे चढ़े शातिर चोर फर्जी उम्मीदवारों को एग्जाम में बैठाते थे। ताजा मामला सीबीएसई की सुपरिंटेंडेंट और जूनियर असिस्टेंट भर्ती परीक्षा से संबंधित है। दिल्ली पुलिस ने न सिर्फ ठगों को पकड़ा बल्कि उनके पास से 4 ब्लूटूथ डिवाइस, 4 मोबाइल, 2 लैपटॉप, एक कार, ओएमआर शीट, एडमिट कार्ड और अटेंडेंस शीट भी बरामद की। साउथ डिस्ट्रिक के डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि 20 अप्रैल 2025 को सीआर पार्क थाने की टीम जेके-आईआई के एक स्कूल में चल रही परीक्षा की निगरानी कर रही थी। तभी सेंटर सुपरिंटेंडेंट ने बताया कि एक उम्मीदवार की जगह कोई और एग्जाम दे रहा है। जांच में पता चला कि नितिन नाम के शख्स ने सचिन को अपने बदले परीक्षा देने के लिए भेजा था। दिल्ली पुलिस ने चालाकी से सचिन को बाहर बुलाया और पास ही मौजूद नितिन को भी धर दबोचा। पूछताछ में दोनों ने अपने दो साथियों, श्याम सुंदर और बलजिंदर, का नाम उगला, जिन्हें बाद में ग्रेटर कैलाश से गिरफ्तार किया गया। ग्रेटर कैलाश थाना के एसएचओ ने इन आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(4)/319(2) के तहत एफआईआर दर्ज कर पूछताछ की तो आरोपियों ने बताया कि नितिन ने श्याम सुंदर के साथ 15 लाख रुपये में डील की थी। ताकि उसकी नौकरी पक्की हो जाए। श्याम ने ये डील बलजिंदर को दी, जिसने सचिन को 12 लाख में फर्जी उम्मीदवार बनाकर एग्जाम में बैठाया। ये पूरा गिरोह सालों से ऐसे धोखाधड़ी के खेल में लगा था। सचिन तो कई एग्जाम में दूसरों की जगह पेपर दे चुका है। राजस्थान में भी एक केस में वांछित है।

चारों शातिर कौन, कब से चला रहे थे ये गोरखधंधा?

दिल्ली पुलिस गिरफ्त में आए चारों आरोपी की पहचान हरियाणा निवासी 26 वर्षीय और ग्रैजुएट सचिन, 28 साल का नितिन और 27 साल के बलजिंदर के रूप में हुई है। सचिन फर्जी उम्मीदवार बनाकर एग्जाम देने का मास्टर है। नितिन बीटेक पास है और इसने ईमानदारी छोड़ नौकरी के लिए ठगी का रास्ता चुना। तीसरा आरोपी बलजिंदरमिडिलमैन का कार्य करता था। हरियाणा में ग्रुप डी की नौकरी करते हुए इस घोटाले का हिस्सा बना। अब चौथे शख्स की पहचान 29 वर्षीय श्याम सुंदर जो मुख्य साजिशकर्ता है। यही युवाओं से पैसों की डील फिक्स करता था।

लव जिहाद मामले पर सीएम मोहन यादव सख्त, शिक्षण संस्थानों पर रहेगी 'पैनी नजर'

भोपाल, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने भोपाल में हुए लव जिहाद मामले पर एक बड़ा एक्शन लिया है। सीएम मोहन यादव ने इसको लेकर पुलिस मुख्यालय में पुलिस अधिकारियों की एक समीक्षा बैठक बुलाई। इसमें उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य के सभी शिक्षण संस्थानों पर खास नजर रखी जाए। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों को लव जिहाद मामले में कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इस बैठक में सीएम मोहन यादव और पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना समेत कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

बैठक में सीएम मोहन यादव ने कहा कि भोपाल में हुए लव जिहाद मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य के शिक्षण संस्थानों और केंद्रों को क्राइम स्पॉट नहीं बनने देंगे। इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए उन्होंने पुलिस अधिकारियों को प्रदेश भर के शिक्षण संस्थानों पर खास नजर रखने को कहा है। सीएम मोहन ने निर्देश देते हुए कहा कि इस बात का खास ध्यान रखा जाए कि शिक्षण परिसरों और इनके आसपास किसी भी तरह की अवैध गतिविधियां न हों। राज्य के सभी शिक्षण संस्थानों और केंद्रों के पास आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था लागू की जाए। इसके साथ ही राज्य सरकार द्वारा जारी किए गए प्रोटोकॉल का पालन करने को भी कहा है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 28 अप्रैल - 2025

नशे के विरुद्ध जनचेतना की आवश्यकता

रघु ठाकुर

देश में नशा एक ऐसी गंभीर बीमारी बन गई है जो समाज के बड़े हिस्सों को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है। पिछले दिनों मप्र में वैसे तो अनेकों दुर्घटनायें हुई हैं जिनमें नशा कारण है। विश्वविद्यालय और मेडिकल कॉलेजों में पढ़ने वाले युवा देर रात को जन्मदिन मनाने जश्न मनाने या पार्टियां करने के लिये शहर के बाहर हाइवे पर, होटलों, ढाबों पर जाते हैं। वहां खानपान कर कर घर लौटते हैं तो नशे में चूर होकर दुर्घटनाओं के शिकार होते हैं, ऐसी घटनायें आये दिन पढ़ने और सुनने को मिलती हैं। इन घटनाओं का जिक्र मीडिया में कहीं आंचलिक पेज पर थोड़ा बहुत होता है और फिर शांति हो जाती है, परंतु पिछले दिनों में ऐसी दो दुर्घटनाएं हुई हैं जो मीडिया के प्रथम पृष्ठ पर प्रकाशित हुई। एक मप्र कांग्रेस अध्यक्ष की गाड़ी को ट्रक ने टक्कर मारी और दूसरी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के काफिले की गाड़ी को एक ट्रक ने कट मारा और उनके सुरक्षाकर्मियों द्वारा पुलिस को इसकी सूचना देने पर पुलिस ने बेरिकेटिंग लगाकर ट्रक को रोकने का प्रयास किया परंतु ट्रक 148 किमी तक 6 पुलिस थानों के 8 पुलिस बाहनों को रौंदकर दौड़ता रहा। भोपाल से राजगढ़ तक पुलिस उसका पीछा करती रही और ट्रक चालक ने ट्रक को रोकने वाले पुलिस हवलदार को कुचलने का प्रयास किया। 148 किमी के बाद ट्रक चालक को गिरफ्तार किया गया और उसका साथी जो इस ड्राइवर का सहभागी था वह भाग गया उसे पुलिस गिरफ्तार भी नहीं कर पाई। ये दोनों घटनायें चूंकि दो बड़े दलों के अध्यक्षों के साथ हुई थी इसलिये इन्हें मीडिया ने अखबारों में प्रमुखता से स्थान दिया। मैं इन दोनों घटनाओं का जिक्र इसलिये कर रहा हूँ कि नशे की पहुंच कितनी दूर तक हो गई है। जो ड्राइवर पकड़ा गया है वह नशे में धुत था और नशे का प्रसार मप्र से लेकर देश तक एक गंभीर रूप धारण कर रहा है। 30 जनवरी को राष्टपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि थी और महात्मा गांधी नशाबंदी के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने तो 19वीं सदी में नशा मुक्ति का अभियान चलाया था और अपने देश के प्रवास (दौरे) में सभाओं के माध्यम से भी समाज को नशे के दुष्प्रभाव और खतरों से सावधान करने का काम किया था। हालांकि उस समय देश में दो-तीन प्रकार के नशे थे जिनमें शराब प्रमुख थी, अफीम-गांजा आदि सीमित था। देश का मध्यम वर्ग आमतौर पर आजादी के आंदोलन से और महात्मा गांधी से बहुत गहराई से प्रभावित था और इसलिये शराब बंदी के नशे की समस्या भी एक आर्थिक रूप से कमजोर या अशिक्षित समाज में ज्यादा थी। बापू ने शराब से महिलाओं और बच्चों के ऊपर जो दुष्प्रभाव पड़ता था, उन्हें जो अपमान-पीड़ा सहना पड़ती थी, उसे गहराई से समझा था। किस प्रकार महिलायें, बच्चे इससे प्रभावित होते हैं इसको समझकर इसके खिलाफ लोगों को विशेषतौर पर प्रेरित किया था। सारे देश में महिलाओं ने शराब की दुकानों के सामने धरना दिया था। शराब के खिलाफ नारे लगाए थे और शराब समर्थक गुण्ड्डे की लाठियां भी खाई थीं। स्व. जवाहरलाल नेहरू की पत्नी और श्रीमती इंदिरा गांधी की मां श्रीमती कमला नेहरू ने भी इलाहाबाद में शराब की दुकानों पर धरना दिया और उस समय की पुलिस की लाठियां भी खाई थीं। परंतु अब तो शराब का कारोबार महानगरों से लेकर शहरों, कस्बों, गांव-गांव तक पहुंच चुका है। कोकीन, अफीम, हेरोइन आदि नये-नये नशे और ड्रग्स देश व दुनिया में प्रयोग में आ रहे हैं। लगभग समूचा देश इस नशे की गिरफ्त में जा रहा है। परंतु आजाद देश की सरकारें नशे की सामग्री को आय का जरिया बता रही है। व्यवस्था की ओर से दो तर्क दिये जाते हैं, एक यह कि शराब और नशा आमदनी या सरकारी राजस्व का मुख्य साधन है और दूसरा अगर सरकारी तौर पर नशे की बिक्री बंद होगी तो अवैधानिक और जहरीली शराब आदि बिकेगी। उनका कहने का भाव कुछ ऐसा है कि, नशा आदमी के जीवन को अपरिहार्य है। इन दोनों तर्कों पर विचार करें। एक तो यह है कि नशा आदमी को एक सुस्त और विक्षिप्त अवस्था में पहुंचाता है, नशे में व्यक्ति किसी भी अपराध को तत्पर हो जाता है। बहुत सारी हिंसा-अपराध की घटनायें नशे के कारण होती हैं। दूसरे नशे का व्यापार एक अनैतिक व्यापार है, सरकार भी कोई अनैतिक व्यापारिक संस्था नहीं हैं बल्कि सरकारों को समाज में नैतिक मूल्यों को स्थापित करने का प्रयास करना चाहिये। राजस्व के लिये अपराध को प्रोत्साहित करने की बजाय अपराध को समाज से और दिमाग से मिटाने का प्रयास करना चाहिये। अगर अपराध को या अनैतिक कामों को राजस्व की अनिवार्यता माना जायेगा तो उसका अंत कहां जाकर होगा? क्या किसी दिन सरकार गैर सांस्कृतिक गतिविधियां,हत्या और डकैती को राजस्व बढ़ाने के लिये प्रयोग करेगी? तीसरा, अगर अवैधानिक तौर पर नशे की बिक्री होती है या जहरीली शराब बिकती है तो यह शासन और प्रशासन की असफलता है जो अपराधों को नहीं रोक पाती। यह समाज की भी असफलता है कि समाज ने समाज सुधार के कार्यक्रम बंद कर दिये हैं। बल्कि अब तो उल्टा हो रहा है कि, जिन अपराधियों का सामाजिक बहिष्कार होना चाहिये आज सरकार उनके पीछे भाग रही है। नशे का प्रचार किस दूरी तक पहुंच चुका है और किस प्रकार समाज को नष्ट कर रहा है,आज स्थिति यह है कि गांव-गांव में महिलायें सटटा लगा रही हैं, गांव के गरीब और स्कूलों के बच्चे तक शराब पी रहे हैं, शराब विक्रेताओं ने एक बच्चा पाउच निकाला है जो 10-20 रुपये की कीमत में मिल जाता है। माता-पिता बच्चों को जो जेब खर्च देते हैं उससे बच्चे शराब खरीदकर पी रहे हैं, उनकी शिक्षा नष्ट हो रही है, और जीवन भी। महानगरों में सभ्य समाज में शराब का चलन और अन्य प्रकार के नशे का बहुत तेजी से फैलाव हो रहा है। हालात यह है कि बागीचों में, सड़कों के किनारे, रेलवे स्टेशनों पर छोटे-छोटे बच्चे जिनकी संख्या करोड़ों में होगी, भीख मांगते हैं, उस पैसे से शराब या अन्य प्रकार के नशे करते हैं। कुछ सिगरेट ब्रांड बाजार में प्रचलन में है जिनमें नशे की सामग्री होती है। उनमें सामग्री भरी भी जा सकती है। महानगरों में तो दुनिया के गंभीर नशों, हेरोइन आदि की रेव पार्टियां शुरू हुई हैं। नशा गरीब के लिये मौत के समान होता है। एक गरीब अपनी आमदनी का बड़ा हिस्सा शराब या अन्य नशों में बर्बाद कर देता है और फिर वह नशे की हालत में अपनी पत्नी, बच्चों से मारपीट, गालीगलौच करता है। बच्चे भी नशा करना सीख जाते हैं और अब तो सामाजिक मर्यादायें इतनी हद तक टूट रही हैं कि शराब के लिये पैसा नहीं देने पर बेटा अपने माता-पिता की हत्या तक कर रहे हैं। पिता नशे में अपनी बेटियों तक को हवस का शिकार बनाने लगे है। ऐसी घटनायें निरंतर वृद्धि पर हैं। एक नये प्रकार की साहूकारी और शराब बिक्री ग्रामीण अंचलों में शुरू हुई है। शराब विक्रेताओं ने बेरोजगार नौजवानों के लिये जिनके पास मोटरसाइकिलें हैं या उन्हें अपनी ओर से मोटरसाइकिलें देकर गांव-गांव में जाकर शराब बेचने में लगा दिया है। अब शराब की होम डिलीवरी हो रही है और शराब की साहूकारी भी। ये नौजवान गांव-गांव जाकर घरों-घरों में शराब उपलब्ध कराते हैं और बाद में जब गरीब लोग पैसा नहीं चुकाते तो उनकी जमीनें खरीद लेते हैं। यह एक बड़ा साहूकारी का चंगुल है। शराब पीने वाले माफिया के स्थाई शिकार बन रहे हैं। तनख्वाह के दिन शराब माफिया चलकर उनके पास जाता है, उनका वेतन छुड़ा लेता है, इन शराब साहूकारों का ब्याज भी जुआ साहूकारों के समान ही होता है और जिसका रेट 50 से 100 प्रतिशत ब्याज तक होता है। साहूकार आजीवन साहूकार बना रहता है और कर्जदार आजीवन कर्जदार। शराब का एक बड़ा असर राजनीति पर भी हुआ है जिसने समूची राजनीति को भ्रष्ट कर दिया है। जो लोग शराब से राजकीय आय की बात करते हैं,तथ्यों पर पर्दा डालते हैं शराब से प्राप्त राजस्व का 50 प्रतिशत तो कर्मचारियों पर खर्च हो जाता है और शेष में बड़ा हिस्सा राजनैतिक दलों और नेताओं के चंदे में चला जाता है। राजनैतिक दल और राजनेताओं के खर्च अब शराब, उद्योगपति चलाते हैं और राजनीति ही शराब माफियाओं के कैंजे में हो जाती है।

पानी के बदले खून ?

जब भारत ने सिंधु जल संधि में उदारता दिखाई तो पाकिस्तान ने आतंकवाद से जवाब दिया। ऐसे में भारत के पास अब एक नया जल-साझाकरण ढांचा पेश करने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है। सिंधु जल संधि 1960 में हुई थी। उस समय उदारता दिखाते हुए भारत ने सिंधु नदी के पानी का 80% से ज़्यादा हिस्सा पाकिस्तान को दे दिया था। लगभग 65 साल बाद भी सिंधु जल संधि दुनिया की सबसे उदार जल-साझाकरण है। तब भारत को लगा था कि पानी देने से उपमहाद्वीप में शांति और सहयोग बढ़ेगा। लेकिन पाकिस्तान ने भारत की उदारता को कमजोरी समझने की भूल की है। 2001 में संसद पर हमला, 2008 में मुंबई में भयानक नरसंहार, 2016 में उरी में हमला और 2019 में पुलवामा में बम धमाका हुआ। इन सभी हमलों में सीधे पाकिस्तान का हाथ था। पाकिस्तान ने पानी की उदारता का जवाब खून से दिया, लेकिन भारत ने फिर भी संधि का पालन किया। लेकिन पहलगाम में हमले से पूरा देश में गुस्से में है। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिंधु जल संधि को रोक दिया गया है। यह सिर्फ पानी का मामला नहीं है। यह सिद्धांत, संप्रभुता और अपने लोगों की रक्षा करने के अधिकार का भी मामला है। अंतर्राष्ट्रीय कानून भी यही है कि जब कोई एक पक्ष लगातार उसका उल्लंघन करता है, तो दूसरे पक्ष को उसे निलंबित करने का अधिकार है। सिंधु जल संधि सिर्फ एक नदी-साझाकरण समझौता नहीं है। यह विश्वास का एक तंत्र है, और उस विश्वास को पाकिस्तान ने पूरी तरह से रौंद दिया है। सिंधु जल संधि के दायरे में पाकिस्तान ने ईमानदारी से काम नहीं किया है। उसने संधि का इस्तेमाल भारत की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में देरी करने या उन्हें तोड़ने के लिए किया है। उसने भारत को अपने हिस्से का पानी इस्तेमाल करने से रोकने के लिए बार-बार छोटे-छोटे इंजीनियरिंग मुद्दों को अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता या निर्णय के लिए उठाया है। फिर भी, भारत इंतजार करता रहा। अब, भारत ने संकेत दे दिया है कि उसके धैर्य को कमजोरी नहीं समझा जाए। भारत ने पाकिस्तान द्वारा 'मैटेरियल ब्रीच' का हवाला देते हुए भी सिंधु जल संधि को निलंबित या रद्द नहीं किया है। इसके बजाय, उसने संधि को 'इन एबियंस' में रखने का फैसला किया है। भारत की न तो ऐसी मंशा है और न ही उसके पास ऐसा बुनियादी ढांचा है कि वह पानी के प्रवाह को बाधित करे। भारत का दुश्मन पाकिस्तानी सेना है, न कि पाकिस्तानी लोग। भारत सुनिश्चित करेगा कि कोई मानवीय संकट न आए। आर्थिक उत्पादन, सैन्य खर्च और अन्य भौतिक उपायों के मामले में भारत पाकिस्तान से मीलों आगे है। फिर भी, भारत ने पाकिस्तान को बिना किसी डर के कई मौका दिया है। आज भी भारत नफरत से भरे पड़ोसी को बख्शने के लिए तैयार है बशर्ते वह अपने व्यवहार में बदलाव लाए। भारत को एक वैकल्पिक जल-साझाकरण ढांचा पेश करना चाहिए जो शांति और सत्यापन योग्य आचरण पर आधारित हो। सिंधु जल संधि मॉडल, जो बिना शर्त विश्वास पर आधारित है, और जिसमें भारत को बिना किसी लाभ के बोझ उठाना पड़ता है, विफल हो गया है। जब तक भारत पाकिस्तान पर लगातार और बहुआयामी लागत लगाने की राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं जुटाता, तब तक पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी खतरे का केंद्र बना रहेगा।

भारत और पाकिस्तान कई बार पहुंचे युद्ध के मुहाने पर

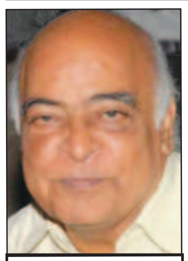

अशोक भाटिया

पहलगाम में जो नरसंहार हुआ उसके बाद भारत बदला लेने की तैयारी कर रहा है। बदला सर्जिकल स्ट्राइक, एयरस्ट्राइक के जैसा होगा या फिर इससे बहुत बड़ा होगा। इसका अंदाजा इस बात से लगा लीजिए कि आईएनएस विक्रांत 18 फाइटर जेट लेकर समुद्र में उतर चुका है। सेना का डिप्लायमेंट लगातार बॉर्डर पर हो रहा है। सेना के प्रमुख खुद पहलगाम पहुंच चुके हैं और राज्यपाल के साथ सीएम से बात की। साथ गृह मंत्री ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्री से बात की और राष्ट्रपति के पास गृह मंत्री और विदेश मंत्री एक लाल रंग की फाइल लेकर गए। जिसमें क्या था ये अब तक पता नहीं चल पाया है। मतलब बदला तो इस बार भारत का ऐसा होगा कि पाकिस्तान पानी नहीं मांगेगा। लेकिन इस हमले से पहले ही पाकिस्तान बुरी तरह बौखलाया हुआ नजर आ रहा है। यह कोई पहली बार नहीं है जब भारत और पाकिस्तान युद्ध के मुहाने पर पहुंचे हों। इससे पहले भी कई मौके आए हैं जब दोनों मुल्कों के बीच तनाव इस कदर बढ़ा कि हालात जंग जैसे बन गए। 1947, 1965 और 1971 में तो दोनों देशों के बीच युद्ध भी हुए थे। अब एक बार फिर इतिहास दोहराने की स्थिति में दोनों देश खड़ा है। आईये जानते हैं कि, 1971 युद्ध के बाद कब-कब भारत और पाकिस्तान जंग के करीब पहुंचा और क्या परिणाम रहे। दिसंबर 1986 में भारत ने ऑपरेशन ब्रासस्टैक्स शुरू किया था। इसकी कल्पना तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल कृष्णास्वामी सुंदरजी ने की थी। 1986-1987 की सर्दियों में, भारत ने टैंकों और सैनिकों को ऐसे उतारा, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से शांति के समय में नहीं देखा गया था। भारत के ऑपरेशन ब्रासस्टैक्स ने पाकिस्तान को चौंका दिया। जनवरी 1987 में, लगभग आधी भारतीय सेना पाकिस्तान सीमा के पास तैनात थी। जिसमें 10 डिवीजन और तीन ब्रिगेड शामिल थे, जो पाकिस्तान सीमा से 180 किमी के भीतर तैनात थे। ऑपरेशन ब्रासस्टैक्स दुनिया द्वारा देखे गए किसी भी नाटो अभ्यास से बड़ा था। पंजाब में उग्रवाद और कश्मीर में पाकिस्तान निर्मित अशांति ने भारत की स्थिरता को चुनौती दी, जिसके कारण भारत को 1987 में ऑपरेशन ब्रासट्रैक का सहारा लेना पड़ा। कश्मीर-पंजाब की सीमाओं पर लामबंदीः जल्द ही ऑपरेशन ब्रासटैक्स का ध्यान जम्मू-कश्मीर और पंजाब पर चला गया। क्योंकि पाकिस्तान ने अपने स्ट्राइक रिजर्व को इन संवेदनशील क्षेत्रों के करीब पहुंचा दिया। इसका मुकाबला करने के लिए, भारत ने किसी भी आश्चर्यजनक हमले को रोकने के लिए अपनी सैन्य स्थिति का विस्तार किया। पाकिस्तान की इस तैनाती से भारत के प्रमुख क्षेत्रों, गुरदासपुर, अमृतसर और फिरोजपुर को अलग-थलग करने की धमकी दी गई। क्योंकि उसने हरिके बैराज पर पुल को निशाना बनाया, जिससे जम्मू और कश्मीर क्षेत्र तक पहुंच बंद हो गई। इसके बाद भारत ने सीमा पर अपनी रक्षात्मक स्थिति पर कब्जा करने के लिए सैनिकों की एक बड़ी हवाई और जमीनी आवाजाही की, जिसके परिणामस्वरूप तनाव और बढ़ गया। इन बढ़ते तनावों के बीच ए.क्यू. खान ने खुलासा किया कि पाकिस्तान ने हथियार स्तर तक यूरेनियम को समृद्ध कर लिया है और वह परमाणु परीक्षण कर सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि, कोई भी पाकिस्तान को नष्ट नहीं कर सकता या हमें हल्के में नहीं ले सकता। यदि आवश्यक हुआ तो हम बम का उपयोग करेंगे। मार्च 1987 में भारत और पाकिस्तान ने कश्मीर क्षेत्र से 1,50,000 सैनिकों को वापस बुलाने के लिए एक समझौता किया। जिसके बाद उसी महीने राजस्थान और दक्षिणी पंजाब के रेगिस्तानी इलाकों में सैन्य उपस्थिति को कम करने के लिए एक दूसरा समझौता हुआ। हालांकि, मार्च 1987 में भारतीय सेना ने 1,50,000 सैनिकों के साथ ऑपरेशन ब्रासट्रैक्स का अंतिम चरण शुरू किया। 1990 में दोनों देश फिर से एक बड़े युद्ध के मुहाने पर खड़े थे। खबरों के मुताबिक, भारत ने एक बार फिर हथियारों और सैन्य उपकरणों के विशाल जखीरे के साथ राजस्थान की सीमा पर सशस्त्र बटालियनों को तैनात किया था। कश्मीर और पंजाब में सशस्त्र समूहों की गतिविधियों से चिंतित होकर, अगस्त 1989 के प्रारम्भ में, भारत सरकार ने अपने बलों की संख्या बढ़ाने का निर्णय लिया, जिसमें मुख्य रूप से अर्धसैनिक बल शामिल थे। बाद में पैदल सेना बटालियनों को भी इसमें शामिल किया गया। पाकिस्तान ने भारत के साथ सीमा के उसी हिस्से में 'ज़र्ब-ए-मोमिन' नाम से कोर-स्तरीय सैन्य अभ्यास भी शुरू किया। बड़े पैमाने पर किए गए इस अभ्यास में तीन फील्ड कोर, दो बख्तरबंद ब्रिगेड, दो आर्टिलरी डिवीजन और पाकिस्तानी सेना की एक एयर-डिफेंस डिवीजन की तैनाती शामिल थी। इसे देश का अब तक का सबसे बड़ा सैन्य अभ्यास माना गया। 13 मार्च, 1990 को पाकिस्तान की तत्कालीन प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो ने पीओके में उतरकर कश्मीरी उग्रवादियों के समर्थन में भारत के खिलाफ हजार साल तक युद्ध की घोषणा की। मई में, अमेरिकी जासूसी उपग्रहों ने कथित तौर पर कहुटा में शीर्ष-गुप्त परमाणु हथियार परिसर से भारतीय सीमा के पास एक सेना के एयरबेस की यात्रा कर रहे पाकिस्तानी सैन्य वाहनों की तस्वीरें खींचीं। पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख जनरल मिर्जा असलम बेग ने कहा है कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो ने 1990 में वायु सेना (पीएएफ) को भारतीय परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला करने के लिए तैयार रहने को कहा था। खोजी पत्रकार सेमोर हर्ष के अनुसार, भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री वी.पी. सिंह ने परमाणु खतरे की आशंका नहीं जताई थी। लेकिन उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी दी थी कि वह बिना युद्ध के कश्मीर पर कब्जा नहीं कर सकता। आर्म्स कंट्रोल एसोसिएशन के अनुसार, मई 1990 में राष्ट्रपति बुश ने अपने उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट गेट्स को इस क्षेत्र में भेजा। भारतीय और पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ उनकी बैठकों ने स्थिति को शांत करने में मदद की। भारत ने वर्ष की शुरुआत में तैनात की गई कुछ इकाइयों को वापस बुलाने की घोषणा की और संकट कुछ ही हफ्तों में समाप्त हो गया। बुश प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा बाद में दिए गए विवरणों में संकट को परमाणु युद्ध के करीब बताया गया। कारगिल में भारत और पाकिस्तान पूर्ण युद्ध के करीबः 1999 में, कश्मीरी लड़ाकों की वेशभूषा में पाकिस्तानी सैनिकों ने कश्मीर के कारगिल सेक्टर में रणनीतिक चोटियों पर कब्ज़ा कर लिया था। भारत ने चोटियों को वापस पाने के लिए बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान चलाया। भारी तोपखाने की लड़ाई और हवाई हमलों के साथ स्थिति तेज़ी से बिगड़ती गई। भारत ने संघर्ष को आगे नहीं बढ़ाया और LOC के अपने हिस्से पर ही रहा। आखिरकार भारत पाकिस्तानी घुसपैठियों को भारतीय क्षेत्र से बाहर निकालने में कामयाब रहा। भारतीय संसद पर हमलाः 2001 में जब जैश-ए-मोहम्मद ने भारतीय संसद पर हमला किया, तब भारत और पाकिस्तान लगभग युद्ध के कगार पर थे। संसद पर हमले के बाद भारत ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बड़े पैमाने पर सेना जुटाई। भारत ने ऑपरेशन पराक्रम के तहत अपनी सेना जुटाई और पाकिस्तान ने भी इसी तरह की सेना जुटाई।

वैश्विक स्तर पर तेजी से उभर रहा भारत

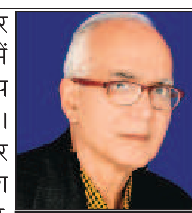

निरंकार सिंह

भारत तेजी से सौर ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक नेता के रूप में उभर रहा है। निरंतर निवेश और नवाचार के साथ, देश एक आत्मनिर्भर अक्षय ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहा है। बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा को अपनाकर, भारत आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ, अधिक सुरक्षित और ऊर्जा-कुशल भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। भारत वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में चीन और अमेरिका के बाद अब दुनिया का सबसे बड़ा देश बन गया है। 2014 में नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने से पहले दुनिया के अग्रणी 10 देश की सूची में भारत का कोई स्थान नहीं बड़े पैमाने पर सौर परियोजनाओं का उदय भारत के ऊर्जा परिदृश्य को बदल रहा है। कभी जीवाश्म ईंधन पर बहुत अधिक निर्भर रहने वाला देश अब अपने भविष्य को ऊर्जा देने के लिए स्वच्छ, नवीकरणीय ऊर्जा को अपना रहा है। यह बदलाव सिर्फ स्थिरता के बारे में नहीं है - यह आर्थिक विकास, ऊर्जा सुरक्षा और स्वस्थ पर्यावरण के बारे में है। सौर ऊर्जा का सबसे महत्वपूर्ण लाभ स्वच्छ हवा है। कोयले के उपयोग को कम करके, सौर ऊर्जा कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद करती है, जिससे हवा की गुणवत्ता बेहतर होती है और सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार होता है। भारी प्रदूषण वाले शहरों में श्वसन संबंधी समस्याएं कम हो सकती हैं यदि भारत अपना सौर विस्तार जारी रखता है।सौर ऊर्जा उद्योग कई क्षेत्रों में रोजगार सृजन को बढ़ावा दे रहा है। पैनल निर्माण और सिस्टम स्थापना से लेकर रखरखाव और ग्रिड एकीकरण तक, हजारों रोजगार के अवसर उभर रहे हैं। मेक इन इंडिया जैसी सरकारी पहल भी घरेलू सौर उत्पादन को बढ़ावा दे रही है, जिससे रोजगार बाजार और मजबूत हो रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने वैश्विक स्तर पर पवन और सौर ऊर्जा से 15 प्रतिशत बिजली का उत्पादन किया है। भारत में कम कार्बन स्रोतों (जैसे रिन्यूएबल एनर्जी और न्यूक्लियर एनर्जी) से 40.9 प्रतिशत बिजली बनी है। एम्बर ग्लोबल इलेक्ट्रिसिटी रिव्यू रिपोर्ट के अनुसार भारत अब पवन और सौर ऊर्जा से बिजली बनाने में दुनिया में तीसरे नंबर पर आ गया है। 2024 में भारत ने इस मामले में जर्मनी को पीछे छोड़ दिया। पूरी दुनिया में जितनी बिजली पवन और सौर ऊर्जा से बनी, उसमें से 15प्रतिशत भारत ने बनाई। वैश्विक ऊर्जा थिंक टैंक एम्बर की ग्लोबल इलेक्ट्रिसिटी रिव्यू 2024 रिपोर्ट की रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने 2023 में जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक देश बन गया है। भारत 2015 की तुलना में नौवें स्थान से ऊपर आकर तीसरे स्थान पर आ गया है। यह रिपोर्ट राष्ट्रीय स्तर के डेटा 2023 के आधार पर तैयार की गयी है। इस रिपोर्ट में 92 प्रतिशत वैश्विक बिजली का प्रतिनिधित्व करने वाले 80 देशों को शामिल किया गया, साथ ही 215 देशों के ऐतिहासिक डेटा को भी शामिल किया गया था। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2023 में सौर ऊर्जा उत्पादन में भारत की वृद्धि ने देश को जापान से आगे बढ़कर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक देश बना दिया। रिपोर्ट के मुताबिक सौर ऊर्जा ने 2023 में वैश्विक बिजली का रिकॉर्ड 5.5 प्रतिशत उत्पादन किया है। जबकि भारत ने 2023 में अपनी बिजली का 5.8 प्रतिशत सौर ऊर्जा से उत्पन्न किया है। चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्राजील के बाद भारत ने 2023 में सौर ऊर्जा उत्पादन में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी वृद्धि हासिल की है। शीर्ष चार सौर ऊर्जा विकास वाले देशों ने मिलकर 2023 में 75 प्रतिशत वृद्धि हासिल कर ली है। एम्बर के एशिया कार्यक्रम निदेशक, आदित्य लोला के अनुसार नवीकरणीय ऊर्जा विशेष रूप से सौर ऊर्जा से संचालित भविष्य अब एक वास्तविकता बन रहा है। सौर ऊर्जा ने लगातार उन्नीसवें वर्ष दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बिजली स्रोत के रूप में अपनी स्थिति बरकरार रखी, 2023 में भी दुनिया भर में कोयले की तुलना में दोगुने से अधिक ऊर्जा उत्पादन सौर ऊर्जा से हुआ है। भारत ने 100 गीगावाट की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता को पार करके एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। जनवरी, 2025 तक भारत की कुल स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता 100.33 गीगावाट तक पहुंच गई है। इसके अलावा, वर्तमान में 84.10 गीगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजनाओं पर काम चल रहा है तथा 47.49 गीगावाट की सौर परियोजनाएं निविदा प्रक्रिया के चरण में हैं। भारत में हाइब्रिड और राउंड-द-क्लॉक नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में भी वृद्धि देखी गई है। यहां राउंड-द-क्लॉक नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं का अर्थ ऐसी परियोजनाओं से है जो 24 घंटे लगातार बिजली उपलब्ध कराती हैं। 64.67 गीगावाट की विद्युत उत्पादन परियोजनाएं निर्माणाधीन या निविदा चरण में हैं। इससे सौर और हाइब्रिड परियोजनाओं की कुल क्षमता 296.59 गीगावाट हो जायेगी।

वीर बाजीराव प्रथम की पुण्यतिथि इतिहास को स्वर्णिम करने वाला क्षण

प्रो. आरके जैन

वह क्षण जब इतिहास की धड़कनें थम सी जाती हैं, 28 अप्रैल का वह पवित्र दिन, मराठा साम्राज्य के शूरवीर पेशवा बाजीराव प्रथम की पुण्यतिथि, हमें उनके अद्वितीय शौर्य और अटल साहस का स्मरण कराता है। "युद्ध बादलों की गर्जना से नहीं, बिजली की कड़कती चोट से जीते जाते हैं" – और बाजीराव वह प्रचंड बिजली थे, जिनके पराक्रम ने मराठा साम्राज्य को न केवल अजेय बनाया, बल्कि भारतीय इतिहास के पन्नों पर स्वर्णिम अक्षरों में एक अमर गाथा अंकित की। उनकी पुण्यतिथि महज एक तारीख नहीं, बल्कि उस अटूट आत्मा का उत्सव है, जिसने अपनी तलवार की धार और अखंड भारत के स्वप्न से एक युग को प्रेरित किया। 18 अगस्त 1700 को, जब मराठा साम्राज्य छत्रपति शिवाजी महाराज की अटल नींव पर उभर रहा था, एक तेजस्वी नक्षत्र का उदय हुआ – पेशवा बाजीराव प्रथम। उनके पिता, पेशवा बालाजी विश्वनाथ, ने मराठा शक्ति को एक सूत्र में बाँधने का मार्ग रचा था, किंतु बाजीराव ने उस अग्नि को प्रचंड ज्वाला बनाकर आकाश छुआ। मात्र 20 वर्ष की युवावस्था में, 1720 में, छत्रपति शाहूजी महाराज ने उन्हें पेशवा का दायित्व सौंपा। उस दौर में, जब मुगलों का सिंहासन डगमगा रहा था और निजाम जैसे क्षेत्रीय शासक अपनी महत्वाकांक्षाओं को पंख दे रहे थे, बाजीराव ने मराठा साम्राज्य को न केवल एकजुट किया, बल्कि उसे उत्तर भारत के क्षितिज पर एक अजेय सूर्य की भाँति स्थापित किया। बाजीराव प्रथम का जीवन युद्धों का नहीं, बल्कि युद्धकला का एक अमर महाकाव्य है। वे न केवल तलवार के धनी थे, बल्कि एक ऐसे दूरदर्शी रणनीतिज्ञ थे, जिन्होंने युद्ध को कला का रूप दे दिया। उनकी रणनीति का मूलमंत्र था—बिजली-सी तेजी, आश्चर्य का प्रहार और अचूक सटीकता। घेराबंदी की सुस्त चाल को ठुकराते हुए, वे शत्रु पर वज्र की तरह टूट पड़ते थे। इतिहासकार उनकी तुलना नेपोलियन से करते हैं, और क्यों न करें? अपने 20 वर्ष के शासन में, बाजीराव ने 41 युद्ध लड़े और हर बार विजय का परचम लहराया। 1728 की पालखेड़ की लड़ाई इसका प्रज्वलित प्रमाण है, जहाँ उन्होंने निजाम-उल-मुल्क को धूल चटाकर मराठा शक्ति का डंका बजाया। 1737 का दिल्ली अभियान तो उनके साहस का स्वर्णिम शिखर था, जब मराठा घुड़सवार मुगल दरबार के द्वार पर गर्व से गरजे। मालवा, गुजरात और बुंदेलखंड पर उनकी विजय ने मराठा साम्राज्य को एक राष्ट्रीय शक्ति के रूप में अटल स्थापित किया। बाजीराव की युद्धनीति आज भी सैन्य अध्ययनों की धुरी है। उनकी घुड़सवार सेना गतिशीलता और आक्रमण की ऐसी तूफानी शक्ति थी कि शत्रु उनके सामने रेत के महल सा ढह जाते थे। उनकी सेना में अनुशासन और रणनीतिक कौशल का ऐसा संगम था, जो युद्ध के मैदान को उनका रंगमंच बना देता था। किंतु बाजीराव का व्यक्तित्व केवल युद्धों की आग में ही नहीं चमका। वे एक कुशल प्रशासक और संगठनकर्ता थे, जिन्होंने मराठा साम्राज्य की प्रशासनिक नींव को अटल बनाया और क्षेत्रीय सरदारों को एकजुट कर एक अजेय गठबंधन रचा। उनका सपना था—एक ऐसा भारत, जो विदेशी बेड़ियों से मुक्त हो, जहाँ "हिंदू-पद-पादशाही" का सूरज चमके। यह सपना छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्शों का प्रचंड विस्तार था, जिसे बाजीराव ने अपने रक्त और संकल्प से साकार किया। बाजीराव का जीवन युद्ध, विजय और प्रेम का एक अनूठा संगम है, जो इतिहास के पन्नों में अमर है। उनकी प्रेम कहानी, जिसमें मस्तानी का नाम चमकता है, न केवल रोमांचक बल्कि गहन मार्मिक भी है।

स्नान का अंतिम सत्य

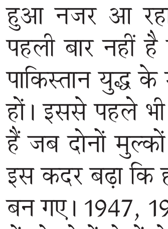

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

बचपन में दादी कहा करती थीं, बेटा, रोज़ नहाना पुण्य का काम है। तन की सफाई मन की सफाई से जुड़ी होती है। लेकिन जब से सोशल मीडिया का ज़माना आया, पुण्य भी ट्रेंडिंग टॉपिक बन गया।

I. आधुनिकता का स्नान

रवि एक मध्यमवर्गीय युवा था। सुबह उठता, फोन चेक करता, और फिर अपने दिन की शुरुआत करता। नहाना उसकी प्राथमिकता में कभी नहीं रहा। आखिरकार, डियो और परफ्यूम के युग में पानी की क्या ज़रूरत? ऑफिस में उसके दोस्त मज़ाक उड़ाते-अबे, तेरा नहाना कब हुआ था? रवि मुस्कुराता, भाई, मैं ट्रेंड के साथ चलता हूँ। जब इंस्टाग्राम पर 'BathingChallenge' ट्रेंड करेगा, तब नहाऊँगा। उसका दोस्त हँसते हुए बोला, फिर तो महाकुंभ का इंतजार कर, वहीं स्नान कर लेना, पाप भी धुल जाएँगे!महाकुंभ आया। लाखों की भीड़, आस्था की लहरें, और मोबाइल कैमरों की बाढ़। गंगा में स्नान से पहले लोग सेल्फी लेते, लाइव जाते और कैप्शन लिखते- पाप धुल रहे हैं, लेकिन अच्छे एंगल से! रवि भी कुंभ पहुँचा। नहीं, स्नान के लिए नहीं, बल्कि ट्रेंडिंग वीडियो बनाने के लिए।वह गंगा के किनारे खड़ा हुआ। उसके हाथ में मोबाइल था, नज़रें स्क्रीन पर। वह नहाने नहीं, 'स्नान करने का एक्टिंग' करने आया था। उसने वीडियो रिकॉर्डिंग ऑन की, बालों में हाथ फेरा, ऐसे पोज़ दिया जैसे किसी साबुन के विज्ञापन में हो। ठीक उसी समय, गंगा में एक बूढ़ा बाबा बहते हुए दिखा। वह कमजोर था, लहरों से संघर्ष कर रहा था। बचाओ... उसकी आवाज़ भीड़ में खो गई। रवि ने यह नज़ारा देखा, पर यह 'रियल कंटेंट' था। उसने जल्दी से कैमरा घुमाया, रिकॉर्डिंग चालू कर दी। "दोस्तों, देखिए! लाइव गंगा स्नान में बाबा जी बह रहे हैं! लाइक, कमेंट और शेयर ज़रूर करें!" लोगों ने कमेंट करना शुरू कर दिया-अरे, बचाओ उनको! ओ भाई, तू वीडियो बना रहा है? हाथ बढ़ा के पकड़ नहीं सकता? लेकिन रवि व्यस्त था। वह एंगल एडजस्ट कर रहा था। बाबा की आवाज़ दूर होती गई, लहरों ने उन्हें निगल लिया।

वीडियो वायरल हुआ। लोग आक्रोशित हुए। पुलिस ने रवि को बुलाया। बाबा की मदद क्यों नहीं की?रवि के पास कोई जवाब नहीं था। उसे अहसास हुआ कि जिस स्नान को दादी पुण्य कहती थीं, वही उसके लिए पाप बन गया था।

हवन से प्रकट हुई थीं बलिया की ये देवी

दूर-दूर से आते हैं श्रद्धालु और माता रानी पूरी करती हैं सबकी मुरादें

बलिया: आज हम आपको एक ऐसे देवी दरबार के बारे में बताने जा रहे हैं जिसकी महिमा अपरंपार है। बताया जाता है कि यहां रक्षा सूत्र बांधने से हर मनोकामना पूरी होती है। न केवल जनपद से बल्कि अन्य प्रान्तों से लाखों की संख्या में यहां श्रद्धालु आते हैं। बताया जाता है कि इस मंदिर का वर्णन मार्कंडेय पुराण और दुर्गा सप्तशती में किया गया है। जो हां हम बात कर रहे हैं बलिया मुख्यालय से लगभग 5 किलोमीटर दूर ब्रहमाईन गांव में स्थित ब्रह्माणी देवी की, जो स्थान एक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। देवी को सोने के लिए एक विशेष कमरा भी बनाया गया है। नीचे विस्तार से जानिए…

मां ब्राह्मणी देवी मंदिर के प्रबंधक अनिल कुमार तिवारी ने कहा कि "यह मंदिर जिला मुख्यालय से 5 किलोमीटर की दूरी पर सिकंदरपुर-गोरखपुर मार्ग पर स्थित है"। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि कालांतर में राजा सूरत, युद्ध के बाद अपने कुछ सैनिकों के साथ यहां पर आए थे। इसका मार्कंडेय पुराण और दुर्गा सप्तशती में भी वर्णन है। यहीं पर राजा सूरत को कुष्ठ रोग से मुक्ति मिली थी। यह पूरा स्थान पहले जंगल हुआ करता था।

हवन में से प्रकट हुई थी मां देवी ब्राह्मणी

राजा सूरत को यह स्थान काफी महत्वपूर्ण लगा, यहां मेधा ऋषि का आश्रम था। राजा सूरत ऋषि के साथ मिलकर के यहां तपस्या किए थे। बताया जाता है कि तपस्या के दौरान हवन से ही यह देवी प्रकट हुई। इसके बाद राजा सूरत के द्वारा ही इस मंदिर का स्थापना कराया गया था।

यह मंदिर किसी पर्यटन स्थल से कम नहीं है। यहां श्रद्धालु और पर्यटक अन्य प्रांतों से भी आते हैं। यहां शुक्रवार और सोमवार को तो लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं।

मां ब्रह्माणी का महिमा अपरंपार बना है एयर कंडीशनर विश्राम स्थल

इस देवी दरबार में जो सच्चे मन से आता है और देवी दरबार में रक्षा सूत्र बांधता है। उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। मंदिर के छत पर यानी गर्भ गृह के ऊपर एक विशेष विश्राम स्थल बनाया गया है, जिसमें माता के लिए AC और बेड लगाए गए हैं। तमाम श्रद्धालुओं ने कहा कि "वह इस मंदिर पर सालों से आ रहे हैं, माता ने उनको सब कुछ दिया है"।

चिंतन और विचार को चार जगहों पर ठीक से बांटें

बेचैनी से मनुष्य बहुत पहले से परेशान रहा है। और अब, एंजायटी उसके माथे पर चढ़कर नाच रही है। परीक्षाओं में, सम्बंधों के निर्वहन में, जॉब ढूंढने और बचाने में, खाने-पीने में-लम्बे समय से एंजायटी देखी जा रही है। लेकिन अब एक नई बेचैनी खासतौर पर प्रोफेशनल्स के जीवन में देखने को मिल रही है, और वह है एआई की एंग्जायटी।

इसको लेकर अधिकांश प्रोफेशनल्स बेचैन हैं। जिन्होंने अपनी जिंदगी टेक्नोलॉजी में लगा दी, अब उन्हें लग रहा है कि कंटेंट हो या कोडिंग, एआई मनुष्य के मस्तिष्क को पी जाएगा और हमने जो मेहनत की है, वो पानी में बह जाएगी।

ये ऐसा ही है कि दस साल कोई डॉक्टरी पढ़ता है और जब वह मरीज को पर्चा लिखता है तो मरीज पहले गूगल पर उस दवाई के बारे में पढ़ लेते हैं और फिर तय करते हैं कि खाएं या ना खाएं। तो आपने एक बटन दबाकर उसकी परीक्षा ले ली। ऐसे में अपने डेटा को सिक्योर करें। चिंतन और विचार चार जगह ठीक से बांटें- मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार में। तो शायद आप बेचैनी से बचेंगे।

धन ऐश्वर्य के मालिक शुक्र का शनि के नक्षत्र में गोचर मकर समेत इन 4 राशियों की बढ़ेंगी सुख सुविधा

शुक्र ग्रह 25 अप्रैल को उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र में गोचर कर चुके हैं। उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के मालिक स्वयं न्याय और कर्म के देवता शनिदेव हैं और शनि व शुक्र के बीच संबंध बहुत अच्छे हैं। वैदिक ज्योतिष में शुक्र ग्रह को धन संपदा, भोग विलास, ऐश्वर्य आदि का कारक ग्रह माना गया है और कुंडली में जब शुक्र ग्रह की स्थिति होती है तो व्यक्ति को जीवन में भौतिक सुख सुविधाओं की कमी नहीं होती। शनि की राशि में शुक्र के आना कई राशियों के लिए फायदेमंद रहने वाला है क्योंकि दोनों ग्रह के बीच मित्रवत संबंध हैं, जिसका फायदा कई राशियों को मिलने वाला है। आइए जानते हैं शुक्र के उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र में गोचर करने से मकर समेत किन किन राशियों की सुख सुविधाएं बढ़ेंगी।

शुक्र के नक्षत्र परिवर्तन का मेष राशि पर प्रभाव

शुक्र के उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र में गोचर करने से मेष राशि वालों का बैंक बैलेंस बढ़ेगा और कई प्रतिष्ठित लोगों के साथ जान पहचान भी बढ़ेगी। मेष राशि वालों को इस अवधि में निवेश से अच्छा फायदा होने वाला है। पार्टनरशिप में निवेश करने से व्यापारियों को अच्छा फायदा मिलेगा। वहीं नौकरी करने वाले कार्यक्षेत्र में अपने काम से सभी को प्रभावित करने में सफल भी होंगे। शुक्र के प्रभाव से आपके सभी लंबित कार्य पूरे होंगे और परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत करने का मौका भी मिलेगा। इस अवधि में आपके द्वारा बनाई गई सभी योजनाएं सफल होंगी और व्यक्तित्व में भी काफी निखार आएगा।

शुक्र के नक्षत्र परिवर्तन का कन्या राशि पर प्रभाव

शुक्र के उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र में गोचर करने से कन्या राशि वाले धन की बचत करने में सफल रहेंगे और आपकी सुख सुविधाओं में इजाफा भी देखने को मिलेगा। नौकरी करने वालों को अगर कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था, तो शुक्र के प्रभाव से सभी परेशानियां दूर होंगी और सभी के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे और अपने टारगेट पूरा करने में सफल भी होंगे। इस अवधि में आपको कोई बड़ी स्वास्थ्य समस्या नहीं होगी और हर कार्य में काफी एक्टिव भी नजर आएंगे। व्यवसाय से जुड़े लोगों को विभिन्न स्रोतों से कमाई करने के लिए अनुकूल समय रहेगा और बिजनस में अच्छी तरक्की भी होगी।

शुक्र के नक्षत्र परिवर्तन का मकर राशि पर प्रभाव

शुक्र के उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र में गोचर करने से मकर राशि वाले कार्य और व्यवसाय में प्रगति कर सकते हैं। इस राशि के जो जातक रोजगार की तलाश कर रहे हैं, उनको शुक्र के गोचर के प्रभाव से उपयुक्त नौकरी मिल सकती है। वहीं जो नौकरी कर रहे हैं, उनको कार्यस्थल पर वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा और धन का स्तर भी बढ़ेगा। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को अच्छे अंक मिल सकते हैं और सरकारी नौकरी भी मिल सकती है। अगर परिवार का कोई सदस्य स्वास्थ्य संबंधी समस्या से पीड़ित है तो उनकी सेहत में सुधार आएगा और परिवार के सभी सदस्यों की सुख सुविधा भी बढ़ेगी।

शुक्र के नक्षत्र परिवर्तन का मीन राशि पर प्रभाव

शुक्र के उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र में गोचर करने से मीन राशि वालों को विभिन्न क्षेत्रों से बड़ा लाभ हो सकता है। शुक्र के शुभ प्रभाव से साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी और स्वास्थ्य में काफी सुधार होगा। परिवार के सदस्यों के बीच अच्छा सामंजस्य बना रहेगा और घर में कोई शुभ कार्यक्रम भी हो सकता है। इस राशि के जातकों का साहस और पराक्रम में अच्छी वृद्धि होगी और जरूरी निर्णय भी ले पाएंगे, जिनका फायदा पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में देखने को मिलेगा। नौकरी पेशा जातक इस अवधि में नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करेंगे, जिसमें उनको अधिकारियों और सहकर्मियों का पूरा साथ मिलेगा।

सूर्य की तरह ज्ञान का प्रकाश जीवन में भरता है नई आशा और सकारात्मकता

सुबह सूर्य के प्रकाश के साथ दिन की शुरुआत होती है, अंधकार दूर हो जाता है, फूल खिलने लगते हैं, संपूर्ण धरती पर उत्साह पैदा होने लगता है, हम सब जाग जाते हैं। ठीक इसी तरह जब हमारे मन में ज्ञान का प्रकाश आता है, तब अज्ञान रूपी अंधकार दूर हो जाता है, जीवन आशा, उमंग और सकारात्मकता से भर जाता है। इसलिए अपने मन में ज्ञान के सूर्य को जगाएं। **-स्वामी अवधेशानंद गिरि**

हिन्दू धर्म में अनंत है गाय की महिमा वेद-पुराणों में मिलता है वर्णन

सनातन धर्म में गाय का महत्व किसी से छिपा नहीं है। हिंदू धर्म के सभी वेद, पुराण और उपनिषद में गाय की महिमा का वर्णन किया गया है। माना जाता है की सभी 33 कोटि देवी - देवताओं का वास गाय में होता है। विशेष तौर पर ऋग्वेद में गाय की महिमा का वर्णन अधिक किया गया है। वेद और पुराणों में गाय को अघन्या बताया गया है। शास्त्रों के अनुसार गाय के चार चरणों से सृष्टि का संरक्षण पोषण और कल्याण होता है।

जीवन का पोषण करती है गाय : हिंदू धर्म में गाय को माता का दर्जा दिया गया है। अपने दरजी के अनुसार गए सदैव व्यक्ति का पालन पोषण करती है। एक मां की तरह दूध देती है जिससे बाल्य काल से ही हमारा पोषण होता है। गाय के गोबर और मूत्र का दवा, पूजन और ईंधन के साथ खाद के रूप में भी प्रयोग किया जाता है।

पुराणों में गाय का महत्व : पुराणों में गाय की महत्वता को बताते हुए स्कंद पुराण में वर्णित है कि गए ईसान के लिए ईश्वर का उपहार है। पुराने के अनुसार घर में गाय को पालने से सौभाग्य में वृद्धि होती है और नकारात्मक ऊर्जा का ह्रास होता है। घर के अंदर किसी भी तरह के दोष से मुक्ति मिल जाती है। विष्णु पुराण में भी गाय की सेवा को मृत्यु के उपरांत मोक्ष प्राप्ति का साधन माना गया है।

वेद में गाय का वर्णन : हिंदू धर्म में वेदों में भी गाय की महिमा का वर्णन है। ऋग्वेद में गाय को ऐसा जीव बताया गया है जिसे मारना नहीं चाहिए। गाय से प्राप्त घी को हिंदू धर्म में अनुष्ठानों में प्रयोग करने का बताया गया है। गाय के दूध से बने घी,मक्खन आदि पदार्थों को देवी देवताओं के पूजन में शामिल किया जाता है। अथर्ववेद में भी गाय को सौभाग्य कारक जीव बताया गया है। अथर्ववेद के अनुसार गो सेवा से व्यक्ति को अच्छा स्वास्थ्य एवं धन, घर के अंदर खुशियां और समृद्धि मिलती है।

भगवान श्री कृष्ण को प्रिय गाय : भगवान श्री कृष्ण हिंदू धर्म की नहीं बल्कि संसार के अलग-अलग धर्म के लिए आराध्या हैं। उनके छवि चित्र में उनका गायों के प्रति प्रेम, गाय की सुरक्षा देखभाल और हिंदू धर्म में इसके महत्व को दिखाता है।

गाय का दान आवश्यक : मान्यता है कि हिंदू धर्म में गाय का दान सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। ऐसी मान्यता है की मृत्यु के बाद बैकुंठ का रास्ता व्यक्ति गाय की पूंछ पकड़ कर ही तय करता है। इसलिए श्री हरि के चरणों यानी बैकुंठ में स्थान प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को एक बार स्वस्थ एवं दूध देती गाय का दान अवश्य करना चाहिए।

कुंभ पर शनि की साढ़ेसाती का अंतिम चरण, उपायों से मिलेगी शांति

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शनि को क्रूर ग्रह माना जाता है। शनिदेव को न्यायाधीश भी कहा जाता है, क्योंकि वे व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार फल प्रदान करते हैं और इसलिए ही जब किसी भी राशि पर शनि की साढ़ेसाती, ढैय्या या महादशा लगती है तो लोग उनके प्रकोप से डरने लगते हैं।

लेकिन आपको बता दें कि जब शनिदेव किसी पर कृपा दृष्टि डालते है तो उसके सोए हुए भाग्य को भी जगा देते हैं।

लेकिन फिलहाल साल 2025 में मेष, कुंभ और मीन राशि पर शनि की साढ़ेसाती का प्रभाव है। हालांकि कुंभ राशि पर साढ़ेसाती का अंतिम चरण शुरू हो चुका है और मेष राशि पर साढ़ेसाती का पहला चरण तो मीन राशि पर दूसरा चरण की शुरुआत हुई है। ऐसे में कुंभ राशि के जातकों को कुंभ राशि के जातकों को लंबे समय से शनि के प्रकोप से गुजरना पड़ रहा है।

कब मिलेगी साढ़ेसाती से राहत

ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, कुंभ राशि के जातकों को शनि की साढ़ेसाती से 03 जून 2027 को मुक्ति मिलेगी। इस दिन शनिदेव अपनी चाल बदलते हुए मीन राशि से निकलकर मेष राशि में गोचर करेंगे। इस गोचर के साथ ही वृषभ राशि के जातकों पर साढ़ेसाती शुरू होगी जबकि कुंभ राशि के जातकों को इससे राहत मिलेगी। इसके साथ ही सिंह और धनु राशि के जातकों को शनि की ढैय्या से मुक्ति मिलेगी।

ऐसे पाएं शनिदेव की कृपा

कुंभ राशि के स्वामी शनिदेव ही हैं, ऐसे में अगर आप शनिदेव की कुदृष्टि से बचना चाहते हैं तो पीपल के पेड़ में जल अर्पित करना शुरू कर दें, आपको इससे राहत मिलेगी।

इसके अलावा कुंभ राशि के जातकों को शनिवार के दिन जरूरत मंदों को काले तिल, सरसों का तेल,कंबल, चमड़े के जूते-चप्पल आदि वस्तुओं का दान करना चाहिए। करियर संबंधित लाभ जरूर मिलेगा।

कुंभ राशि के जातकों को शनि की साढ़ेसाती के दौरान भगवान शिव की आराधना करनी चाहिए। प्रतिदिन एक लोटा जल शिवलिंग पर अर्पित करें, शनि की साढ़ेसाती में लाभ मिलेगा।

क्या आपके हाथ में भी है बुध पर्वत?

हस्तरेखा शास्त्र में व्यक्ति की हथेली को देखकर आसानी से उसके भविष्य के बारे में पता लगाया जा सकता है। फिर चाहे उसके करियर के बारे में पता लगाना हो या फिर उसके जॉब, पैसा, शादी से संबंधित कई बातें हों, उसके बारे में भी आसानी से जाना जा सकता है। बता दें कि व्यक्ति की हथेली पर मौजूद पर्वत भी उनके बारे में बहुत कुछ बयां करते हैं।

इन्हीं में से एक है बुध पर्वत जिसके बारे में हस्तरेखा शास्त्र कहता है कि जिस व्यक्ति की हथेली में बुध पर्वत होता उसके हाथ पर भी उसका चिन्ह बहुत प्रभावी होता है। ऐसे में आइए ज्योतिषाचार्य व वास्तु सलाहकार डॉ अरविंद पचौरी से जानते हैं बुध पर्वत की स्थिति और आकार के बारे में कि ये जातक के बारे में किन-

किन रहस्यों के बारे में बताते हैं।

उभरा हुआ और स्पष्ट बुध पर्वत

अगर आपकी हथेली में बुध पर्वत स्पष्ट, उभरा और संतुलित रूप में नजर आता है तो समझ लीजिए कि आप भाग्यशाली हैं। ऐसे लोग मेहनती, बुद्धिमान और योजनाबद्ध जीवन जीने वाले होते हैं। वे जो भी काम हाथ में लेते हैं उसे सफलता तक पहुंचाकर ही दम लेते हैं। उनकी मेहनत उन्हें कभी पैसों की कमी महसूस नहीं होने देती।

सामान्य से अधिक उभरा हो बुध पर्वत

अगर बुध पर्वत सामान्य से अधिक उभरा हुआ हो तो यह संकेत देता है कि व्यक्ति चतुर तो होता है लेकिन दूसरों के साथ जुड़ने में थोड़ा हिचकिचाता है। ऐसे लोग अपने दिमाग की तेजी से सभी को चौंका सकते हैं पर उनके रिश्तों में स्थायित्व की कमी हो सकती है।

बुध पर्वत पर वर्गाकार का निशान

यदि बुध पर्वत पर वर्गाकार निशान बना हो तो यह चेतावनी देता है कि व्यक्ति नियमों को तोड़ने का खतरा उठा सकता है। ये समाज से अलग सोच रखते हैं और आम लोगों से थोड़ा अलग रहना पसंद करते हैं।

साफ-सुथरा हो बुध पर्वत

जिनके हाथ में बुध पर्वत साफ-सुथरा और सधा हुआ हो, वे मौके को भांपने में माहिर होते हैं। चाहे व्यापार हो या मनोविज्ञान, ऐसे लोग हर क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाते हैं। उनकी सोच नई होती है और बातों में असर होता है जिससे वे दूसरों को भी प्रेरित कर देते हैं।

सूर्य पर्वत की तरफ झुका हो

यदि बुध पर्वत सूर्य पर्वत की ओर झुका हो तो यह अत्यंत शुभ संकेत है। ऐसे लोग विज्ञान या साहित्य में ऊंचाइयों तक पहुंच सकते हैं। इन्हें सफलता आसानी से मिल जाती है।

100 साल पुराने इस मंदिर की रहस्यमय कहानी, भक्तों की पूरी होती है मन्नत

सिरोही:- सिरोही रियासत में परमार और देवड़ा शासकों की राजधानी रही पुरातन चंद्रावती नगरी में एक पहाड़ी पर मां चामुंडा विराजमान हैं। इस मंदिर का इतिहास चंद्रावती नगरी के समय का माना जाता है। वर्तमान मंदिर करीब 100 वर्ष से भी पुराना है। नवरात्रि में यहां काफी संख्या में भक्त पहुंचते हैं। मंदिर को लेकर चंद्रावती गांव के अलावा आसपास के गांवों में भी काफी मान्यता है। यहां भक्त जो मन्नत लेकर आते हैं, वो पूरी होती है। अभी जो मंदिर है, वह 100 साल से भी पुराना है। प्राचीन प्रतिमा का कुछ हिस्सा खंडित होने पर अक्टूबर 2024 को संतों के सानिध्य में मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा करवाई गई थी। इस दौरान मन्दिर का भी जीर्णोद्धार करवाया गया था। हर साल मंदिर के वार्षिक मेले में दूरदराज से भक्त पहुंचते हैं।

पास ही बना हुआ है वॉच टावर

मंदिर के पास ही प्राचीन चंद्रावती नगरी बसी हुई है, जो किसी समय में सिरोही रियासत की राजधानी हुआ करती थी।

इस नगरी को वैभवशाली नगरी के रूप में पहचाना जाता था। गुजरात के रास्ते पर होने की वजह से इसे मुगल आक्रांताओं ने कई बार लूटा। यहां कई प्राचीन मंदिर हुआ करते थे, जिनके अवशेष पुरातत्व विभाग की ओर से करवाई गई तीन चरणों की खुदाई में मिले थे। कई प्राचीन मूर्तियां आज भी चंद्रावती म्यूजियम और माउण्ट आबू के राजभवन म्यूजियम में सुरक्षित रखी हुई है। ये मूर्तियां 12वीं शताब्दी से 14वीं शताब्दी के बीच की है।

पहाड़ी पर बना हुआ है मंदिर

इस मंदिर तक पहुंचने के लिए आपको एनएच-27 से चंद्रावती गांव में आना होगा। यहां नीचे एक गौशाला भी बनी हुई है, जिसमें करीब 2 दर्जन गाय और गोवंश का पालन पोषण किया जाता है। मुख्य मंदिर पहाड़ी पर बना हुआ है, जहां तक पहुंचने के लिए पहले करीब 150 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती थी। लेकिन अब वाहनों के ऊपर तक जाने के लिए, रास्ता बना दिया गया है। ऐसे में कोई भी भक्त आसानी से यहां दर्शन कर सकता है।

साउथ के एक्टर विजय ने बताया किस तरह रुकेंगे पहलगाम जैसे हमले, पाकिस्तान को सुनाई खरी-खरी

साउथ के मशहूर एक्टर विजय देवरकोंडा ने हाल ही में हुए पहलगाम हमले पर अपनी बात रखी है। सूर्या की अदाकारी वाली फिल्म 'रेट्रो' की प्री रिलीज के मौके पर विजय ने अपना पक्ष रखा। उन्होंने लोगों से अपील की वह ऐसे बुरे वक्त में आपस में एकता बनाए रहें।

शिक्षा से निकलेगा हल

विजय ने कट्टरपंथ से लड़ने में शिक्षा की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कई आतंकवादियों का ब्रेनवॉश किया जाता है। तेलुगु और अंग्रेजी में बोलते हुए उन्होंने कहा 'कश्मीर में जो हो रहा है उसका हल भी शिक्षा है। ये सुनिश्चित करना जरूरी है कि उनका दिमाग न खराब किया जाए। वह (पाकिस्तानी) क्या हासिल कर लेंगे? कश्मीर भारत का हिस्सा है और कश्मीरी हमारे हैं। दो साल पहले, मैंने 'कुशी' की शूटिंग कश्मीर में की थी। उनके (कश्मीरियों) के साथ मेरी बहुत अच्छी यादें हैं।'

पाकिस्तानियों पर भड़के विजय

उन्होंने पाकिस्तान पर तंज कसते हुए कहा 'पाकिस्तान अपनी हालत नहीं संभाल सकता, उनके पास पानी और बिजली नहीं है। वह यहां क्या करना चाहते हैं? भारत को पाकिस्तान पर हमला करने की जरूरत नहीं है क्योंकि पाकिस्तानी खुद अपनी सरकार से बहुत ज्यादा परेशान हो चुके हैं। अगर ऐसे ही चलता रहा तो वो लोग खुद सरकार पर हमला कर देंगे। उनका व्यवहार 500 साल पहले के आदिवासियों जैसा है।'

खुश रहकर कर सकतें हैं तरक्की

विजय ने आगे कहा 'हम लोगों को एकजुट रहना चाहिए और एक दूसरे के साथ प्यार से रहना चाहिए। हमें हमेशा आगे बढ़ने और एकजुट रहने की जरूरत है। शिक्षा सबसे जरूरी है। आइए हम सभी खुश रहें और अपने माता-पिता को खुश रखें, तभी हम तरक्की कर सकते हैं।'

विजय ने एक्स पर भी पहलगाम हमले के बारे में लिखा था। उन्होंने हमले पर दुख जताया था।

कब हुआ पहलगाम हमला?

आपको बता दें 22 अप्रैल 2025 को कश्मीर के पहलगाम जिले में आतंकवादियों ने पर्यटकों पर हमला कर दिया। हमला 'द रेसिस्टेंट फ्रंट' के आतंकियों ने किया। हमले में कम से कम 28 लोगों की मौत हो गई और 20 लोग जख्मी हो गए। हमले पर कई बॉलीवुड सितारों ने गम व गुस्से का इजहार किया है।

कौन हैं चाहत पांडे जिनके घर पुलिस ने की कुर्की

टीवी कलाकार चाहत पांडे के घर शनिवार शाम को अचानक पुलिस आ धमकी और उनकी मां की घरेलू सामग्री को कुर्क कर लिया। मामले को लेकर बताया जा रहा है कि लोन न चुकाने पर न्यायालय के आदेश पर यह कार्रवाई की गई है।

क्या है मामला?

दरअसल, मामला छह साल पुराना है। चाहत की मां ने एक कार के लिए दो लाख 40 हजार रुपए का लोन लिया था। उनकी मां ने अभी तक उस लोन की राशि नहीं चुकाई, जिसके बाद ये मामला कोर्ट में चला गया। कोर्ट में इस केस की सुनवाई हुई। जिसके बाद आदेश दिया गया कि चाहत की मां की घरेलू सामग्री को कुर्क किया जाए। इसी सिलसिले में शनिवार को पुलिस उनके घर पहुंची और फर्नीचर सहित अन्य सामग्री कुर्क कर ले गई।

पूरे मामले को लेकर फाइनेंस कंपनी की ओर से अधिवक्ता अजय पटेल ने बताया कि चाहत पांडेय की मां भावना पांडेय द्वारा वर्ष 2019 में चार पहिया वाहन के लिए दो लाख 40 हजार रुपए का लोन लिया गया था। ब्याज सहित यह राशि 4 लाख 62 हजार रुपए पहुंच गई थी, लेकिन उनके द्वारा यह राशि जमा नहीं कराई गई थी। जिस पर कंपनी द्वारा अपने अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में याचिका लगाई गई। न्यायालय द्वारा पेशी के बाद पूरी राशि देने का आदेश पारित किया। इसके बावजूद भी भावना पांडेय द्वारा राशि जमा नहीं की गई। जिस पर न्यायालय द्वारा कुर्की वारंट जारी किया गया।

पहले भी दो बार टीम गई थी कुर्की करने

वकील ने बताया कि इससे पहले भी टीम दो बार कुर्की करने पहुंची थी, लेकिन टीम को वापस लौटना पड़ा। जिसके बाद न्यायालय द्वारा पुलिस बल के माध्यम से कुर्की कराने का आदेश दिया गया। जिस पर शनिवार को पुलिस टीम कुर्की करने आई है।

कौन हैं चाहत पांडे?

चाहत पांडे टीवी इंडस्ट्री की एक जानी-मानी टीवी एक्ट्रेस हैं। जिन्होंने साल 2016 में टीवी शो 'पवित्र बंधन' से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने कई फेमस टीवी शोज में काम किया। जिनमें 'नथ जेवर या जंजीर', 'हमारी बहू सिल्क', 'नागिन 2', और 'तेनाली राम' जैसे शो शामिल हैं। चाहत अपने शानदार अभिनय के साथ-साथ अपनी खूबसूरती और बेहतरीन परफॉर्मेंस के लिए जानी जाती हैं और उनके फैंस उनको खूब पसंद करते हैं।

मलयालम फिल्म डायरेक्टर खालिद रहमान और अशरफ हमजा गिरफ्तार, हाइब्रिड गांजा रखने का लगा आरोप

साउथ इंडस्ट्री में एक बार फिर हड़कंप मच गया है। कुछ दिनों पहले मलयालम अभिनेता शाइन टॉम चाको को ड्रग के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और अब केरल पुलिस की एक्साइज टीम ने 27 अप्रैल को मलयालम फिल्म डायरेक्टर खालिद रहमान और अशरफ हमजा समेत एक अन्य शख्स को उनके घर से गिरफ्तार किया है। ऐसा बताया जा रहा है कि इन तीनों लोगों पर अपने फ्लैट में हाइब्रिड गांजा रखने का आरोप है।

हाइब्रिड गांजा किया जब्त

एक रिपोर्ट के अनुसार, केरल पुलिस की एक्साइज टीम के अधिकारियों ने आधी रात लगभग 2 बजे कोच्चि स्थित एक फ्लैट पर छापा मारा, जहां से तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। रिपोर्ट के अनुसार इन तीनों के पास 1.6 ग्राम हाइब्रिड गांजा मिला, जिसे अधिकारियों ने जब्त किया। इसमें दो मलयालम डायरेक्टर्स खालिद रहमान और अशरफ हमजा थे और एक इनका करीबी दोस्त शालिफ मोहम्मद था। वहीं, अधिकारियों ने जिस फ्लैट पर छापा मारा गया, वह सिनेमैटोग्राफर समीर ताहिर ने किराए पर लिया था।

इन धाराओं के तहत मामला दर्ज

'मनोरमा' की रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें एक अधिकारी ने बताया कि इन तीनों के खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस अधिनियम, 1985 की धारा 20 (बी) (II) ए और 29 के तहत मामला दर्ज किया गया है। जब हमने फ्लैट पर छापा मारा, तो वो गांजा का सेवन की तैयारी ही कर रहे थे। पूछताछ करने के बाद पता चला कि तीनों व्यक्ति लंबे समय से गांजा का सेवन कर रहे थे।

इनकी गिरफ्तारी के बाद, निर्देशकों के संघ फिल्म एम्प्लॉइज फेडरेशन ऑफ केरल ने खालिद और अशरफ दोनों को निलंबित करने का फैसला किया है। इस संबंध में संघ के अध्यक्ष, प्रसिद्ध फिल्म निर्माता सिबी मलयिल द्वारा पहले ही निर्देश दिए जा चुके हैं। पता चला है कि केरल फिल्म प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन ने भी फिल्म एम्प्लॉइज फेडरेशन ऑफ केरल के इस कदम को अपना समर्थन दिया है।

बता दें कि खालिद रहमान हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'अलपुझा जिमखाना' के अलावा 'थल्लूमाला' और 'अंडा' जैसी चर्चित फिल्मों का निर्देशन किया है। वहीं, अशरफ हमजा ने मलयालम फिल्म 'तमाशा' समेत गई फिल्मों का निर्देशन किया है। फिलहाल एक्साइज विभाग इस मामले में आगे की जांच कर रहा है और जल्द ही इसके बारे में ज्यादा जानकारी लोगों के सामने आ सकती है। साथ ही इसकी सप्लाई चेन का भी खुलासा हो सकता है।

'दर्शकों को चाहिए बेहतरीन फिल्में' : नानी

पिछले कुछ वक्त से बॉलीवुड एक मुश्किल दौर से गुजर रहा है। कई बड़ी फिल्में भी वैसा प्रदर्शन नहीं कर पा रही हैं, जैसी उनसे उम्मीद की जा रही है। वहीं दूसरी ओर साउथ की फिल्में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं और कहीं न कहीं बॉलीवुड फिल्मों पर हावी पड़ती दिख रही हैं। कहा तो यहां तक जा रहा है कि साउथ की फिल्में ही भारतीय फिल्म इंडस्ट्री को बचा रही है। जिसकी आड़ में बॉलीवुड की विफलता छिप जा रही है। अब साउथ स्टार नानी ने इस मुद्दे पर बात की है और ये उम्मीद जताई है कि बॉलीवुड जल्द ही मजबूत कमबैक करेगा।

फिल्म इंडस्ट्री में ऊपर-नीचे होता रहता है

सिद्धार्थ कन्नन के साथ बातचीत के दौरान अभिनेता नानी ने भारतीय फिल्मों को लेकर बात की। उन्होंने कहा, "भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। साउथ फिल्में बॉलीवुड को बचा रही हैं, यह कहना सही नहीं है। इसकी जगह हम सही शब्द संतुलन का इस्तेमाल कर सकते हैं। ऐसे समय आते हैं जब तेलुगु सिनेमा को भी मंदी का सामना करना पड़ता है। पिछली गर्मियों में ही थिएटर बंद हो गए थे क्योंकि पीक सीजन के दौरान भी कोई फिल्म नहीं चल रही थी। लेकिन हम हमेशा मजबूत होकर वापस आते हैं और हिंदी सिनेमा के लिए भी यही होगा।"

हमें इस वक्त सोचने की जरूरत है

इस दौरान नानी ने आगे कहा, "आज दर्शकों को फिल्म की भाषा की चिंता नहीं है। हर कोई बस एक बेहतरीन फिल्म चाहता है। यही हम सभी को प्रेरित भी करता है। चाहे वह बॉलीवुड हो, टॉलीवुड हो या कहीं और, ताकि हम अपने स्तर को ऊंचा रखें और बेहतर कहानियां बनाएं। मुझे भरोसा है कि हिंदी सिनेमा फिर से अपने पुराने अंदाज में लौटेगा। इस दौर में हमें आत्मचिंतन करने और सोचने की जरूरत है, ताकि हम फिर से मजबूत वापसी कर सकें। कभी-कभी इंजन को फिर से चालू करने के लिए आपको उन ब्रेक की आवश्यकता होती है, ये वो ही ब्रेक है।"

'हिट 3' के प्रमोशन में व्यस्त हैं नानी

वर्कफ्रंट की बात करें तो नानी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'हिटः द थर्ड केस' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। ये फिल्म 1 मई को रिलीज होने वाली है। सैलेश कोलानू द्वारा निर्दशित इस फिल्म में उनके साथ श्रीनिधि शेट्टी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी।

कभी भी पिता विनोद खन्ना के साथ काम नहीं करना चाहते थे अक्षय, बोले- 'बराबरी करना मुश्किल...'

फिल्म 'छावा' में औरंगजेब के किरदार से सभी के दिलों में अपनी उम्दा अदाकारी से फिर से छाने वाले अभिनेता अक्षय खन्ना का कहना है कि वह कभी भी अपने पिता विनोद खन्ना के साथ काम नहीं करना चाहते थे और ना ही वह कभी अमिताभ बच्चन के साथ काम करना चाहेंगे।

क्यों पिता विनोद के साथ काम नहीं करना चाहते अक्षय खन्ना

एक खबर के मुताबिक, अक्षय को बॉलीवुड के सबसे प्रतिभाशाली अभिनेताओं में गिना जाता है। एक पुराने इंटरव्यू में अक्षय ने कहा कि उनके पिता विनोद खन्ना और अभिनेता अमिताभ बच्चन जैसे अभिनेताओं की स्क्रीन पर इतनी दमदार मौजूदगी होती है कि उनके साथ काम करना मुश्किल है। अक्षय ने कहा, मेरे पिता की तरह स्क्रीन पर प्रभाव डालना आसान नहीं है। यह खूबी कुछ खास लोगों में ही होती है, और मेरे पास वह नहीं है।

बायोपिक को लेकर अक्षय की राय

अक्षय ने बायोपिक फिल्मों के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि किसी वास्तविक व्यक्ति का किरदार निभाना बहुत चुनौतीपूर्ण होता है, क्योंकि उसे बिलकुल सटीक करना पड़ता है। अक्षय ने 2007 की फिल्म गांधी, माई फादर में महात्मा गांधी के बेटे हीरालाल गांधी का किरदार निभाया था। हाल ही में 2025 में आई फिल्म छावा में उन्होंने मुगल शासक औरंगजेब की भूमिका निभाई, जो एक ब्लॉकबस्टर साबित हुई।

अक्षय का करियर

अक्षय को आखिरी बार छावा में विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना के साथ देखा गया था। अब वह रणवीर सिंह के साथ फिल्म 'धुरंधर' में नजर आएंगे, जिसकी शूटिंग चल रही है। यह फिल्म एक्शन, ड्रामा और सस्पेंस से भरपूर होगी। प्रशंसक इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

किम कार्दशियन की ज्वेलरी चोरी मामले में संदिग्ध मांगेगा माफी, 23 मई तक चलेगा मुकदमा

2016 में किम कार्दशियन के साथ पेरिस में हुई सशस्त्र डकैती के एक संदिग्ध, 71 साल के यूनिस अब्बास ने कहा है कि वह सोमवार से शुरू होने वाले पेरिस ट्रायल के मुकदमे में अपनी गलती स्वीकार करेगा और माफी मांगेगा। अब्बास ने कहा, मैं ईमानदारी से माफी मांगूंगा।

पेरिस फैशन वीक के दौरान किम कार्दशियन जिस अपार्टमेंट में रुकी थीं, वहां लुटेरों ने उन पर बंदूक तानकर लाखों डॉलर के गहने चुराए थे। किम ने बताया कि उन्हें लगा कि उनकी जान को खतरा है और उनके साथ छेड़छाड़ हो सकती हैं। लुटेरों ने उन्हें प्लास्टिक केबल और टेप से बांध दिया और उनकी सगाई की अंगूठी सहित कीमती गहने लूट लिए। किम को बाथरूम में बंद कर लुटेरे भाग गए। अपार्टमेंट के दरबान को भी बंदूक की नोक पर बंधक बनाया गया था।

अब्बास की भूमिका

करीब 6 मिलियन डॉलर के गहने की चोरी के बारे में बताते हुए अब्बास ने बताया कि उसने इमारत के नीचे निगरानी की और भागने का रास्ता साफ रखा। वह निहत्था था और उसने किम को सीधे धमकी नहीं दी, लेकिन वह अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करता है। उसका डीएनए दरबान को बांधने वाली प्लास्टिक टाई पर मिला। अब्बास को जनवरी 2017 में गिरफ्तार किया गया और 21 महीने जेल में रहने के बाद रिहा हुआ। अब्बास ने 2021 में आई सीक्वेस्टेड किम कार्दशियन नाम की एक किताब भी लिखी, जिसमें उसने किम कार्दशियन की डकैती की सच्ची कहानी के बारे में बताया। अब्बास ने बताया कि भागते समय गहनों का बैग उसकी साइकिल के पहिए में फंस गया और सड़क पर बिखर गया। उसने गहने समेटे और भाग गया। अगली सुबह एक व्यक्ति को सड़क पर एक हीरे का क्रॉस मिला, जो इस लूट से बरामद एकमात्र चीज थी।

अब्बास का दावा

अब्बास का कहना है कि उसे डकैती के समय किम की पहचान नहीं थी। उसे सिर्फ इतना पता था कि वह एक मशहूर व्यक्ति की पत्नी हैं। अगली सुबह टीवी पर खबर देखकर उसे किम के बारे में पता चला। वह मुकदमे में अपनी भूमिका के बारे में बताएगा, लेकिन अपने साथियों का नाम नहीं लेगा। उसने कहा, मैं सिर्फ एक बाहरी व्यक्ति था, इसकी साजिश मैंने नहीं रची।

एफबीआई की भूमिका

अब्बास की किताब के सह-लेखक थिएरी नीमेन ने बताया कि एफबीआई ने फ्रांसीसी पुलिस को अब्बास का डीएनए पहचानने में मदद की। किम दुनिया की सबसे मशहूर हस्ती हैं और यह मामला सोशल मीडिया पर बहुत चर्चित था। मुकदमे के नतीजे तक अब्बास की किताब से होने वाली कमाई पर रोक है।

सामंथा रुथ प्रभु द्वारा निर्मित पहली फिल्म 'शुभम'

साउथ इंडस्ट्री की जानी मानी अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने अभिनय के अलावा प्रोडक्शन में कदम रखा और उनके द्वारा निर्मित पहली फिल्म 'शुभम' का ट्रेलर लॉन्च हो गया है। इस फिल्म में अभिनेत्री मजेदार कैमियो में नजर आ रही हैं। आइए जानते हैं कैसा है इसक ट्रेलर।

सामंथा रुथ प्रभु द्वारा निर्मित फिल्म 'शुभम' का ट्रेलर आज रविवार को रिलीज हो गया है। दो मिनट 51 सेकेंड के इस ट्रेलर की शुरुआत कुछ पुरुषों की चर्चा से होती है, जिसमें वे अपने घर में अपनी पत्नियों से कॉफी मांगने के तरीकों को बताते हैं। इसी को लेकर एक पुरुष उन लोगों की इस बात से सहमत नहीं होता है। इसके बाद दिखाया जाता है कि महिलाएं एक खास समय पर टीवी शो देखने में व्यस्त हो जाती हैं, जिस कारण पुरुष अपना गुस्सा कंट्रोल नही कर पाते हैं। ट्रेलर के अंत में सामंथा एक माता के रूप में दिखती हैं, जिनसे सवाल किया जाता है कि पुरुषों का अब क्या होगा। यह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। सामंथा द्वारा निर्मित यह फिल्म सिनेमाघरों में 09 मई को रिलीज होगी। इस ट्रेलर को अभिनेत्री ने अपने यूट्यूब पर ऑफिशियल लॉन्च किया है। साथ ही इसकी जानकारी उन्होंने अपने इंस्टाग्राम और एक्स अकाउंट पर भी दिया है। अभिनेत्री ने एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'हमारे साथ एक मजेदार सफर पर निकलिए वो भी एक ऐसी फिल्म के साथ जो पूरी तरह से दिल को छू लेने वाली है।' इसके अलावा अभिनेत्री ने हैशटैग में 'शुभम' फिल्म की रिलीज तारीख 09 मई बताई है। इस फिल्म को ट्रालाला मूविंग पिक्चर्स के सहयोग के साथ बनाया जा रहा है।

सामंथा रुथ प्रभु का वर्कफ्रंट

अगर सामंथा रुथ प्रभु के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री के प्रोडक्शन द्वारा 'शुभम' पहली फिल्म है, जो 09 मई को रिलीज हो रही है। इसके अलावा बात करें तो वह 'मां इंति बंगाराम' फिल्म का भी निर्माण कर रही हैं, जिसमें वह अभिनय भी करेंगी। आखिरी बार अभिनेत्री को वरुण धवन के साथ अमेजन प्राइम की सीरीज 'सिटाडेलः हनी बनी' में देखा गया था।

जब भरी महफिल में रेखा को ऐश्वर्या राय ने कह दिया था मां, ऐसा था रिएक्शन

अमिताभ बच्चन और रेखा के लव अफेयर के किस्से किसी से छिपे नहीं हैं, आज भी दोनों के रिस्ते को लेकर तरह-तरह की बातें होती हैं। जहां एक तरफ जया और रेखा के बीच अब खास बातचीत नहीं होती, वहीं बच्चन परिवार की बहू यानी ऐश्वर्या राय का रेखा के साथ अलग ही लगाव है। रेखा और ऐश्वर्या एक दूसरे से जब भी एक दूसरे से मिलते हैं तो उनके बीच का बॉन्ड साफ नजर आता है। ऐश्वर्या तो उन्हें मां तक कह चुकी हैं।

रेखा की तरह ऐश्वर्या भी साउथ इंडियन हैं और साउथ में उम्र में खुद बड़ी महिलाओं को मां कहकर बुलाते हैं और ऐश्वर्या भी अपनी संस्कृति का पालन करते हुए ऐसा ही करती हैं। एक बार स्टार स्क्रीन अवॉर्ड में रेखा ने हजारों लोगों के सामने रेखा को मां कहा था। जिसका वीडियो भी बहुत वायरल हुआ था।

एक बार स्टार स्क्रीन अवॉर्ड्स के दौरान ऐश्वर्या राय को उनकी

कमबैक फिल्म 'जज्बा' के लिए अवॉर्ड दिया गया है। ये पल खास हो गया जब उन्हें रेखा के हाथों अवॉर्ड मिला, जिसे लेते समय ऐश्वर्या ने रेखा को धन्यवाद दिया और कहा, "मां से ये पाकर बहुत अच्छा लगा।" उनकी बात सुनने के बाद रेखा ने कहा, "मुझे उम्मीद है कि मैं इसे कई और सालों तक आपके लिए ये पेश कर पाऊंगी।"

बता दें कि रेखा और ऐश्वर्या का रिश्ता काफी प्यारा है। जब ऐश्वर्या राय ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने 20 साल पूरे किए थे तो रेखा ने उनके लिए इमोशनल लेटर लिखा था। फेमिना 2018 में दिखाया गया था। लेटर में रेखा ने बताया कि ऐश्वर्या ने अपने जीवन में संघर्षों का सामना कितनी बहादुरी से किया और एक सम्मानजनक मुकाम हासिल किया। रेखा ने उस लेटर में खुद को 'रेखा मां' कहकर संबोधित किया था।

रेखा कभी ऐश्वर्या की तारीफ करने का मौका नहीं छोड़ती हैं। 2017 में दोनों ने फिल्मफेयर ग्लैमर एंड स्टाइल अवॉर्ड्स में भी रेखा ने ऐश्वर्या को अपने हाथों से अवॉर्ड दिया था। तभी उन्होंने ऐश्वर्या की खूबसूरती की तारीफ करते हुए कहा था, "ऐश्वर्या की मां जब प्रेग्नेंट थीं, तब वो मेरी तस्वीरें देखती रहती थीं और इसका ये नतीजा है।"

पोषण विशेषज्ञ बनकर संवारें लोगों का स्वास्थ्य

आज के युग में जब अनियमित दिनचर्या, जंक फूड और तनावपूर्ण जीवनशैली के कारण लोग अनेक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं, तब एक ऐसे रोजगार की आवश्यकता महसूस होती है जो न केवल लोगों को सही खान-पान के प्रति जागरूक करे बल्कि उन्हें रोगों से लड़ने एवं बचाने में भी मार्गदर्शन करे।

न्यूट्रिशनिस्ट (पोषण विशेषज्ञ) का पेशा इसी आवश्यकता की पूर्ति करता है। यह करिअर न केवल समाज के लिए उपयोगी है बल्कि व्यक्तिगत रूप से भी अत्यंत सम्मानजनक और रोजगारपरक है। पोषण से संबंधित आंकड़ा राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत में पोषण की स्थिति गंभीर चिंता का विषय है। पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में ठिगनापन की दर 35.5% है, जो उनके समुचित शारीरिक और मानसिक विकास में बाधक बनती है। इसी आयु वर्ग के 32.1% बच्चे कम वजन के हैं, जबकि 19.3% बच्चों में अत्यधिक कम वजन पाया गया है। वहीं, 15 से 49 वर्ष की आयु की 57% महिलाएं एनीमिया से ग्रस्त हैं, जबकि पुरुषों में यह दर 25% है। किशोरियों में आयरन की कमी 60% से अधिक देखी गई है, जो उनकी संपूर्ण वृद्धि और प्रजनन स्वास्थ्य को प्रभावित कर

सकती है। इसके साथ ही, भारत में वयस्कों में मोटापे की दर 24% से अधिक है, और यह समस्या विशेषकर शहरी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रही है।

पोषण विशेषज्ञ कौन होता है

पोषण विशेषज्ञ वह व्यक्ति होता है जो खाद्य पदार्थों की पोषण संबंधी गुणवत्ता, शरीर की जरूरतों के अनुसार आहार योजना और रोग निवारण में आहार के प्रभाव को समझकर लोगों को उपयुक्त खान-पान का सुझाव देता है। ये विशेषज्ञ सामान्य जन, खिलाड़ियों, गर्भवती महिलाओं, वृद्धजन तथा रोगियों के लिए अलग-अलग पोषण योजनाएं तैयार करते हैं। इस क्षेत्र में बढ़ती मांग

आज हर वर्ग चाहे वह आम व्यक्ति हो, एथलीट हो, या कोई मशहूर शख्स अपने स्वास्थ्य को लेकर सजग निम्नलिखित शैक्षणिक योग्यताएं आवश्यक हैं।

बीएससी इन न्यूट्रिशन एंड डाइटेटिक्स : यह स्नातक कोर्स 3 वर्षों का होता है, जिसमें खाद्य रसायन, मानव शरीर विज्ञान, पोषण विज्ञान आदि विषय पढ़ाए जाते हैं। एमएससी इन न्यूट्रिशन एंड डाइटेटिक्स/ फूड एंड न्यूट्रिशन यह स्नातकोत्तर कोर्स 2 वर्षों का होता है, जो विषय की गहराई में ज्ञान देता है।

अस्पताल एवं क्लीनिक रोगियों को भोजन योजना देना ।

पीजी डिप्लोमा इन डाइटेटिक्स एंड पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशनः यह कोर्स उन छात्रों के लिए उपयुक्त होता है जो जल्द करिअर शुरू करना चाहते हैं।

पंजीकरण और लाइसेंस कुछ राज्यों और संस्थानों में पंजीकरण अनिवार्य है। जैसे इंडियन डायटेटिक एसोसिएशन (आइडीए) से पंजीकरण कराना लाभकारी हो सकता है।

रोजगार के अवसर

व्यायामशाला व स्वास्थ्य क्लब वजन घटाने या बढ़ाने के स्वतंत्र करिअर विकल्प। लिए विशेष आहार योजना ।

स्वयं का क्लीनिक या आनलाइन पोषण परामर्श सेवा :

गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) एवं सरकारी

कार्यस्थल : कर्मचारियों के लिए पौष्टिक भोजन कार्यक्रम योजनाओं में कुपोषण के खिलाफ जन-जागरूकता है। इसके चलते स्वास्थ्य और पोषण उद्योग तेजी से बढ़ रहा है। सरकारी अस्पतालों, निजी क्लीनिकों, जिम, योगा सेंटर, फिटनेस क्लब, स्पोर्ट्स एकेडमी, स्कूल-कालेज, हेल्थ ऐप और आनलाइन प्लेटफार्म पर न्यूट्रिशनिस्ट की आवश्यकता बढ़ रही है। लोग व्यक्तिगत न्यूट्रिशन काउंसलिंग के लिए भी विशेषज्ञों की मदद ले रहे हैं।

वेतनमान

इस क्षेत्र में शुरुआत में वेतन 15,000 रुपए से 25,000 रुपए प्रतिमाह हो सकता है, लेकिन अनुभव और विशेषज्ञता के साथ यह 60,000 से एक लाख रुपए प्रतिमाह तक जा सकता है। स्वतंत्र काउंसलिंग करने वाले पोषण विशेषज्ञ अपनी सेवाओं के अनुसार अच्छी आमदनी कर सकते हैं।

कालेज में पढ़ने वाले करें वित्त प्रबंधन, सुरक्षित होगा भविष्य

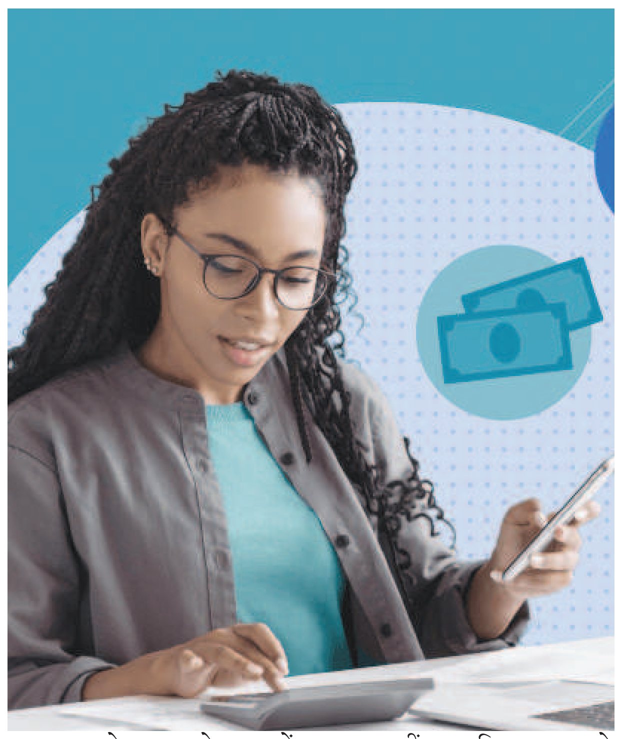

एक कालेज छात्र के रूप में अपने भविष्य को संवारने के लिए उम्मीदवारों को कौशल विकास पर जोर देने के लिए कहा जाता है। इनमें से वित्त प्रबंधन भी एक महत्वपूर्ण कौशल है। स्मार्ट वित्तीय प्रबंधन तकनीकों को अपनाकर उम्मीदवार तनाव से बच सकते हैं और भविष्य के लिए एक मजबूत नींव स्थापित कर सकते हैं।

अगर आप कालेज में हैं और वित्त प्रबंधन करने में कठिनाई महसूस करते हैं तो इन तरीकों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

प्रभावी रूप से वित्त प्रबंधन करने के लिए सबसे पहले एक यथार्थवादी बजट बनाएं। आप किन-किन स्त्रोतों से आय अर्जित कर रहे हैं, उनके बारे में लिखें। अगर आप कोई अंशकालिक नौकरी या इंटर्नशिप से भुगतान प्राप्त कर रहे हैं तो

इसके बारे में लिखें। इसके बाद अपनी ट्यूशन फीस, भोजन, परिवहन, आवास पर होने वाले खर्चों की सूची बनाएं। प्रत्येक काम के लिए विशिष्ट राशि आबंटित करें और सुनिश्चित करें कि आपका कुल खर्च आय से अधिक न हो ।

कालेज छात्र अक्सर अपने खर्चों पर नजर नहीं रखते, इस वजह से उन्हें वित्त प्रबंधन में कठिनाई होती है। आप ऐसी गलती न करें। उम्मीदवार हर महीने अपनी आय का एक छोटा हिस्सा आपातकालीन निधि के लिए रखें। इससे आपको विपरीत परिस्थितियों से निपटने के लिए किसी व्यक्ति से कर्ज लेने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। भविष्य के लिए योजना बनाना भी वित्त प्रबंधन का हिस्सा है। शैक्षिक खर्चों से निपटने के लिए छात्रवृत्ति विकल्पों की तलाश करें। अपने बजट के भीतर रहकर खर्च करने की आदत बनाएं।

एआई से पूछें करियर से जुड़े सवाल, अब डिजिटल कोच दे सकता है आपके भविष्य को सही दिशा

चाहे आप अभी अपना करियर शुरू करने जा रहे हों, या उसमें बदलाव करना चाह रहे हों या फिर एक लीडर के रूप में आगे बढ़ने की चाहत रखते हों, किसी भी स्थिति में आपको एक करियर कोच की जरूरत पड़ेगी ही। हालांकि, ज्यादातर लोग करियर कोच की मदद लेने से इसलिए कतराते हैं, क्योंकि उनके पीछे काफी पैसा और समय खर्च होता है। इसी कारण इन्सान किसी सस्ते और कम समय लेने वाले विकल्प की तलाश करता है।

ऐसे में लोग पारंपरिक करियर कोच के बजाय अब चैटजीपीटी, परप्लेक्सिटी, डीपसीक और क्लाउड जैसे जेनरेटिव एआई टूल्स का रुख कर रहे हैं। इन टूल्स तक आप आसानी से पहुंच सकते हैं, इनसे आपके समय की बचत होती है और इन्हें आप अपनी जरूरतों के हिसाब से कस्टमाइज भी कर सकते हैं।

करियर में स्पष्टता के लिए

करियर से जुड़े सवाल पूछने के लिए आप चैटजीपीटी के प्रॉम्प्ट का इस्तेमाल कर सकते हैं। जैसे आप एआई से पूछ सकते हैं, मैं अपने करियर के बारे में अनिश्चित हूं। क्या आप मुझे मेरी ताकत और रुचियों को

पहचानने में मदद कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप यह भी पूछ सकते हैं कि यदि मैं अपना रिज्यूमे अपलोड करता हूं, तो क्या आप इसकी समीक्षा करके मेरी क्षमता और रोजगार से जुड़ी योग्यता पर फीडबैक दे सकते हैं? एआई के सुझावों से आपको अपनी रुचियों को समझने में मदद मिलेगी।

रिज्यूमे और लिंक्डइन

एक मजबूत रिज्यूमे और लिंक्डइन प्रोफाइल पेशेवर जगत में आपको बाकी लोगों से अलग दिखने में मदद करती है। एआई आपको आकर्षक जानकारियां प्रदान करता है, जिससे आप रिज्यूमे और अपनी लिंक्डइन प्रोफाइल में सुधार कर सकते हैं। एक अच्छा रिज्यूमे और लिंक्डइन प्रोफाइल तैयार करने के लिए एआई से पूछें, क्या आप मेरे अनुभव के आधार पर रिज्यूमे के लिए एक पेशेवर सारांश लिखने में मदद कर सकते हैं? या मैं अपने रिज्यूमे में अपनी उपलब्धियों को कैसे माप सकता हूं?

नौकरी तलाशने का तरीका

किसी भी फ्रेशर के लिए नौकरी की तलाश करना सबसे कठिन काम होता है, लेकिन यदि आपके पास नौकरी ढूंढ़ने के लिए प्रॉम्प्ट लिखने का कौशल है, तो एआई नौकरी की तलाश करने में आपकी मदद कर सकता है।

आप एआई से पूछ सकते हैं कि किसी भूमिका के लिए अच्छी नौकरी तलाशने की रणनीति क्या है? मेरी शैक्षणिक पृष्ठभूमि और रुचियों के आधार पर नौकरी के अच्छे अवसर क्या हैं?

साक्षात्कार और वेतन पर बातचीत

साक्षात्कार की तैयारी और वेतन पर बात करने के लिए भी आप एआई की मदद ले सकते हैं। यदि आप साक्षात्कार से संबंधित मदद चाहते हैं, तो एआई को अपनी कंपनी का नाम बताएं, ताकि वह संभावित प्रश्नों को तैयार कर सके।

वहीं वेतन से संबंधित सलाह के लिए आपकी अपेक्षित सैलरी क्या है? इसका जवाब तैयार करने में एआई मदद करेगा।

एनिमेशन के क्षेत्र में बढिया कैरियर

इस डिजिटल दौर में कंपनियां या विभिन्न संस्थाएं प्रचार के कामों में या उत्पादों को बेहतर बनाने में ग्राफिक डिजाइन का इस्तेमाल करती हैं। वहीं, बाहुबली, कुंग फू पांडा और आइस एज जैसी फिल्मों की लोकप्रियता के साथ, एनीमेशन में करियर के बेहतरीन अवसर मौजूद हैं। आज लगभग हर जगह कंप्यूटर ग्राफिक्स का इस्तेमाल होता है। इंजीनियरिंग, फैशन डिजाइनिंग, सिनेमा में एनीमेशन और ग्राफिक डिजाइनिंग का खूब इस्तेमाल होता है। इस डिजिटल दौर में कंपनियां या विभिन्न संस्थाएं प्रचार के कामों में या उत्पादों को बेहतर बनाने में ग्राफिक डिजाइन का इस्तेमाल करती हैं। वहीं, बाहुबली, कुंग फू पांडा और आइस एज जैसी फिल्मों की लोकप्रियता के साथ, एनीमेशन में करियर के बेहतरीन अवसर मौजूद हैं।

क्या है एनिमेशन

एनीमेशन को एक चरित्र या एक वस्तु के लिए जीवन को साँस लेने की कला के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। यह मनोरंजन उद्योग और प्रौद्योगिकी का मिश्रण है, जो

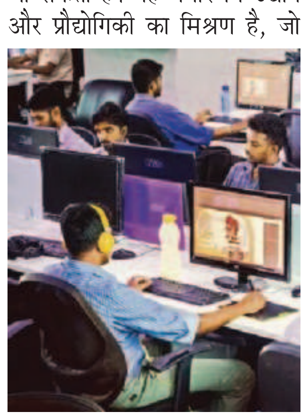

ग्राफिक रूप से समृद्ध और आकर्षक मल्टीमीडिया क्लिप के डिजाइन, ड्राइंग, लेआउट और उत्पादन से संबंधित है।

जरूरी कौशल

रचनात्मकता

अच्छा दृश्य कल्पना

CAD का ज्ञान

कलात्मक कौशल

चित्र के माध्यम से विचार व्यक्त करने की क्षमता

कंप्यूटर कौशल

योग्यता

एनीमेशन और ग्राफिक डिजाइनिंग के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए आप 12वीं पास करने के बाद आप ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट, डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आजकल कई तरह के प्रोफेशनल कोर्स भी उपलब्ध हैं।

कहाँ मिलेगी नौकरी

एक एनिमेटर के रूप में, आपको निम्नलिखित क्षेत्रों में काम करने का अवसर मिल सकता हैः

ऑनलाइन और प्रिंट समाचार मीडिया

कार्टून उत्पादन

विज्ञापन

वीडियो गेमिंग

थिएटर

फिल्म और टेलीविजन

ई-लर्निंग

सैलरी

एक जूनियर एनिमेटर के और पर आप 8000-15000 प्रति माह कमा सकते हैं। वहीं, 3-5 साल के अनुभव के बाद सैलरी बढ़कर 25,000- 75,000 रूपए तक हो सकती है। इसके साथ ही फ्रीलांस के तौर पर भी इस क्षेत्र में आप बहुत पैसा कमा सकते हैं। एनिमेशन की दुनिया में करने के लिए बहुत कुछ है। अगर आपमें हुनर और काम करने की इच्छा है तो आपको देश और विदेश दोनों जगह से काम करने का मौका मिल सकता है।

प्रजेंटेशन स्किल्स को मजबूत करने के लिए अपनाएं ये टिप्स

चाहे स्कूल-कॉलेज हो या ऑफिस, हर जगह आपको प्रेजेंटेशन देनी होती है इसलिए आपको अच्छी प्रेजेंटेशन देना आना चाहिए। कई लोगों को दूसरों के सामने प्रेजेंटेशन देने में घबराहट होती है और डर लगता है। आज के इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी टिप्स देंगे जिसकी मदद से आप प्रेजेंटेशन देते समय घबराहट महसूस नहीं होगी। आज के समय में आप किसी भी फील्ड में हो, आपको अपनी बात दूसरों के सामने अच्छे ढंग में पेश करना आना ही चाहिए। चाहे स्कूल-कॉलेज हो या ऑफिस, हर जगह आपको प्रेजेंटेशन देनी होती है इसलिए आपको अच्छी प्रेजेंटेशन देना आना चाहिए। कई लोगों को दूसरों के सामने प्रेजेंटेशन देने में घबराहट होती है और डर लगता है। आज के इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी टिप्स देंगे जिसकी मदद से आप प्रेजेंटेशन देते समय घबराहट महसूस नहीं होगी -

प्रेजेंटेशन के विषय को समझें

आप अच्छी प्रेजेंटेशन तभी दे पाएंगे जब आपको अपने विषय की अच्छी समझ होगी। प्रेजेंटेशन देने से पहले अपने विषय को अच्छी तरह समझें और उस पर रिसर्च कर लें।

प्रेजेंटेशन देने से पहले अच्छे से तैयारी करें

कई बार ख़राब प्रेजेंटेशन का कारण कम या अधूरी तैयारी होती है। अगर आप प्रेजेंटेशन देते समय नर्वस होते हैं तो प्रेजेंटेशन की अच्छी तैयारी करें। आप किसी एकांत जगह पर प्रेजेंटेशन की प्रैक्टिस करें। अगर आपकी तैयारी अच्छी होगी तो आप नर्वस नहीं होंगे।

व्यर्थ शब्दों का उपयोग ना करे

अपनी प्रेजेंटेशन के दौरान ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करने से बचें, जिनका कोई मतलब न हो। अक्सर लोग प्रेजेंटेशन के दौरान अम्म, हम्म, आ जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे शब्दों के इस्तेमाल से दूसरों पर एक गलत इम्प्रेशन पड़ता है। इससे सामने वाले को लगता है कि आपने अपनी प्रेजेंटेशन के लिए अच्छी तैयारी नहीं की है।

एक अच्छा पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन कैसे तैयार करें

आप अपनी प्रेजेंटेशन को अच्छा बनाने के लिए पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन की मदद ले सकते हैं। आप अपनी ppt में ग्राफ़िक्स, अलग फ़ॉन्ट्स,चाट्‌र्स आदि का प्रयोग कर सकते हैं। इससे सबको लगेगा कि आपने अपनी प्रेजेंटेशन के लिए अच्छी तैयारी की है और लोग आपकी प्रेजेंटेशन पर ज़्यादा ध्यान देंगे।

शीशे के सामने करें प्रैक्टिस

अगर आप प्रेजेंटेशन के दौरान नर्वस होते हैं तो शीशे के सामने खड़े होकर प्रैक्टिस करें। आप शीशे के सामने खड़े होकर बिल्कुल वैसे ही प्रेजेंटेशन दें, जैसा आप सबके सामने देंगे। इससे आपको अपनी गलतियां पता चलेंगी और आप अच्छी तैयारी कर पाएंगे। आप चाहें तो शीशे के अलावा किसी दोस्त या घर के किसी सदस्य के सामने भी प्रेजेंटेशन देने की प्रैक्टिस कर सकते हैं।

यूपीपीएससी में निकली प्रिंसिपल की भर्ती, सैलरी दो लाख से अधिक

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने यूपी प्राविधिक शिक्षा (अध्यापन) सेवा परीक्षा 2025 के लिए आधिकारिक विज्ञापन जारी कर दिया है। इसके तहत प्रिंसिपल के पदों पर आवेदन प्रक्रिया जारी है। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार 26 मई 2025 तक यूपीपीएससी की वेबसाइट (uppsc.up.nic.in) पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। साथ ही, आवेदन शुल्क का भुगतान भी इसी दिन तक किया जा सकेगा। इसके बाद, 2 जून 2025 तक फॉर्म में सुधार का विकल्प भी उपलब्ध होगा।

इस भर्ती अभियान के तहत प्रिंसिपल पदों पर कुल 21 रिक्तियां निकाली गई हैं, जिसमें अनारक्षित वर्ग के लिए 8 पद, अनुसूचित जाति के लिए 6 पद, अनुसूचित जनजाति के लिए कोई पद नहीं, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 5 पद, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 2 पद और महिला अभ्यर्थियों के लिए 4 पद आरक्षित हैं।

शैक्षणिक योग्यता

प्राविधिक शिक्षा/शोध/उद्योग में उपाधि या डिप्लोमा स्तर पर न्यूनतम 16 वर्षों का अध्यापन अनुभव। इसके अलावा, पीएचडी और स्नातक/स्नातकोत्तर डिग्री भी अनिवार्य। उम्मीदवारों को विभागाध्यक्ष के स्तर पर 05 साल का अनुभव भी होना चाहिए।

1 जुलाई 2025 को उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 35 वर्ष और अधिकतम आयु 50 वर्ष के बीच होनी चाहिए। यानी उम्मीदवार का जन्म 02 जुलाई 1975 से पहले और 01 जुलाई 1990 के बाद का नहीं होना चाहिए।

सैलरी और चयन प्रक्रिया

इस पद पर चयनित उम्मीदवारों को लेवल-13 के अनुसार 1,31,400 रुपये से 2,04,700 रुपये प्रति माह वेतन मिलेगा। उम्मीदवारों का चयन परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर होगा।

आवेदन शुल्क

सामान्य/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग/ओबीसी उम्मीदवारों को 125 रुपये आवेदन शुल्क देना होगा। एससी/एसटी उम्मीदवारों के लिए 65 रुपये और दिव्यांगजन के लिए 25 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है।

ऐसे करें आवेदन

सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट uppsc.up.nic.in पर जाएं।

होमपेज पर 'यूपी प्राविधिक शिक्षा (अध्यापन) सेवा परीक्षा 2025' से संबंधित लिंक पर क्लिक करें।

नया पेज खुलने पर रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरें और आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें।

आवेदन शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करें।

फॉर्म पूरा भरने के बाद सबमिट करें और एक प्रिंटआउट सुरक्षित रख लें।

सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड में भर्ती के लिए तुरंत करें आवेदन

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने विभिन्न पदों पर कुल 69 भर्तियों के लिए आवेदन मांगे हैं। जो उम्मीदवार पर्यावरण और प्रदूषण नियंत्रण से जुड़ी सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं, उनके लिए यह सुनहरा अवसर है। आवेदन की प्रक्रिया ऑनलाइन चल रही है, लेकिन ध्यान रहे कि इसकी अंतिम तिथि अब नजदीक है। इच्छुक उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे बिना देर किए जल्द से जल्द आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें। योग्य अभ्यर्थी अंतिम तिथि 28 अप्रैल 2025 से पहले आधिकारिक वेबसाइट cpcb.nic.in आवेदन कर सकते है। अंतिम तिथि के बाद आवेदन पत्र स्वीकार नहीं होंगे।

रिक्त पदों का विवरण

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) में विभिन्न पदों पर कुल 69 रिक्तियों के लिए भर्ती निकाली गई है, जिनमें साइंटिस्ट 'B', डाटा एंट्री ऑपरेटर, जूनियर लैब असिस्टेंट, अकाउंट्स असिस्टेंट, टेक्निकल सुपरवाइजर, जूनियर साइंटिफिक असिस्टेंट, लोअर डिवीजन क्लर्क (LDC) और मल्टी-टास्किंग स्टाफ (MTS) जैसे पद शामिल हैं।

पात्रता मानदंड

इस भर्ती के तहत विभिन्न पदों के लिए अलग-अलग शैक्षणिक योग्यताएं निर्धारित की गई हैं। तकनीकी पदों के लिए अभ्यर्थियों के पास संबंधित विषय में डिप्लोमा या इंजीनियरिंग डिग्री होना आवश्यक है। वहीं, प्रशासनिक या सहायक पदों के लिए किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। कुछ पदों के लिए 12वीं पास उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं। विस्तृत जानकारी के लिए आधिकारिक अधिसूचना जरूर पढ़ें।

इन पदों के लिए न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष है जबकि अधिकतम आयु सीमा आमतौर पर 27 से 35 वर्ष के बीच है, जो पद के अनुसार अलग-अलग हो सकती है। आरक्षित वर्गों (SC/ST/OBC/PwD) को सरकार के नियमों के अनुसार आयु में छूट प्रदान की जाएगी। आयु की गणना के लिए संदर्भ तिथि अधिसूचना में दी गई है।

वेतन-चयन प्रक्रिया

चयनित उम्मीदवारों को पद के मुताबिक 18,000 से 1,77,500 रुपये तक सैलरी दी जाएगी। इस भर्ती में चयन चार चरणों में होगा। पहला लिखित परीक्षा, दूसरा स्किल टेस्ट, तीसरा डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन और चौथा चरण मेडिकल एग्जामिनेशन के जरिए अभ्यर्थियों को चयनित किया जाएगा।

इतना लगेगा आवेदन शुल्क : जनरल, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस वर्ग के उम्मीदवारों के लिए आवेदन शुल्क 500 रुपये निर्धारित किया गया है। जबकि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग और सभी वर्गों की महिला अभ्यर्थियों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। आवेदन शुल्क का भुगतान केवल ऑनलाइन माध्यम से जैसे डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड या नेट बैंकिंग के जरिए किया जा सकता है।

आनंद महिंद्रा का ऐलान: झोली में आएगी ट्रक और बस बनाने वाली कंपनी

555 करोड़ रुपये में हुआ सौदा

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। आनंद महिंद्रा की कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा (एम एंड एम) ने शनिवार को एक बड़ा ऐलान किया। कंपनी अब कमर्शियल ट्रक और बस बनाने वाली कंपनी एसएमएल इसुजु लिमिटेड (एसएमएल) में बड़ी हिस्सेदारी खरीदने जा रही है। महिंद्रा एंड महिंद्रा एसएमएल में 58.96% हिस्सेदारी 555 करोड़ रुपये में खरीदेगी। महिंद्रा एंड महिंद्रा एसएमएल के प्रमोटरों में से एक सुमितोमो कॉर्पोरेशन से 63.62 लाख शेयर खरीदेगी। ये शेयर 650 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से खरीदे जाएंगे। इस डील की कुल कीमत 413.55 करोड़ रुपये होगी। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में यह जानकारी दी है। इससे एसएमएल में एम एंड एम की हिस्सेदारी करीब 43.96% हो जाएगी। इसके अलावा, आनंद महिंद्रा की कंपनी इसुजु मोटर्स से भी 21.70 लाख शेयर खरीदेगी। ये एसएमएल की इक्विटी का 15% हिस्सा होगा। यह सौदा करीब 141.10 करोड़ रुपये का है। इसमें भी शेयर की कीमत

650 रुपये प्रति शेयर ही रहेगी।

कंपनी की पकड़ होगी मजबूत

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने बताया कि इस अधिग्रहण से उन्हें 3.5 टन से ज्यादा के सीवी (कमर्शियल व्हीकल) सेगमेंट में मजबूत पकड़ बनाने में मदद मिलेगी। अभी इस सेगमेंट में एम एंड एम की बाजार हिस्सेदारी सिर्फ 3% है। जबकि लाइट कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में उनकी बाजार हिस्सेदारी 52% है। एम एंड एम के ट्रक और बस डिविजन ने पिछले कुछ सालों में अच्छी तरक्की की है। इस अधिग्रहण से उनकी बाजार हिस्सेदारी दोगुनी होकर 6% हो जाएगी। कंपनी का लक्ष्य है कि फाइनेंशियल ईयर 2031 तक इसे 10 से 12% और फाइनेंशियल ईयर 2036 तक 20% से ज्यादा किया जाए।

सीईओ ने बताया मील का पत्थर

महिंद्रा ग्रुप के ग्रुप सीईओ और एमडी डॉ. अनीश शाह ने कहा कि यह अधिग्रहण कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।उन्होंने कहा कि एसएमएल इसुजु का अधिग्रहण महिंद्रा ग्रुप के उभरते व्यवसायों में 5 गुना वृद्धि हासिल करने के दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। कंपनी उन व्यवसायों में पैसा लगा रही है जिनमें आगे बढ़ने की बहुत संभावना है और जो अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।वहीं महिंद्रा एंड महिंद्रा के ऑटो और फार्म सेक्टर के कार्यकारी निदेशक और सीईओ राजेश जेजुरिकर ने कहा कि इस डील से कमर्शियल व्हीकल मार्केट में महिंद्रा की स्थिति और मजबूत होगी। इस डील से महिंद्रा को कमर्शियल गाड़ियों के बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने, काम को बेहतर तरीके से करने और ज्यादा गाड़ियां बनाने में मदद मिलेगी।

भारत लगाएगा पाकिस्तान की 'लंका'

कुछ नहीं कर पाएगा चीन, शांत रहेगा अमेरिका!

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम के आतंकी घटना के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध काफी खराब हो गए हैं। दोनों के देशों के बीच युद्ध के आसार पैदा हो गए हैं। जहां भारत ने सिंधु जल संधि को सस्पेंड कर दिया है। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान ने भारत की फ्लाइट्स के लिए एयर स्पेस देने से इनकार कर दिया है। दोनों देशों ने सीमा पर अपनी फोर्स को बढ़ा दिया है। सीमा पार से जो आवजें आ रही हैं। उससे लग रहा है कि जैसे कि पाकिस्तान को चीन का पूरा सपोर्ट है। वहीं दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूट्रल कार्ड खेलते हुए कहा है कि अमेरिका के लिए भारत और पाकिस्तान दोनों करीबी हैं। अब सबसे बड़ा सवाल ये है कि अगर दोनों देशों के बीच युद्ध हो ही जाता है तो अमेरिका **और चीन का स्टैंड क्या होगा?**

ये सवाल ऐसे समय पर और भी अहम हो जाता है, जब अमेरिकी टैरिफ का खौफ पूरी दुनिया में खासकर चीन पर मंडरा हुआ है। वहीं दूसरी ओर चीन और अमेरिका दोनों को भारत के मार्केट की जरुरत है। भारत का दोनों देशों के साथ बाइलेटरल ट्रेड 100 अरब डॉलर से ज्यादा है। जहां चीन से भारत का ट्रेड डेफिसिट में है। वहीं अमेरिका के साथ ट्रेड सरप्लस में है। ऐसे में दोनों ही देशों को भारत की जरुरत है। ऐसे में भारत-पाक युद्ध के दौरान चीन और अमेरिका भारत के साथ अपने संबंधों को खराब करने की भूल नहीं करेंगे। वो भी तब जब दोनों ही देश अपने कारोबार को भारत में बढ़ाना चाहते हैं। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर भारत का अमेरिका और चीन के साथ किस तरह का ट्रेड देखने को मिलता है।

ड्रैगन नहीं लेगा रिस्क

भारत और पाकिस्तान के बीच के पंगे में ड्रैगन कभी खुलकर सामने नहीं आएगा। साथ ही पाकिस्तान को उस तरह से सपोर्ट भी नहीं करेगा, जिससे भारत को नुकसान हो। उसका प्रमुख कारण भी है और वो ये कि भारत और चीन के बीच बाइलेटरल ट्रेड 100 अरब डॉलर से ज्यादा है। आंकड़ों को देखें तो वित्त वर्ष 2025 में दोनों देशों के बीच दोतरफा कारोबार 127.7 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा। जबकि वित्त वर्ष 2024 में ये कारोबार 118.4 बिलियन अमरीकी डॉलर था।पिछले वित्त वर्ष में, चीन को भारत का निर्यात 14.5 फीसदी घटकर 14.25 बिलियन अमरीकी डॉलर रह गया, जबकि 2023-24 में यह 16.66 बिलियन अमरीकी डॉलर था। हालांकि, इंपोर्ट 2024-25 में 11.52 फीसदी बढ़कर 113.45 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 101.73 बिलियन अमरीकी डॉलर था। पिछले वित्त वर्ष में चीन के साथ व्यापार घाटा लगभग 17 प्रतिशत बढ़कर 99.2 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया है, जो 2023-24 में 85.07 बिलियन अमरीकी डॉलर था। मौजूदा समय में चीन भारत का दूसरा सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है।

चीन को करना है भारत में विस्तार

वहीं दूसरी ओर गलवान मुठभेड़ के बाद भले ही दोनों देशों के बीच के ट्रेड में इजाफा देखने को मिला हो, लेकिन चीनी निवेश में बड़ी गिरावट या यूं कहें कि ना के बराबर हो गई थी। जब से अमेरिकी टैरिफ लागू हुआ है, तब से चीन की हालत काफी खराब हो गई है। अमेरिकी ने चीन पर मोटा टैरिफ लगा दिया है। ऐसे में चीन की नजर एक बार फिर से भारत के बाजार पर है। चीन अब भारत में निवेश करने के लिए भारत की हर शर्त मानने को तैयार है। भारत का साफ कहना है कि चीन की कंपनियां भारत में कोई भी ज्वाइंट वेंचर करेगी, उसमें चीनी फर्म का स्टेक माइनोरिटी होगा। जिसे चीनी कंपनियों ने मान लिया है। साथ ही भारत ने और भी कई शर्तें लागू की हैं। ऐसे में भारत और पाकिस्तान के बीच चल रही कूटनितिक लड़ाई में चीन बीच में नहीं आएगा।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी पाकिस्तान जा रहा भारतीय सामान

कंपनियों का तरीका जानकर हैरान हो जाएंगे

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। हाल ही में कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्तों की खटास और गहरा गई है। दोनों देशों ने कई कड़े कदम उठाए हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार भी लगभग बंद हो चुका है। वहीं एक डेटा बताता है कि आतंकी हमले के बाद भी भारत की चीजें बिकने के लिए पाकिस्तान जा रही हैं। पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के अनुसार, भारत से पाकिस्तान को 10 अरब डॉलर से ज्यादा के सामान तीसरे रास्तों से भेजे जाते हैं। जीटीआरआई ने बताया कि पहलगाम हमले के बाद कारोबारियों ने भारत से पाकिस्तान सामान भेजने के लिए दुबई, सिंगापुर और कोलंबो के बंदरगाहों का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। ऐसा वे व्यापार पर लगी रोक से बचने के लिए कर रहे हैं।

क्या है रिपोर्ट में?

जीटीआरआई की रिपोर्ट में बताया गया है कि इन रास्तों से भारतीय सामान पाकिस्तान में व्यापार की बाधाओं के बावजूद पहुंच रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'जीटीआरआई का अनुमान है कि भारत हर साल 10 अरब डॉलर से ज्यादा का सामान पाकिस्तान को इस रास्ते से भेजता है।' इसका मतलब है कि बहुत सारा व्यापार सीधे तौर पर न होकर, घूम फिर कर हो रहा है।

इन बॉन्डेड वेयरहाउस में सामान पर लगे लेबल और कागजात बदल दिए जाते हैं। उदाहरण के लिए, भारत में बने सामान को

'मेड इन यूएई' का लेबल लगा दिया जाता है। इसके बाद, इन सामानों को पाकिस्तान भेजा जाता है, जहां भारत के साथ सीधा व्यापार करना मना है।

नजरों से बच जाती हैं कंपनियां

इस तरीके से कंपनियां भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापार पर लगी रोक से बच जाती हैं। वे अपने सामान को तीसरे रास्ते से ज्यादा कीमत पर बेचती हैं और किसी की नजर में भी नहीं आतीं, क्योंकि ऐसा लगता है कि व्यापार किसी और देश से हो रहा है। उदाहरण के लिए, एक कंपनी भारत से दुबई को 1,00,000 डॉलर के ऑटो पार्ट्स भेजती है। फिर, लेबल बदलकर उन्हें यूएई का बता दिया जाता है। इसके बाद, इन सामानों को पाकिस्तान में 1,30,000 डॉलर में बेचा जा सकता है। बढ़ी हुई कीमत में स्टोरेज, कागजात और उस बाजार तक पहुंचने का खर्च शामिल होता है जो अन्यथा बंद है।

क्या कानूनी है यह तरीका?

रिपोर्ट में कहा गया है, हालांकि यह ट्रांसशिपमेंट मॉडल पूरी तरह से गैरकानूनी नहीं है, लेकिन यह कानून के दायरे में थोड़ा संदिग्ध है। यह दिखाता है कि कैसे कंपनियां व्यापार को बनाए रखने के लिए नए तरीके खोजती हैं।

बेटों ने चुकाया बाप का कर्ज, अब कितनी हो गई अनिल अंबानी की नेटवर्थ

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। एक समय अपने शानदार कारोबार और लाइफस्टाइल के लिए मशहूर रहे अनिल अंबानी की किस्मत ने हाल के वर्षों में कई मोड़ देखे। अरबपतियों की लिस्ट में टॉप पर रहने वाले अनिल अंबानी की संपत्ति भारी कर्ज के कारण गिर गई थी। लेकिन अब 2025 में उनके जीवन में एक नया चैप्टर जुड़ गया है, क्योंकि उनके बेटों ने उनके कारोबार को संभालते हुए बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

अनिल अंबानी के बेटों ने बाप कर्ज उतारा और फिर से मालामाल बना दिया है। आइए जानते हैं अब कितनी हो गई है अनिल अंबानी की नेटवर्थ? रिपोर्ट्स के मुताबिक, अनिल अंबानी की रिलायंस पावर और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने अपने ऊपर का भारी कर्ज लगभग खत्म कर दिया है। दोनों कंपनियों ने कर्जमुक्त होकर बाजार में एक नई ऊर्जा के साथ वापसी की है। दोनों का संयुक्त मार्केट कैप अब करीब 11,100 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। यह उपलब्धि अनिल अंबानी के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है, जो कुछ साल पहले खुद को "शून्य नेटवर्थ" वाला व्यक्ति बता चुके थे। रिलायंस पावर ने अपना सारा बकाया कर्ज चुका दिया है और अब पूरी तरह से डेब्ट-फ्री कंपनी बन गई है। इसके अलावा, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने भी अपने कर्ज को काफी हद तक घटा लिया है और भविष्य में इसे पूरी तरह खत्म करने की दिशा में काम कर रही है। अनिल अंबानी के बेटे अनमोल अंबानी और अनशुल अंबानी ने इस बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दोनों युवा बिजनेसमैन अब अपने पिता के कारोबार को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की तैयारी में हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि कर्जमुक्त होने के बाद इन कंपनियों को निवेशकों का भरोसा दोबारा मिल सकता है, जिससे उनकी बाजार वैल्यू में और तेजी देखने को मिल सकती है। इसके अलावा, इन कंपनियों के पास अब विकास और विस्तार के लिए अधिक अवसर उपलब्ध होंगे।कुल मिलाकर, अनिल अंबानी का वित्तीय पुनरुत्थान उनके परिवार और खासकर उनके बेटों की रणनीति और मेहनत का परिणाम है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
सूर्योदय - 05-56
सूर्यास्त - 18-31
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	मेष	मे
चंद्र-	मेष	मे
मंगल	कर्क	मे
बुध-	मीन	मे
गुरु-	वृष	मे
शुक्र-	मीन	मे
शनि-	मीन	मे
राहु-	मीन	मे
केतु-	कन्या	मे

लग्नारंभ समय		
मेष---	05-08	बजे
वृष---	06-52	बजे
मिथुन..	08-53	बजे
कर्क---	11-05	बजे
सिंह---	13-17	बजे
कन्या--	15-24	बजे
तुला----	17-29	बजे
वृश्चिक--	19-40	बजे
धनु......	21-54	बजे
मकर...	23-59	बजे
कुंभ....	01-49	बजे
मीन....	03-28	बजे

दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा 21-11 तक उपरान्त द्वितीया
मास - वैशाख शुक्ल , सोमवार 28 April
नक्षत्र - भरणी 21-37 तक उपरान्त कृत्तिका
योग - आयुष्मान 20-02 तक उप सौभाग्य
करण- किस्तुघ्न 11-05 तक उप बव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - पाराशर ऋषि ज. मतांतरे

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:28 से 09:03 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05:56 - 07:28	शुभ	चंचल	18:31 - 19:59	शुभ
काल	07:28 - 09:03	अशुभ	रोग	19:59 - 21:24	अशुभ
शुभ	09:03 - 10:39	शुभ	काल	21:24 - 22:49	अशुभ
रोग।	10:39 - 12:14	अशुभ	लाभ	22:49 - 00:13	शुभ
उत्पात	12:14 - 13:49	अशुभ	उत्पात	00:13 - 01:38	अशुभ
चंचल	13:49 - 15:24	शुभ	शुभ	01:38 - 27:03	शुभ
लाभ	15:24 - 16:59	शुभ	अमृत	03:03 - 04:28	शुभ
अमृत	16:59 - 18:31	शुभ	चंचल	04:28 - 05:56	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
जिन परियोजनाओं पर आप लम्बे समय से लग्न के साथ कार्य कर रहे थे , इस मोड़ पर आप उन्हें सार्वजनिक कर सकते है, और इस तरह से आप अपनी शैली में मंच पर आगे की और शान से रुख कर सकते है । आपके काम की विशिष्टता आपको सम्मान दिलाएगी जब यह सबके सामने आएगी , हालांकि गोपनीयता बना कर रखना समय की मांग है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आप एक शांतिपूर्ण मानसिक स्थिति में हैं और आज अपने काम पर ध्यान केंद्रित करना आसान रहेगा । आज अपने करियर के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्णय लेने में आप सक्षम होंगे , लेकिन अपने वरिष्ठ अधिकारियों से समर्थन की कमी की वजह से आप थोड़ा पीछे हटने को मजबूर होंगे इसलिए आप उन्हें मनाने के लिए प्रयास करें ताकि सब अच्छी तरह से पूर्ण हो और आप ख्याति एवं धन प्राप्ति की तरफ अग्रसर हो ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज आपके मालिक केवल वे सुनेगे जो वे सुनना चाहते हैं और यह स्थिति स्वतंत्र रूप से अपने आप को व्यक्त करने से आपको रोकती है। आपके सहयोगियों ने ऐसी स्थितियों में बहुत अच्छी तरह से आप का समर्थन किया है और ये समय उन लोगों से प्राप्त हुई मदद की सराहना करने का समय है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपकी वित्तीय नियोजन और कड़ी मेहनत ने रंग दिखाया है । जो लोग पहले आप पर शक करते थे और आपके निर्णय से सहमत नहीं होते थे , वे आपके तर्क और दूरदर्शिता की आपकी शक्तियों से प्रभावित होंगे । वित्तीय सफलता की इस अवधि का आप आनंद लें । आज आप विलासिता से संभंधित वस्तुओ पर व्यय कर सकते है , जो आप लम्बे समय से करना चाह रहे थे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आपको अपना कठोर और मजाकिया दृष्टिकोण को बदलने की जरूरत है, बेहतर होगा कि आप लोगों की भावनाओं से सम्बन्ध स्थापित करे और साथ ही साथ ये जानने की भी कोशिश करे कि वे क्या चाहते हैं और कौन सा रास्ता उन्होंने अपनाया है ! ध्यान देने योग्य बात ये है की आपको समझना होगा की चीज़े कैसे कार्य कर रही है बजाय की आप अपना तरीका अपने सहकर्मियों पर थोपे

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
नए और अलग अलग कार्य करने के अवसर आज आपके रास्ते में आएंगे । आज नए ग्राहक और विभिन परियोजनाए आपके पास आ सकती है और कुछ में तो इतनी संभावना होगी की वो आपकी सपनो की या महत्वपूर्ण परियोजना बन सकती है । इस अवसर का फायदा उठाने के लिए, आपको आज अतिरिक्त मेहनत करनी होगी, और आप इसे करते हुए आनंद को महसूस करेंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आप किसी भी कार्य को अच्छी तरह से करने में बहुत गर्व महसूस करते है। यह अब आपके वरिष्ठ अधिकारियों के ध्यान में आएगा । कुछ अतिरिक्त जिम्मेदारी भी आपको दी जा सकती है जो की आपके करियर की प्रगति के लिए नए दरवाजे और आयाम खोलेगी । आय में भी वृद्धि की संभावना है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपके प्रतियोगी आपको नीचा दिखाने की कोशिश करेंगे , लेकिन आपकी विस्फोटक आत्मविश्वास की भावना आपको अपराजेय रखेगी । इस समय आप अपना विनम्र स्वाभाव बंद करे ताकि कोई आपका अनुचित लाभ न ले । आपको कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है जिसका इंतजार आप लम्बे समय से कर रहे थे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
लघु लेकिन बार बार की बाधाओं से आपके काम काज की राह में रोड़ा पैदा होगा और आप समय सीमा के भीतर अपनी परियोजनाओं को पूरा करने में असमर्थ महसूस करेंगे । ये बाधा व्यर्थ की होगी लेकिन इन से पार पाना या इनकी गणना करना मुश्किल होगा , हालाँकि क्रोध और चिड़ने से समस्या का हल नहीं निकलेगा ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज का दिन उनके लिए उपयुक्त है जो की रचनात्मक कार्य से जुड़े हुए है । आपके सुझाव आपको नये अनुबंध दिलाएंगे जिससे आपकी बैंक में जमा राशि में विस्तार होगा । कलाकार , संगीतज्ञ , फिल्म निर्माता , फोटोग्राफर एवं लेखक अपने अपने कार्य क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे और जो लोग अन्य क्षेत्रो में हैं अगर वह अपने काम में कुछ नवीनता या कुछ रचनात्मकता लाएं तो वो भी आगे बढ़ सकते है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आपका भाग्य आपके वित्तीय उपक्रम को पूरा समर्थन दे रहा है एवं आपकी नौकरी भी काफी अच्छी है परन्तु आपको अपने धन पर ध्यान रखने की जरुरत है जैसे की हम सब जानते है की पैसे पेड पर नहीं उगते है। आपके अपव्यय करने की आदत से आपको अपने निकट के व्यक्तियों से आलोचना सुननी पड़ती है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आप सक्रिय हैं और आज आपकी सक्रिय प्रकृति आपको शीर्ष पर रखेगी । आप सभी गतिविधियों के केंद्र पर हैं । आप बहुत अच्छा कर रहे हैं। बस अपनी गति को बनाए रखने और आगे बढ़ते रहे । अब भी लक्ष्य को हासिल करने के लिए बहुत कुछ है। आप अपने कार्य क्षेत्र को व्ययवस्थित रखें और समय-समय पर अपने दस्तावेजों को देखते रहे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

न रिलायंस, न इंफोसिस... पिछले हफ्ते कमाई में टाटा की इस कंपनी ने मारी बाजी, कितना बढ़ गया मार्केट कैप?

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। शेयर मार्केट में पिछला हफ्ता काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा। सेंसेक्स 659.33 अंक या 0.83 प्रतिशत ऊपर गया। वहीं एनएसई निफ्टी में भी 187.7 अंक या 0.78 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। मार्केट में आई इस तेजी के कारण देश की टॉप मूल्यवान कंपनियों की भी खूब कमाई हुई। हालांकि सबसे ज्यादा कमाई में टाटा की कंपनी रही, जिसने रिलायंस और इंफोसिस जैसी कंपनियों को भी पीछे छोड़ दिया।

पिछले हफ्ते, भारत की टॉप-10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह का मार्केट वैल्यूएशन 1,18,626.24 करोड़ रुपये बढ़ गया। इसमें टाटा ग्रुप की कंपनी टीसीएस सबसे आगे रही यानी टीसीएस का मार्केट कैप सबसे ज्यादा बढ़ा। यह 53,692.42 करोड़ रुपये बढ़कर 12,47,281.40 करोड़ रुपये हो गया।

बाकी कंपनियों का क्या हाल?

पिछले हफ्ते कमाई में रिलायंस इंडस्ट्रीज भी पीछे नहीं रही। उसने 34,507.55 करोड़ रुपये जोड़े। अब उसकी कुल वैल्यूएशन 17,59,276.14 करोड़ रुपये है। रिलायंस इंडस्ट्रीज अभी भी सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है।

इंफोसिस ने भी 24,919.58 करोड़ रुपये कमाए। अब उसका मार्केट कैप 6,14,766.06 करोड़ रुपये हो गया है।

एचडीएफसी बैंक का वैल्यूएशन भी 2,907.85 करोड़ रुपये बढ़कर 14,61,842.17 करोड़ रुपये हो गया।

एसबीआई ने कितनी की कमाई?

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) को 1,472.57 करोड़ रुपये का फायदा हुआ। इससे

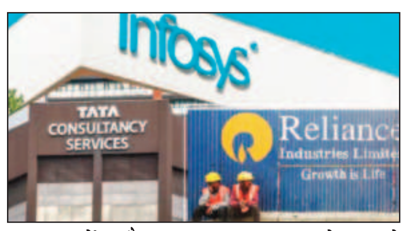

उसका मार्केट वैल्यू 7,12,854.03 करोड़ रुपये हो गया। आईटीसी आईटीसी का मार्केट कैपिटलाइजेशन भी 1,126.27 करोड़ रुपये बढ़कर 5,35,792.04 करोड़ रुपये हो गया।

कुछ को नुकसान भी हुआ

ऐसा नहीं है कि पिछले हफ्ते देश की टॉप कंपनियों को फायदा ही हुआ। कुछ को नुकसान भी झेलना पड़ा। भारती एयरटेल का वैल्यूएशन सबसे ज्यादा गिरा। यह 41,967.5 करोड़ रुपये घटकर 10,35,274.24 करोड़ रुपये हो गया। वहीं हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप भी 10,114.99 करोड़ रुपये गिरकर 5,47,830.70 करोड़ रुपये पर आ गया।बजाज फाइनेंस को 1,863.83 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। अब यह 5,66,197.30 करोड़ रुपये पर है। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक को भी 1,130.07 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ और यह 10,00,818.79 करोड़ रुपये पर आ गया।

रिलायंस पहले नंबर पर

सबसे मूल्यवान कंपनियों की लिस्ट में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले नंबर पर है। उसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का नंबर आता है।

भारत ने 17 करोड़ लोगों को गरीबी से निकाला

10 साल में गरीबी दर 14% घटी; वर्ल्ड बैंक ने हालिया रिपोर्ट में बताया

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। वर्ल्ड बैंक ने अपनी 'पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ' रिपोर्ट में बताया कि भारत बीते एक दशक में गरीबी को कम करने में सफल रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक- भारत ने 2011-12 से 2022-23 के बीच बेहद गरीबी में रह रहे 17.1 करोड़ लोगों को बाहर निकाला। गरीबी यानी प्रतिदिन लगभग 172 रुपए से कम पर जीवन यापन करने वाले लोगों की संख्या 2011-12 में 16.2% से घटकर 2022-23 में 2.3% रह गई। इससे 17.1 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, गांवों में अत्यंत गरीबी 18.4% से घटकर 2.8% पर आ गई, जबकि शहरी क्षेत्र में यह 10.7% से घटकर 1.1% पर रही। ग्रामीण-शहरी अंतर 7.7% से घटकर 1.7% पर आ गया। यह सालाना 16% की गिरावट है।

भारत लो-मिडिल इनकम देशों में शामिल हुआ

गरीबी के आंकड़ों में गिरावट के बाद भारत अब लो-मिडिल इनकम

देशों की कैटेगरी में आ गया है। यहां प्रतिदिन लगभग 292 रुपए से कम कमाने वालों को लोअर-मिडिल क्लास पॉवर्टी में माना जाता है। इस आधार पर 2011-12 में 61.8% लोग गरीबी में थे, वहीं 2022-23 में यह घटकर 28.1% रह गई। इस दौरान 37.8 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकलने में सफल रहे।

एमपी-बिहार सहित 5 राज्यों में सबसे ज्यादा गरीबी

वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, 2021-22 में भारत में अत्यंत गरीबी में रहने वाले लोगों में पांच सबसे अधिक आबादी वाले राज्यों उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, बंगाल और मध्य प्रदेश की 65% हिस्सेदारी थी। वहीं 2022-23 तक अत्यंत गरीबी में आई कमी में इनका योगदान दो-तिहाई रहा। हालांकि, इसके बावजूद इन राज्यों का अब भी भारत के अत्यंत गरीबी में रहने वाले लोगों का 54% (2022-23) और बहुआयामी यानी विभिन्न स्तरों पर गरीब लोगों (2019-21) का 51% हिस्सा है। आईएमएफ के बाद अब वर्ल्ड बैंक ने भी वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था के ग्रोथ रेट को घटा दिया है। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक वित्तवर्ष 26 में जीडीपी 6.3% की दर से बढ़ेगी। इससे पहले अक्टूबर 2024 में ये ग्रोथ रेट 6.7% बताई गई थी।

वर्ल्ड बैंक ने कहा कि निर्यात पर व्यापार नीतियों में बदलाव से ग्लोबल ग्रोथ स्लो होने का दबाव है। निजी निवेश पर मौद्रिक नीति के पॉजिटिव इम्पैक्ट को ग्लोबल आर्थिक कमजोरी और नीतिगत अनिश्चितता कम कर देगी।

पीएनबी की जिस शाखा में हुआ अरबों का घोटाला

अब वहां ऑर्गेनिक कॉफी का मजा ले रहे लोग

मुंबई, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई में पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की ब्रैडी हाउस शाखा एक समय देश के सबसे बड़े बैंक घोटालों में से एक की वजह से पूरे देश में चर्चा में रही थी, अब वहां लोग आराम से बैठकर ऑर्गेनिक कॉफी का आनंद ले रहे हैं। दरअसल पीएनबी की यह शाखा अब एक कैफे में बदल चुकी है, जहां लोग आरामदायक सोफों पर बैठकर कॉफी का आनंद लेते हैं। बैकग्राउंड में बज रहा हल्का संगीत माहौल को और खुशनुमा बना देता है।

13 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का है पीएनबी घोटाला

गौरतलब है कि पीएनबी की ब्रैडी हाउस शाखा में ही 13 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का घोटाला हुआ था। डायमंड कारोबारी नीरव मोदी और मेहुल चोकसी ने कथित तौर पर साल 2011 से लेकर 2017 तक पीएनबी बैंक की शाखा से एलओयू और एफएलसी का इस्तेमाल कर 13 हजार करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की। धोखाधड़ी के बाद नीरव मोदी और मेहुल चोकसी दोनों देश छोड़कर फरार हो गए। मेहुल चोकसी को दो हफ्ते पहले ही बेल्जियम में गिरफ्तार

किया गया है। वहीं नीरव मोदी को अप्रैल 2019 में लंदन में गिरफ्तार किया गया था। नीरव मोदी तब से ही लंदन की जेल में बंद है और उसे भारत लाने की कोशिश हो रही है।

घोटाले के चलते चर्चा में रही थी ब्रैडी हाउस शाखा

घोटाले का पता जनवरी 2018 में चला, जब पीएनबी ने रिजर्व बैंक के समक्ष रिपोर्ट पेश की और सीबीआई ने इस मामले में मुकदमा दर्ज किया। घोटाले के चलते ब्रैडी हाउस शाखा काफी चर्चा में रही थी। कुछ साल पहले इस शाखा को सर पीएम रोड स्थित पीएनबी हाउस में शिफ्ट कर दिया गया था। वहीं ब्रैडी हाउस में ऑर्गेनिक कॉफी हाउस खुल गया है। पीएनबी के पास भी यह परिसर किराए पर था। अब यह परिसर बिजनेस बैठकों के लिए प्रसिद्ध हो गया है।

नक्सलियों की गुफा मिली

जिसमें छिप सकते हैं एक हजार नक्सली

बीजापुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। बीजापुर जिले के उसूर थाना क्षेत्र के करेंगुट्टा की पहाड़ी में नक्सलियों के खिलाफ पिछले पांच दिनों से चल रहे अब तक के सबसे बड़े ऑपरेशन कगार में शामिल जवान नक्सलियों के एक ठिकाने तक पहुंच गए है। जवान जिस गुफा में पहुंचे हैं। उसके अंदर एक बड़ा सा मैदान और पानी मिला है। बीजापुर और तेलंगाना की सीमा पर स्थित करेंगट्टा की पहाड़ियों में नक्सलियों के खिलाफ सबसे बड़े ऑपरेशन में जवानों को सफलता मिली है। सर्चिंग के दौरान एक गुफा मिली है, जहां एक साथ एक हजार से ज्यादा लोग आराम से रह सकते हैं।

पांच दिनों की मशक्कत और 45 डिग्री की भीषण गर्मी के बीच जवान नक्सलियों के एक ठिकाने तक पहुंचने में सफल हो गए हैं। जवान जिस गुफा तक पहुंचे है। वहां का एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में गुफा के अंदर जवान पहुंचे हुए है। काफी अंधेरा है। टार्च की रौशनी से जवान धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे है। कुछ जवान आपस मे बात करते हुए कहे रहे हैं कि यहां एक बड़ा सा मैदान है और अंदर पानी भी है। वीडियो में नक्सलियों के मौजूदगी के निशान दिखाई दे रहे हैं। इससे साफ समझा जा सकता है कि नक्सली यहां मौजूद थे और जवानों के पहुंचने से पहले नक्सलियों ने अपना ठिकाना बदल दिया।

गुफा के भीतर जवानों का तलाशी अभियान चल रहा है। मौके पर नक्सलियों की भले ही मौजूदगी नहीं मिली पर यह साफ हो गया कि यहां नक्सली सुरक्षित ठिकाना बनाकर रह रहे थे।

भीषण गर्मी और 45 डिग्री तापमान के बीच पांच दिनों के कड़ी मशक्कत के बाद आखिर जवान नक्सलियों के एक ठिकाने तक पहुंचने में कामयाब हो गए। हालांकि जवानों के वहां पहुंचने से पहले ही नक्सलियों ने अपना ठिकाना बदल दिया था।

इस गुफा के अंदर पानी से लेकर आराम करने लायक वातावरण है। ऑक्सीजन की भी कमी नहीं है। गुफा के अंदर ही एक बहुत बड़ा मैदान भी मौजूद है। ऑपरेशन के दौरान जवानों की और से खोजी गई नक्सलियों की इस गुफा की तस्वीरें और वीडियो मीडिया पर वायरल हो रही है। अमर उजाला इस वीडियो के सत्यता की पुष्टि नहीं करता है।

दावा किया जा रहा था कि नक्सली गुफा के अंदर मौजूद थे। यहां सवाल यह उठता है कि जब यहां काफी संख्या में नक्सली मौजूद थे तो आखिर वे गए कहां? आशंका है कि पहाड़ के अंदर और भी कई गुफा हो सकते हैं। जिसके रास्ते नक्सली निकले हो।

हमें जानकारी नहीं; डीआईजी कमलोचन कश्यप

इस मामले में दक्षिण बस्तर यानी दंतेवाड़ा के डीआईजी कमलोचन कश्यप ने अमर उजाला से फोन पर बातचीत में कहा कि हमें इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। इस मामले में हम कुछ नहीं कह सकते हैं। मौके पर नक्सल ऑपरेशन जारी है।

पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ित परिवारों की मदद को आगे आए इरफान अंसारी

शहीदों के परिवारों को चार महीने का वेतन सौंपेंगे

रांची, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने पहलगाम हादसे में मृतकों के परिजनों को अपना चार माह का वेतन प्रदान करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि यह मेरा फर्ज है। परिवारों के दुख में उनके साथ खड़ा हूं। शहीदों का बलिदान अमूल्य है। परिवारों के साथ मेरी पूरी संवेदनाएं हैं।

उन्होंने कहा कि आतंकी हमला केवल एक हादसा नहीं, बल्कि केंद्र सरकार की सुरक्षा व्यवस्था की घोर लापरवाही का सबूत है। इस कायराना हमले में 26 मासूम और निर्दोष लोगों की जान गई।

तत्काल जारी करेंगे सहायता राशि

यह हमला सुरक्षा चूक का खुला सबूत है। आतंकियों ने हिट-एंड-रन की रणनीति अपनाई। इरफान अंसारी ने सवाल उठाया कि आखिर केंद्र और खुफिया तंत्र बार-बार क्यों नाकाम हो रहा है? मृतकों के परिजनों को चार माह के वेतन की तत्काल सहायता राशि जारी करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि हादसे में पीड़ित परिवारों के लिए यह काफी कम है, क्योंकि उनपर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। यह शर्मनाक है कि इस दुख की घड़ी में गोड्डा के भाजपा सांसद निशिकांत दुबे जश्न के मूड में दिखे। वे कश्मीर में वीवीआईपी सुरक्षा के बीच अपने शादी की सालगिरह के शाही जश्न की फोटो शेयर कर रहे थे।

यह संवेदनहीनता उन परिवारों के जख्मों पर तमाचा है, जिन्होंने अपनों को खोया। उन्हें लोगों से माफी मांगना चाहिए। जम्मू-कश्मीर के लोगों ने वहां फंसे लोगों के लिए मानवीयता के साथ काम किया, लेकिन इस आपदा की घड़ी में हवाई सेवा कंपनियों ने मनमाने तरीके से भाड़ा वसूला।

यह भी केंद्र सरकार और नागरिक उड्डयन मंत्रालय की लापरवाही है। यह होना चाहिए था कि लोगों को निकालने के लिए केंद्र सरकार विशेष विमानों का परिचालन करती।

मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विपरीत परिस्थितियों में राज्य के लोगों को अन्य राज्यों और देशों से लाने के लिए हवाई सेवा एयर लिफ्ट से लेकर विशेष रेल सेवा तक का उपयोग किया है, लेकिन केंद्र ने हवाई सेवा कंपनियों को लूट की पूरी छूट दे दी। यह मानवता के प्रति अपराध है।

उन्होंने कहा कि यह समय खोखले वादों का नहीं, ठोस कदम उठाने का है। दोषियों के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई कर पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने की दिशा में केंद्र सरकार काम करे।

बाबूलाल मरांडी का सीएम हेमंत सोरेन पर आरोप

कहा- आतंकवाद के खिलाफ ठोस कदम नहीं उठा रही सरकार

रांची, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। वरिष्ठ भाजपा नेता और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार पर आतंकवाद के खिलाफ ठोस कदम नहीं उठाने का आरोप लगाया है। बाबूलाल मरांडी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्ट लिखा है। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा है "पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पूरा देश एकजुट होकर इस्लामिक आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहा है. केंद्र और राज्य सरकारें कंधे से कंधा मिलाकर आतंकवाद के सफाये के लिए प्रतिबद्ध हैं.

भाजपा नेता का आरोप है कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सभी मुख्यमंत्रियों से अपने-अपने राज्यों में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान कर उन्हें देश से बाहर करने का निर्देश दिया था. लेकिन झारखंड में हेमंत सरकार आतंकवाद के विरुद्ध ठोस कदम उठाने के प्रति गंभीर नजर नहीं आ रही है. इसके विपरीत, झामुमो के मंत्री और प्रवक्ता गैर-जिम्मेदाराना और संवेदनहीन बयान दे रहे हैं.

सीएम से कहा आतंकियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करें सुनिश्चित

नेता प्रतिपक्ष आगे लिखते हैं कि सीएम हेमंत सोरेन को राजनीति करने के लिए कई अवसर मिलेंगे, लेकिन इस कठिन समय में साढ़े तीन करोड़ झारखंडवासियों की भावनाओं का सम्मान करते हुए राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ राज्य में आतंकियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित कीजिए.

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया. आतंकियों ने बैसरन घाटी में घूमने गए 26 निर्दोष पर्यटकों की गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी थी. आतंकियों ने पर्यटकों से उनका धर्म पूछकर उन्हें गोली मारी थी. इस घटना में कई परिवार तबाह हो गए. आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने आतंकियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई शुरू कर दी है. सेना और सुरक्षा एजेंसियों की ओर से लगातार सर्च ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं.

कांटाटोली में कपड़े की दुकान में लगी भयंकर आग, एक की मौत

रांची, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। कांटाटोली चौक के पास एक कपड़े की दुकान में आज रविवार की सुबह अचानक भीषण आग लग गयी. इस अगलगी की घटना में एक बुजुर्ग की मौत की खबर सामने आ रही है. दुकान में लगी आग इतनी भीषण थी कि आसमान में काले धुएं का गुब्बार छा गया. आसपास अफरा-तफरी का माहौल हो गया.

राजधानी रांची के कांटाटोली चौक के पास एक कपड़े की दुकान में आज रविवार की सुबह अचानक भीषण आग लग गयी. स्थानीय लोगों ने दुकान से धुआं निकलता देखा तब घटना की जानकारी हुई. आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया. आसपास के लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन आग इतनी भीषण थी की वे आग बुझाने में असफल रहें. घटना की सुचना पाकर अग्निशामक की कई गाडियां मौके पर पहुंची. इस अगलगी की घटना में एक बुजुर्ग की मौत की खबर सामने आ रही है।

शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

दुकान में लगी आग इतनी भीषण थी कि आसमान में काले धुएं का गुब्बार छा गया. आसपास अफरा-तफरी का माहौल हो गया. फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है. हालांकि आसपास के लोग शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जता रहें हैं. अग्निशामक की कई गाडियां और पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंची है.

छत्तीसगढ़ के पहले जुरासिक रॉक गार्डन का हुआ शुभारंभ

मनेंद्रगढ़ में बना है देश का सबसे अनूठा फॉसिल पार्क

मनेंद्रगढ़, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। 26 अप्रैल को स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जयसवाल ने मनेंद्रगढ़ वनमंडल में स्थित गोंडवाना मरीन फॉसिल पार्क का उद्घाटन किया। छत्तीसगढ़ का मरीन फॉसिल पार्क एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में उभर रहा है। यहां काफी पुराने समुद्री जीवाश्म मिले है। भारत में ऐसे जीवाश्म केवल चार अन्य स्थानों - सुबांसुरी (अरुणाचल प्रदेश), राजहरा (झारखंड), दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल) और खेमगांव (सिक्किम) में पाए जाते हैं। गोंडवाना फॉसिल पार्क इन सभी में सबसे बड़ा और पुराना है।

मनेंद्रगढ़ का मरीन फॉसिल पार्क इसलिए विशेष है क्योंकि यह एशिया महाद्वीप का सबसे बड़ा समुद्री जीवाश्म पार्क है। यह जीवाश्म हसदेव नदी के किनारे लगभग 1 किमी के क्षेत्र में फैला हुआ है। इसे राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक स्मारक का दर्जा भी प्राप्त है। इसकी खोज 1954 में भूवैज्ञानिक एसके घोष ने कोयला खनन के दौरान की थी। यहां से द्विपटली (बायवेल्व) जीव, गैस्ट्रोपोड्स, ब्रैकियोपॉड, क्रिनॉइड और ब्रायोजोआ जैसे प्राचीन समुद्री जीवों के जीवाश्म मिले हैं। इसके चलते यह देशभर के शोधार्थी और पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इसकी पुष्टि 2015 में बीरबल साहनी इंस्टिट्यूट ऑफ़ पैलेंटोलॉजी, लखनऊ के द्वारा भी की गई है।

वैज्ञानिकों के अनुसार, यह क्षेत्र पर्मियन युग के समय समुद्र में डूबा हुआ था, ग्लेशियरों के पिघलने से समुद्र का जलस्तर बढ़ा, जिससे समुद्री जीव चट्टानों में दब गए और लाखों वर्षों में जीवाश्म के रूप में बदल गए, जो बाद में जलस्तर घटने से उभरकर उपर आ गए।यह पार्क गोंडवाना महाद्वीप के भूगर्भीय इतिहास को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है।ये फॉसिल्स उन समुद्री जीवों के अवशेष हैं जो करोड़ों वर्ष पहले यहां मौजूद समुद्र में रहते थे। प्राकृतिक परिवर्तन और पृथ्वी के पुनर्निर्माण के दौरान, समुद्र के पीछे हटने से ये जीव पत्थरों के बीच दब गए।

पांच साल पहले तक यह क्षेत्र बिना संरक्षण के खाली पड़ा हुआ था। वन विभाग से इसके संरक्षण की पहल हुई। मनेंद्रगढ़ डीएफओ मनीष कश्यप (आईएफएस 2015 बैच) ने यहां पर्यटन की दृष्टि से अलग-अलग कार्य किए है, जो सम्भवतः देश के किसी दूसरे फॉसिल पार्क में नहीं हुआ है। इस क्षेत्र को गुजरात और झारखंड के डायनासोर फॉसिल पार्क के रूप में एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया गया।

निवेश के नए अवसरों के लिए तैयार है झारखंड

स्पेन और स्वीडन के निवेशकों को दिया न्योता

रांची, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में स्पेन और स्वीडन के दौरे पर गये राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने निवेशकों को खनन क्षेत्र में विशेषकर खनिज उपकरण निर्माण और खनिज ब्लाक की नीलामी में निवेश का न्योता दिया।

इस दौरान खान सचिव अरवा राजकमल और खान निदेशक राहुल कुमार सिन्हा ने निवेशकों के समक्ष पीपीटी के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल में गए अधिकारियों के माध्यम से बताया गया कि झारखंड देश के उन राज्यों में से एक है, जो प्राकृतिक खनिज संपदा से समृद्ध है।

यह राज्य भारत के कुल खनिज संसाधनों का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा समेटे हुए है। खनिज उत्पादन के क्षेत्र में देश में पांचवें स्थान पर मौजूद झारखंड की खनिज संपदा भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करती है।

राज्य कोयला, लोहा, तांबा, बाक्साइट, चूना पत्थर, डोलोमाइट, क्वाट्र्जाइट, मैंगनीज, यूरेनियम, चाइना क्ले, ग्रेफाइट, सोपस्टोन, फायर क्ले, फास्फोराइट, एपेटाइट, क्वाट्र्ज, फेल्डस्पार, सोना और पाइरोक्सीनाइट जैसे अनेक बहुमूल्य खनिजों से परिपूर्ण है। झारखंड को कोकिंग कोल का एकमात्र उत्पादक होने का गौरव प्राप्त है।

इसके अलावा राज्य देश में कोयला भंडार में दूसरा, लौह अयस्क में दूसरा, तांबा अयस्क में तीसरा और बाक्साइट में सातवां स्थान रखता है। इन सभी तथ्यों से यह स्पष्ट होता है कि झारखंड देश के खनिज मानचित्र में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

विभिन्न क्षेत्रों में खनिज संसाधनों का प्रचुर भंडार

झारखंड के विभिन्न प्रमंडलों में खनिज संसाधनों का प्रचुर भंडार उपलब्ध है। राज्य के कई जिलों में खनिजों का व्यापक भंडार मौजूद है, जिससे राज्य को न केवल खनिज उत्पादन में बढ़त मिलती है, बल्कि उद्योगों के लिए भी बड़े अवसर उपलब्ध होते हैं।

खनन उपकरण निर्माण में निवेश के अवसर

अधिकारियों ने जानकारी दी कि खनन क्षेत्र के विकास के साथ खनन उपकरण निर्माण में भी झारखंड में अपार संभावनाएं हैं। ड्रिलिंग रिंग, आर्टिकुलेटिंग ट्रक, बुलडोजर, ड्रैगलाइन, ड्रिल मशीन, हाल ट्रक, लोडर, मोटर ग्रेडर और एक्सकेवेटर जैसे खनन अन्वेषण वाहनों और उपकरणों का निर्माण एक बड़ा उद्योग क्षेत्र बन सकता है।

इसके अलावा खनिज प्रसंस्करण एवं शुद्धिकरण उपकरण जैसे कि ग्राइंडिंग इक्विपमेंट, मैग्नेटिक सेपरेटर, थिकनर, क्लैरिफायर आदि के निर्माण में भी निवेश के सुनहरे अवसर हैं। वाहन उपकरणों के निर्माण के साथ-साथ परिवहन साधनों जैसे कि कन्वेयर बेल्ट, मोटर स्क्रैपर आदि के निर्माण में भी अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

निवेश के लिए अनुकूल वातावरण

प्रतिनिधिमंडल की ओर से निवेशकों को बताया गया कि झारखंड एशिया के सबसे बड़े ऑटोमोबाइल निर्माण क्लस्टरों में से एक है। राज्य की सरकार ने निवेश को आकर्षित करने के लिए कई आकर्षक प्रोत्साहन योजनाएं लागू की हैं। बड़ी परियोजनाओं और एमएसएमई के लिए विशेष रियायतें दी जा रही हैं।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने झारखंड इंटीग्रेटेड माइंस एंड मिनरल्स मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया है, जिससे खनन कार्यों का डिजिटलीकरण और पारदर्शिता सुनिश्चित हो रही है।

दूसरी ओर, राज्य सरकार खनिज ब्लाकों की नीलामी के माध्यम से निवेशकों को आकर्षित कर रही है। यहां खनिज अन्वेषण में भी अनेक तैयार अवसर मौजूद हैं।

छात्रों को नमाज पढ़ने के लिए किया मजबूर

यूनिवर्सिटी के सात शिक्षकों समेत आठ के खिलाफ केस दर्ज

बिलासपुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में एनएसएस शिविर के दौरान कुछ छात्रों को नमाज अदा करने के लिए मजबूर करने के आरोप में गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी के एनएसएस प्रभारी और सात प्रोफेसर के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है।

कोतवाली सीएसपी अक्षय सभाद्रा ने बताया कि बिलासपुर के गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी के द्वारा सात दिवसीय एनएसएस शिविर 26 मार्च से 1 अप्रैल तक ग्राम शिवतराई कोटा में आयोजित किया गया था। आरोप है कि उस शिविर में 31 मार्च को टीम प्रभारी व अन्य लोगों के द्वारा कुछ छात्रों को नमाज अदा करने के लिए मजबूर किया गया।

इस पर छात्रों ने घटना के लिखित शिकायत कोनी थाने में की थी। जिसके बाद हिंदू सामाजिक व छात्र संगठन के द्वारा कार्रवाई की मांग को लेकर विश्वविद्यालय में जमकर हंगामा मचाया गया था। एसएसपी रजनेश सिंह के निर्देश पर कोनी पुलिस ने छात्रों की रिपोर्ट पर जांच में जुट गई थी। जिसके बाद अब पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज गया है।

8 साल के बच्चे के गले को पकड़कर ले जा रहा था तेंदुआ

बड़े भाई ने लड़कर बचाई जान

कांकेर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले से लगभग 30 किमी दूर दुधावा में इन दिनों तेंदुए का आतंक बना हुआ है। दिसम्बर 2024 से अब तक चार बच्चों को तेंदुए ने अपना शिकार बना डाला है, जिसमें से एक बच्चे की मौत हो गई है। वहीं एक बच्चा विकलांग हो गया है। शुक्रवार बीती रात भी एक आठ वर्षीय बच्चे पर तेंदुए ने हमला कर बुरी तरीके से घायल कर दिया। बच्चा आंगन में खेल रहा था उसी दौरान तेंदुए ने हमला किया और उसके गले को पकड़ कर खींचकर ले जाने लगा लेकिन इसी दौरान बच्चे के बड़े भाई ने साहस का परिचय दिया और तेंदुए के निवाले में फंसे बच्चे को बचा डाला।

ग्रामीण नंदलाल मंडावी ने बताया कि शाम सात बजे गांव का 8 वर्षिक बच्चा घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान अचानक तेंदुआ आ धमका और सीधा बच्चे के गले को पकड़ कर अपने साथ ले जाने लगा। इसी दौरान पास में मौजूद उसके बड़े भाई ने घटना को देख जोर-जोर से चिल्लाने लगा। अपने भाई के पैर को पकड़ लिया और अपनी ओर खींचने लगा तेंदुआ बच्चे को वहीं छोड़कर भाग गया। लकेश्वर मरकाम ने बताया कि छोटा भाई खेल रहा था अचानक तेंदुए ने हमला कर दिया। अगर मैं नहीं खींचता तो छोड़ा भाई को तेंदुआ पकड़कर ले जाता और मार डालता।

साइबर ठगी के 11 लाख रुपये को थाईलैंड व चाइना भेजने वाले सीए समेत तीन गिरफ्तार

रायपुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। साइबर क्राइम से से ठगे गए 11 लाख रुपये को थाईलैंड और चाइना भेजने के मामले में रायपुर पुलिस ने चार्टर्ड अकाउंटेंड, कूटरचित दस्तावेज तैयार करने वाले के साथ ही मुख्य सरगना को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से दस्तावेज, फर्जी आधार कार्ड, कंप्यूटर, स्कैनर, प्रिंटर, मोबाइल आदि बरामद किया है।

आईजी अमरेश मिश्रा ने रेंज साइबर थाना को साइबर अपराधों में शामिल मुख्य आरोपितों के विरुद्ध तकनीकी साक्ष्य एकत्र कर गिरफ्तारी की कार्रवाई जारी रखने को कहा है। पुलिस के मुताबिक शेयर ट्रेडिंग में मुनाफा का झांसे देकर डॉ.प्रकाश गुप्ता से 11 लाख रुपये की ठगी हुई थी। शिकायत पर आमानाका पुलिस थाने में केस दर्ज किया। इसकी जांच रेंज साइबर थाना को सौंपी गई थी। विवेचना के दौरान पूर्व में दिल्ली निवासी आरोपित पवन सिंह, गगनदीप शर्मा, राजवीर सिंह, संदीप रात्रा गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

इसके बाद ऑपरेशन साइबर शील्ड अंतर्गत कार्रवाई करते हुए टीम ने तकनीकी विश्लेषण कर मुख्य आरोपितों की पहचान की। साथ ही टीम को दिल्ली रवाना किया। पुलिस ने दिल्ली में तीन अलग-अलग स्थानों में छापे की कार्रवाई की। इस दौरान प्रकरण से संबंधित दस्तावेज, फर्जी आधार कार्ड, कंप्यूटर, स्कैनर, प्रिंटर के साथ साइबर अपराध से अर्जित की गई रकम से खरीदे गए मकान, फ्लैट की जानकारी मिली।

पुलिस की गिरफ्त में आए 11/07 शालीमार बाग, थाना शालीमार बाग वेस्ट दिल्ली के 29 वर्षीय हिमांशु तनेजा,वी-01,वेस्ट दिल्ली, वर्तमान पता मकान नंबर आरजेडबी 153, डाबरी एक्सटेंशन ईस्ट दिल्ली के 37 वर्षीय गणेश कुमार और हाउस नंबर 57, डेयरी बसंत कुंज, मसुदपुर, साउथ वेस्ट दिल्ली निवासी 26 वर्षीय अंकुश कुमार से पूछताछ में कई राज खुले।

पिस्टल के दम पर हिंदू युवती को दूसरे समुदाय के युवक ने किया अगवा

क्षेत्र में भारी तनाव

सरायकेला, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। नीमडीह के झीमड़ी में एक मुस्लिम युवक एक हिन्दू युवती का अपहरण कर लिया, जिसके कारण क्षेत्र में दो समुदायों के बीच तनाव की स्थिति बन गई थी।

पुलिस ने मोर्चा संभाल कर गांव में शांति स्थापित की। क्षेत्र में रैपिड एक्शन फोर्स (रैफ) और जिला पुलिस की तैनाती की गई है। पुलिस ने नीमडीह थाना क्षेत्र के झीमड़ी में चप्पे-चप्पे पर पुलिस फोर्स को तैनात किया है, ताकि परिंदा भी पर नहीं मार सके। झीमड़ी का माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया है। क्षेत्र की सभी दुकानें बंद है। झीमड़ी रेलवे स्टेशन सहित चारों ओर सन्नाटा पसरा है। पुलिस ने आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लिया है, जिससे पूछताछ की जा रही है।

तीन दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस युवती को बरामद नहीं कर पाई है और न ही आरोपित युवक मो तस्लीम की लोकेशन ट्रेस कर पाई है। हालांकि, पुलिस तस्लीम के मोबाइल नंबर को ट्रेस कर रही है। पुलिस की सख्ती के बाद झीमड़ी का माहौल शांत है। पुलिस व जिला प्रशासन ने मिल कर मोर्चा संभाला है। जिला प्रशासन ने गांव में 15 मजिस्ट्रेट तैनात कर दिए हैं।

अंतिम संस्कार का खर्च बचाने के लिए शख्स ने की अजीब हरकत

पिता के शव के साथ 2 साल तक किया ये काम

टोक्यो, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। जापान में एक शख्स ने वो कर डाला जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। यहां 56 साल के एक व्यक्ति ने जनवरी 2023 में अपने पिता की मृत्यु के बाद अंतिम संस्कार के खर्च से बचने के लिए उनके शव को दो साल तक अपने घर की अलमारी में छिपाकर रखा। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, नोबुहिको सुज़ुक की हरकतें तब सामने आईं जब टोक्यो में उनका चीनी रेस्तरां एक सप्ताह तक बंद रहा, जिससे पड़ोसियों में चिंता पैदा हो गई और फिर उन्होंने पुलिस से संपर्क किया। जब पुलिस उसके घर गई, तो उन्हें अलमारी में उसके पिता का कंकाल मिला। पुलिस ने नोबुहिको सुज़ुक से पूछताछ की तो उसने बताया कि जनवरी 2023 में 86 वर्ष की आयु में उसके पिता का निधन हुआ था। पिता का निधन होने के बाद उसने उनके शव को छिपा दिया था। हालांकि, पिता की मौत को लेकर भी अब सवाल उठ रहे हैं लेकिन सुजुक ने दावा किया कि उस दिन जब वह काम से घर लौटा तो उसे अपने पिता का बेजान शव मिला था। शव को छिपाने के बारे में बताते हुए नोबुहिको ने कहा, अंतिम संस्कार बहुत महंगा था। पुलिस के अनुसार, सुजुक को शुरू में अपने किए पर अपराधबोध हुआ, हालांकि, बाद में उसे राहत मिली। सुजुक को गिरफ्तार कर लिया गया है और अब उसके पिता की पेंशन हड़पने के आरोप में उसकी जांच की जा रही है।

उत्तर कोरिया के इस कदम से सकते में दुनिया

अब समंदर में उतारा 5000 टन का जंगी जहाज

प्योंगयांग, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया ने एक नए युद्धपोत को समंदर में उतारा है। इस युद्धपोत के बारे में दावा किया जा रहा है कि यह विध्वंसक है और बेहद शक्तिशाली हथियारों से लैस है। इस युद्धपोत के लॉन्च समारोह में खुद किम जोंग उन भी मौजूद थे। लॉन्च समारोह में किम जोंग उन ने अमेरिका और उसके सहयोगियों को कड़ी चेतावनी दी। किम ने कहा कि अगर पश्चिमी शक्तियां अपनी सैन्य दबाव की रणनीति को जारी रखती हैं तो उत्तर कोरिया भी अपनी प्रतिरोधक क्षमताओं को और अधिक मजबूत करने के लिए बाध्य होगा।

'परमाणु मिसाइलों से लैस होने की संभावना'

प्योंगयांग की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार, इस युद्धपोत का नाम जापान विरोधी क्रांतिकारी लड़ाकू चो ह्योन के सम्मान में रखा गया है। यह 5,000 टन का विध्वंसक श्रेणी का जहाज है, जिसे बनाने में एक साल से अधिक समय लगा है। युद्धपोत के आकार को देखते हुए, विशेषज्ञों का मानना है कि यह जहाज जहाज से सतह और जहाज से हवा में मार करने वाली मिसाइलों को ले जा सकता है। विशेषज्ञ आउटलेट एनके न्यूज ने बताया कि यह छोटी दूरी की सामरिक परमाणु मिसाइलों से लैस होने की संभावना है।

किम ने क्या कहा?

लॉन्चिंग समारोह में दिए गए अपने भाषण में किम जोंग उन ने इस युद्धपोत को उत्तर कोरियाई नौसेना के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। किम ने इस बात पर भी जोर दिया कि यह युद्धपोत ना केवल उत्तर कोरिया की समुद्री सीमाओं की रक्षा करेगा, बल्कि उसे दूर समुद्रों में भी अपनी शक्ति का प्रदर्शन करने में सक्षम बनाएगा। उत्तर कोरिया ने अपने नए विध्वंसक युद्धपोत को समंदर में ऐसे समय पर उतारा है जब कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव बढ़ा हुआ है। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन का मिसाइल प्रेम तो जगजाहिर है लेकिन अब उनकी समंदर में बढ़ती ताकत से दुनिया सकते में है। नए युद्धपोत के शामिल होने से कोरियाई क्षेत्र में शक्ति का संतुलन बिगड़ सकता है। अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए नई चुनौतियां भी पैदा हो सकती हैं। किम जोंग उन का आक्रामक बयान और उत्तर कोरिया की बढ़ती सैन्य क्षमता निश्चित रूप से पश्चिमी देशों के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है।

झेलम नदी में अचानक आई बाढ़, इमरजेंसी घोषित

इस्लामाबाद, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने अचानक झेलम नदी में पानी छोड़ दिया है जिससे तटवर्ती इलाकों में झेलम का पानी भरने के बाद पाकिस्तान ने मुजफ्फराबाद में आपातकाल घोषित कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट में पाकिस्तान ने भारत पर आरोप लगाया गया है कि अधिकारियों को खबर दिए बिना अचानक झेलम नदी में पानी छोड़ दिया गया है जिससे मुजफ्फराबाद के पास जल स्तर में अचानक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। स्थानीय प्रशासन ने हट्टियन बाला में इमरजेंसी घोषित की है और मस्जिदों में ऐलान करते हुए स्थानीय लोगों को चेतावनी भी दी गई। पानी उत्तरी कश्मीर के बारामुल्ला जिले से घुसा और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के चकोठी इलाके से होकर ऊपर उठ रहा है। पाकिस्तान के गुलाम जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने मुजफ्फराबाद और उसके साथ सटे इलाकों में बाढ़ के खतरे की चेतावनी देते लोगों को नदी की धारा से दूर रहने की चेतावनी दी गई है। बताया जा रहा है कि मुजफ्फराबाद और चकोटी इलाके में बड़ी संख्या में लोग पुलों पर जमा होकर नदी में आई बाढ़ को देख रहे हैं। भारत के श्रीनगर और बारामुला की तरह ही पाकिस्तान में झेलम मुजफ्फराबाद शहर से ही गुजरती है।

कराची में धारा 144 लागू: किस हमले से बचने की तैयारी कर रहा है पाकिस्तान?

कराची, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम में आतंकी हमले के 5 दिन बीत जाने के बाद भी पाकिस्तान को किसी बड़े हमले का डर सता रहा है। यह डर उसके एक्शन में भी दिख रहा है। एक तरफ जहां पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर कराची में धारा-144 लागू कर दिया गया है। वहीं दूसरी तरफ इस्लामाबाद में बड़ी-बड़ी बैठकों का दौर जारी है। अकेले पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार हर दिन 2-3 बैठक कर रहे हैं। बैठक करने के लिए डार ने बांग्लादेश की यात्रा को रद्द कर दिया है। वहीं प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ असीम मुनीर की भी अलग-अलग बैठकें हो रही है।

कराची में धारा-144 लागू

कराची के पुलिस कमिश्नर ने शहर में 144 लागू कर दिया है। पुलिस कमिश्नर का कहना है कि अगले 3 महीने के लिए इसे लागू किया गया है। पुलिस कमिश्नर का कहना है कि कराची में लोग घरों से बाहर कम निकलें। सुरक्षा के मद्देनजर यह फैसला किया गया है। कराची पुलिस के मुताबिक शहरों के भीड़ को कम करने के लिए धारा-144 लागू किया गया है। कराची को पाकिस्तान का वित्तीय राजधानी कहा जाता है। यहीं से पूरे पाकिस्तान का बाजार नियंत्रित होता है।

मुस्लिम देशों को साध रहा

पाकिस्तान मुस्लिम देशों को साधने में लगा है। इसी कड़ी में पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने सऊदी अरब, कतर, ईरान और तुर्की के विदेश मंत्रियों से बात की है। पाकिस्तान ने सभी देशों से कहा है कि भारत से बात करके स्थिति को सामान्य करिए। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो का कहना है कि भारत बात भी नहीं कर रहा है। हम संदेश भेज रहे हैं उसके बाद भी हमें कोई रिप्लाई नहीं मिल रहा है। पाकिस्तान ने अमेरिका और ईरान जैसे देशों से सीधे हस्तक्षेप करने की मांग की है। पाकिस्तान का कहना है कि भारत अगर नहीं मानता है तो स्थिति बिगड़ जाएगी।

उरी-पुलवामा के 10 दिन बाद भारत ने किया था स्ट्राइक

भारत ने 2016 में उरी हमले के 11 दिन बाद और पुलवामा हमले के 12 दिन बाद पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक किया था। ऐसे में पाकिस्तान को डर है कि भारत फिर से 10 दिन बाद कोई बड़ी कार्रवाई कर सकता है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाने की कसम खाई है। पाकिस्तान को इसी का डर सता रहा है।

तैरने के प्रयास में गंगा में डूबा हरियाणा का बैंककर्मी युवक, चार दोस्तों के साथ आया था घूमने

ऋषिकेश, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। ऋषिकेश में देर रात हरियाणा का एक युवक गंगा में डूब गया। युवक दोस्तों के साथ ऋषिकेश घूमने आया था। एसडीआरएफ युवक की तलाश में जुटी है। जानकारी के अनुसार, युवक प्रदीप (34) पुत्र सतबीर सिंह ग्राम कनोह, थाना अग्रोहा, जिला हिसार हरियाणा अपने चार दोस्तों के साथ ऋषिकेश घूमने आया था। देर रात सभी दोस्त लक्ष्मणझूला के पास गौ घाट पर घूम रहे थे। इस दौरान प्रदीप गंगा में तैरने लगा, लेकिन तेज बहाव के कारण वह अपना संतुलत खो बैठा और गहरी पानी में डूब गया। लोगों ने घटना की सूचना एसडीआरएफ को दी। टीम ने युवक की तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। वहीं, सुबह से युवक की तलाश की जा रही है।

आखिर आजकल क्यों आते हैं इतने भूकंप? अमेरिकी रिपोर्ट में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

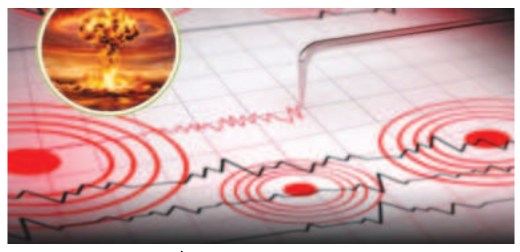

वाशिंगटन, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। वाशिंगटन से आई एक चौंकाने वाली रिपोर्ट ने वैश्विक सुरक्षा के क्षेत्र में नई चिंता खड़ी कर दी है। लॉस एलामोस नेशनल लेबोरेटरी के भूकंप वैज्ञानिकों ने एक रिसर्च स्टडी में दावा किया है कि कुछ भूकंप वास्तव में सीक्रेट न्यूक्लियर टेस्ट भी हो सकते हैं। यह रिसर्च जोशुआ कारमाइकल के नेतृत्व में की गई। इसे अमेरिका के सीस्मोलॉजिकल सोसायटी के बुलेटिन में प्रकाशित किया गया है। स्टडी के अनुसार, भूकंप से लगने वाले झटकों और सीक्रेट न्यूक्लियर ब्लास्ट के झटकों के बीच अंतर करना मुश्किल है। वैज्ञानिकों का कहना है कि भले ही तकनीक ने काफी प्रगति कर ली है, फिर भी जब भूकंप और परमाणु विस्फोट एक साथ होते हैं या उनके संकेत मिल जाते हैं तो सबसे आधुनिक डिजिटल डिटेक्शन तकनीक भी सही पहचान नहीं कर पाती। रिसर्च में उत्तर कोरिया का उदाहरण प्रमुख रूप से दिया गया है। पिछले 20 साल में उत्तर कोरिया ने छह परमाणु परीक्षण किए हैं। परीक्षण स्थलों के आसपास भूकंप निगरानी उपकरणों की संख्या बढ़ने के बाद यह देखा गया कि इन क्षेत्रों में लगातार छोटे-छोटे भूकंप आते रहे हैं। इससे यह स्पष्ट हुआ कि परमाणु परीक्षण और भूकंप के संकेत एक-दूसरे में इतने अधिक घुल सकते हैं कि अंतर कर पाना कठिन हो जाता है। जोशुआ कारमाइकल और उनकी टीम ने इस मुद्दे को सुलझाने के लिए पी-तरंगों और एस-तरंगों के रेसियो का विश्लेषण किया। उन्होंने एक तकनीक विकसित की, जो 1.7 टन के गुप्त दबे हुए विस्फोट का 97 प्रतिशत सटीक पता लगा सकती है। लेकिन जब भूकंप के झटके और विस्फोट की शॉकवेव 100 सेकंड के भीतर और 250 किलोमीटर के दायरे में आती है तो इसी तकनीक की सटीकता घटकर मात्र 37 प्रतिशत रह जाती है। इस शोध का सबसे बड़ा नतीजा यह है कि जब भूकंप के झटके और परमाणु परीक्षण के झटके एक साथ मिलते हैं तो सबसे अच्छे सिग्नल डिटेक्टर भी धोखा खा सकते हैं। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि जिन क्षेत्रों में अक्सर भूकंप आते हैं वहां गुप्त परमाणु परीक्षण करना और उन्हें छिपाना पहले से कहीं अधिक आसान हो जाएगा।

ह्यूस्टन में लोगों ने दी पहलगाम के मृतकों को श्रद्धांजलि, भारत से कड़े कदम उठाने की अपील

ह्यूस्टन, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम हमले की दुनियाभर में निंदा हो रही है। ह्यूस्टन में सैकड़ों भारतीय अमेरिकियों ने पहलगाम हमले के मृतकों को श्रद्धांजलि दी। साथ ही भारत से ऐसे हमलों को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की अपील की। उत्तरी अमेरिका के अन्य शहरों में भी मृतकों की आत्मशांति के लिए प्रार्थना की गई। ह्यूस्टन के सुगरलैंड मेमोरियल पार्क में प्रार्थना सभा की शुरुआत भारत और अमेरिका के राष्ट्रगान से हुई। इसके बाद एक हिंदू पुजारी ने दिवंगत आत्माओं के लिए प्रार्थना की। वहीं छोटे बच्चों और बुजुर्गों की भीड़ ने मौन रखा। कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों ने शोक मनाने के लिए सफेद रंग के कपड़े पहने हुए थे। लोग निर्दोषों की हत्या बंद करो, आतंकवाद के खिलाफ भारतीय अमेरिकी, कश्मीर पीड़ितों के लिए न्याय, और हिंदू जीवन मायने रखता है लिखी तख्तियां थामे हुए थे। इस दौरान भारत माता के जयकारे गूंजे। कार्यक्रम में एक वक्ता ने कहा कि भारत को कश्मीर से लेकर मुर्शिदाबाद तक हिंदुओं की हत्याओं को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। दूसरे वक्ता ने समुदाय से निर्दोष हिंदुओं की अमानवीय हत्याओं के खिलाफ़ एकजुट होने की अपील की। राजनीतिक टिप्पणीकार सुनंदा वशिष्ठ ने कहा कि हम पहलगाम आतंकी हमले में निर्दोष हिंदुओं की दुखद मौत पर शोक व्यक्त करते हैं। यह सिर्फ व्यक्तियों पर नहीं बल्कि मानवता, शांति और आस्था के सिद्धांतों पर हमला था। पहलगाम हमले के मृतकों की आत्म शांति के लिए उत्तरी अमेरिका में भी प्रार्थनाएं हुईं।

अमेरिका के शांति प्रस्ताव से यूक्रेनी हैरान, बोले- रूस को क्रीमिया सौंपना कतई स्वीकार नहीं करेंगे

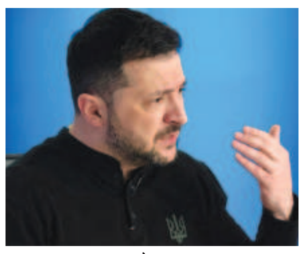

कीव, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से पेश किए गए शांति प्रस्ताव ने यूक्रेनी अधिकारियों को हैरान कर दिया। दरअसल, इस प्रस्ताव में क्रीमिया पर रूस के कब्जे को मान्यता देने की बात की गई है। इसे यूक्रेनी अधिकारी स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। उनका कहना है कि वे क्रीमिया का औपचारिक आत्मसमर्पण नहीं करेंगे, भले ही उन्हें यह क्षेत्र अस्थायी रूप से रूस को सौंपना पड़े। रूस ने 2014 में अवैध तरीके से क्रीमिया पर कब्जा कर लिया था। यूक्रेन के लिए इस क्षेत्र को छोड़ना राजनीतिक और कानूनी रूप से बहुत मुश्किल है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इसके लिए यूक्रेनी संविधान में बदलाव और राष्ट्रीय जनमत संग्रह की जरूरत होगी, जो कि संभव नहीं है। यूक्रेन सरकार और जनता इस विचार के खिलाफ है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की पार्टी के विधायक ओलेक्जेंडर मिरेजखों ने कहा, हम कभी भी क्रीमिया को रूस का हिस्सा नहीं मानेंगे। अगर यह आत्मसमर्पण स्वीकार कर लिया जाता है, तो क्रीमिया हमेशा के लिए रूस के हवाले कर दिया जाएगा और भविष्य में उसे फिर से हासिल करने की उम्मीद भी खत्म हो जाएगी। हालांकि, यूक्रेनी जनता यह मानती है कि शांति समझौते के हिस्से के रूप में कुछ क्षेत्रों को छोड़ना पड़ेगा, क्योंकि सैन्य रूप से उन्हें वापस हासिल करना संभव नहीं है। हाल के जनमत सर्वेक्षणों से यह भी पता चलता है कि जनता एक समझौते के बदले इस फैसले को स्वीकार करने के लिए तैयार है। एक इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'क्रीमिया रूस के पास रहेगा। जेलेंस्की जानते हैं और हर कोई जानता है कि यह लंबे समय से रूस के पास है।' उनका यह बयान यूक्रेन पर दबाव डालने के लिए था, ताकि वह युद्ध को खत्म करने के लिए कुछ इलाकों को छोड़ने के लिए तैयार हों। यूक्रेनी अधिकारियों को लंबे समय से यह उम्मीद थी कि शांति समझौते के तहत क्रीमिया और अन्य क्षेत्रों को रूस को सौंपना पड़ सकता है। लेकिन जेलेंस्की ने कई बार कहा है कि वह आधिकारिक रूप से किसी भी क्षेत्र को छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। ट्रंप का प्रस्ताव कहता है कि अमेरिका क्रीमिया को रूस के हिस्से के रूप में मान्यता देगा और रूस के कब्जे वाले अन्य यूक्रेनी क्षेत्र पर भी उसकी सरकार को स्वीकार करेगा। हालांकि, इस प्रस्ताव पर यूक्रेनी राष्ट्रपति की सहमति मुश्किल है, क्योंकि इसके लिए संविधान में बदलाव करना पड़ेगा, जो देशद्रोह के बराबर हो सकता है। यूक्रेनी सैनिकों का कहना है कि वे युद्ध को तब तक जारी रखेंगे जब तक सभी यूक्रेनी क्षेत्रों को मुक्त नहीं कर लिया जाता। एक सैनिक ने कहा, 'हमने इस युद्ध में अपने सबसे अच्छे लोग खो दिए हैं।

ब्रह्मपुत्र नदी का पानी रोके चीन

भारत के 'जल युद्ध' के बाद पाकिस्तानियों की अपने सदाबहार दोस्त से अपील, क्या ये संभव है?

बीजिंग, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के सिंधु जल संधि को सस्पेंड करने के बाद पाकिस्तान के लोग लगातार चीन से भारत का पानी बंद करने की मांग कर रहे हैं। पाकिस्तान के लोगों को उम्मीद है कि चीन, निश्चित भारत को सबक सिखाएगा। इसके अलावा पाकिस्तान के एक्सपर्ट्स इस तरह से इस बात को प्रोजेक्ट कर रहे हैं, कि भारत की तमाम नदियां चीन से ही निकलती हैं और चीन के पानी रोकने के बाद भारत एक एक बूंद पानी के लिए तरसेगा। भारत के सिंधु जल संधि को सस्पेंड करने पाकिस्तान पर इसका गहरा असर पड़ सकता है। हालांकि तत्काल प्रभाव की संभावना नहीं है, लेकिन अगर भारत ने पानी का डेटा शेयर करना बंद किया तो पाकिस्तान के लिए बाढ़ और सूखे का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाएगा। जिसका असर खेती पर होगा। लिहाजा बिलावल भुट्टो समेत तमाम पाकिस्तानी नेता और एक्सपर्ट भारतीयों का खून बहाने की बात कर रहे हैं। दूसरी तरफ भारत ने साफ कर दिया है कि आतंकवाद किसी भी हाल में कबूल नहीं है और पाकिस्तान का हुक्का पानी बंद कर दिया गया है। पाकिस्तान ने आतंकवाद और एक हजार कट की रणनीति का उपयोग करके भारत का खून बहाने के लिए अपने पास मौजूद सभी संसाधनों का इस्तेमाल किया है। लेकिन भारत के सब्र का बांध अब टूट चुका है। आपको बता दें कि पाकिस्तान को सिंधु नदी बेसिन के कुल संसाधनों का 80 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा दिया गया है,

हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने कहा- पदोन्नति व पात्रता तय करना राज्य सरकार का अधिकार

शिमला, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने राज्य सहकारी बैंक कर्मचारी संघ की ओर से दायर याचिका को खारिज कर दिया है। कहा कि सेवा से संबंधित योग्यता, पात्रता मानदंड और पदोन्नति के अवसरों सहित अन्य शर्तों को प्रशासनिक आवश्यकताओं के अनुसार समय-समय पर जोड़ना/घटाना या बदलना राज्य सरकार का क्षेत्राधिकार है। अदालत ने कहा कि राज्य के किसी भी कर्मचारी को यह दावा करने का कोई अधिकार नहीं है कि उसकी सेवा की शर्तों को नियंत्रित करने वाले नियम हमेशा सभी उद्देश्यों के लिए वही होने चाहिए, जब सेवा में प्रवेश किया था। न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान और न्यायाधीश सुशील कुकरेजा की खंडपीठ ने कहा कि पदोन्नति एक मौलिक अधिकार नहीं है। हालांकि, कर्मचारियों की सेवा को नियंत्रित करने वाले नियमों के संदर्भ में ही पदोन्नति पर विचार किया जा सकता है।

अदालत प्रावधानों के नियमों के खिलाफ तब तक कोई आदेश जारी नहीं कर सकती, जब तक कि यह प्रावधान असांविधानिक, मनमाने व अवैध न हों। याचिकाकर्ता राज्य सहकारी बैंक कर्मचारी संघ ने याचिका में मांग की थी कि बैंक की ओर से 21 जनवरी 2025 को जारी संशोधित अधिसूचना रद्द की जाए। बैंक के सेवारत कर्मचारी के संबंध में अधिसूचना को अगले कैडर में उनकी पदोन्नति के उद्देश्य से लागू न करने का भी निवेदन किया था। याचिकाकर्ता के अनुसार रजिस्ट्रार सहकारी समिति हिमाचल प्रदेश ने दिनांक 21 अक्तूबर 2024 के आदेश पारित किया गया था। इसके तहत एचपी राज्य सहकारी बैंक कर्मचारी (रोजगार की शर्तें और काम करने की स्थिति) नियम, 1979 के नियम 7, 19 (बी), 21, 22, 23, 33, 34 और 61 में संशोधन करने की मंजूरी दी है, जिसने कर्मचारियों के प्रति पूर्वाग्रह पैदा किया है। ऊपर से नीचे तक प्रत्येक ग्रेड में पदोन्नति के लिए विचार किए जाने के अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। खंडपीठ ने कहा कि जो व्यक्ति अभी तक कैडर का हिस्सा नहीं हैं, वे अपने प्रवेश से पहले लागू की गई नीतियों के आधार पर अधिकारों का दावा नहीं कर सकते। हिमाचल हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिए गए निर्णय का हवाला देते हुए कहा कि संशोधित करना राज्य की क्षमता के भीतर है। इसी तरह राज्य विभागों को मिलाने, वर्गीकरण, विभाजन, पुनर्गठन और पदों की विभिन्न श्रेणियों का गठन करने का हकदार है। सरकार की ओर से महाधिवक्ता अनूप रतन ने कहा कि उच्च शैक्षणिकता, योग्यता की एक उच्च डिग्री आंतरिक रूप से कुछ कौशल लाएगी और किए जा रहे काम के साथ घनिष्ठ संबंध रखेगी।

पाकिस्तानी मंत्री बोले- भारत 130 परमाणु मिसाइलों के निशाने पर ये सजावट के लिए नहीं रखीं; सिंधु का पानी रोका, तो युद्ध के लिए तैयार रहें

इस्लामाबाद, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तानी रेल मंत्री हनीफ अब्बासी ने भारत पर परमाणु बम हमले की धमकी दी। उन्होंने कहा, हमने शाहीन, घोरी और गजनवी जैसी 130 मिसाइल भारत के लिए रखी गई हैं। अगर भारत सिंधु जल संधि को रोकता है, तो हम उसकी सांसें रोक देंगे। भारत को युद्ध के लिए तैयार रहना होगा। पाकिस्तान के परमाणु हथियार सजाने के लिए नहीं रखे हैं, बल्कि देश भर में इनके ठिकाने छिपे हुए हैं। अब्बासी ने कहा कि हमने ये मिसाइलें मॉडल बनाकर नहीं रखी हैं, इनका निशाना भारत की तरफ है। ये बात भारत भी जानता है कि हमारे पास हथियार हैं, इसलिए वो हम पर हमला नहीं कर रहा है। अब्बासी ने कहा कि भारत अपनी सुरक्षा में खामियों को मानने के बजाय पहलगाम हमले का इल्जाम पाकिस्तान को दे रहा है।

सिंधू में खून बहाने वाला बयान देने वाले बिलावल भुट्टो के बदले सुर, क्यों करने लगे भारत से बातचीत की बात?

इस्लामाबाद, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से ही पाकिस्तान और भारत के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। भारत सरकार की तरफ से पाकिस्तान के खिलाफ कई कठोर कदम उठाए जा रहे हैं। दूसरी तरफ भारत की कार्रवाई से पाकिस्तान तिलमिला रहा है। यही कारण है कि लगातार बयानबाजी कर रहा है। एक दिन पहले सिंधु नदी में भारतीयों का खून बहाने की बात करने वाले बिलावल भुट्टो के तेवर बदल गए हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच, पूर्व विदेश मंत्री और पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने दोनों देशों से विवादों के समाधान के लिए बातचीत करने का बात कही है। उन्होंने भारत के बातचीत के रवैये पर दुख व्यक्त किया और कहा कि पाकिस्तान सरकार ने भी बातचीत की पेशकश की थी, लेकिन भारत ने उसे ठुकरा दिया। बिलावल ने सिंधु जल संधि पर भारत की तरफ से लिए गए एकशन की निंदा की और कहा कि पानी को रोकना अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान सरकार की तरफ से लिए गए सभी फैसलों का वह समर्थन करते हैं।

दो देशों के बीच ऐसे पानी नहीं रोका जा सकता- भुट्टो

बिलावल भुट्टो ने एक चैनल को दिए इंटरव्यू में पाकिस्तान के पानी को रोकने पर कहा कि किसी भी देश ने अतीत में पानी रोकने के लिए इतने आक्रामक निर्णय नहीं लिए हैं। जब मैं विदेश मंत्री था, तब भारत ने सिंधु जल संधि को चुनौती देने की कोशिश की थी, लेकिन वह अपने टारगेट में फेल रहे क्योंकि सिंधु जल संधि पर उनका मामला बहुत कमजोर है। भुट्टो ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार दो देशों के बीच युद्ध की स्थिति में भी पानी नहीं रोका जा सकता है। पाकिस्तान भारत की हर कार्रवाई का जवाब दे रहा है और इस समय हम सरकार के हर फैसले के साथ खड़े हैं। भारत सिंधु जल संधि को समाप्त करने का फैसला करता है, तो पाकिस्तान भी पूरी तरह से जवाब देगा।

24 घंटों में ही बदले बिलावल के तेवर

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने एक दिन पहले ही कहा था कि सिंधु नदी में या तो हमारा पानी बहेगा, या फिर उनका खून बहेगा। सिंधु दरिया हमारा है और हमारा ही रहेगा। आने वाले दिनों में भी सिंधु जल संधि में एकतरफा बदलाव की कोशिशों को नाकाम किया जाएगा। अपने बयान के 24 घंटे बाद ही बिलावल के तेवर बदल चुके हैं। अब वे दोनों देशों के बीत चीत करने की मुखालफत करते नजर आ रहे हैं।

सिंधु जल संधि और शिमला समझौता ऐसा ही रहे

पूर्व विदेश मंत्री ने कहा कि चाहे शिमला समझौता हो या सिंधु जल संधि, ये आगे भी इसी तरह बनी रहनी चाहिए। इस बात पर जोर देते हुए कि पाकिस्तान और भारत परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं, इसलिए इस मामले को आगे बढ़ने से रोकने के लिए वैश्विक स्तर पर प्रयास किए जाएंगे।

जल जीवन मिशन घोटाला मामला
महेश जोशी के बाद अब उनके बेटे रोहित से भी पूछताछ कर सकती है ईडी

जयपुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व कैबिनेट मंत्री महेश जोशी के बाद अब उनके बेटे रोहित भी ईडी की राडार पर हैं। महेश जोशी ने अपने बेटे रोहित जोशी की कंपनी में 50 लाख रुपये डाले थे। ऐसे में ईडी रोहित और उसकी कंपनी से जुड़े लोगों से भी पूछताछ की तैयारी कर रही है।

महेश जोशी ने अपने बेटे रोहित जोशी की कंपनी में 50 लाख रुपए डाले थे। इसे लेकर भी ईडी रोहित और उसकी कंपनी से जुड़े लोगों से पूछताछ कर सकती है। ईडी ने अब तक की रिमांड में महेश जोशी से कई सवाल पूछे हैं। जैसे जिन कंपनियों को फर्जी सर्टिफिकेट जारी किए गए उन्हें किस आधार पर चुना गया? क्या इन कंपनियों के संचालकों को महेश जोशी जानते थे? क्या फर्जी टेंडरों और फर्जी सर्टिफिकेट्स की जानकारी उन्हें थी, अगर थी तो उन्होंने क्या कार्रवाई की?

गौरतलब है कि राजस्थान में जल जीवन मिशन घोटाले में करीब 625 करोड़ रुपये के टेंडर में फर्जी कंप्लीशन सर्टिफिकेट्स जारी किए गए। ईडी ने इस संबंध में पहले घोटाले से जुड़ी फर्मों पर कार्रवाई की थी। इसमें महेश जोशी के करीबी माने जाने वाले संजय बड़ाया सहित कई लोगों की गिरफ्तारी हुई थी। दो दिन पहले ईडी ने महेश जोशी को भी गिरफ्तार कर लिया। ईडी ने महेश जोशी से पूछताछ के लिए कोर्ट से तीन दिन की रिमांड ली। सूत्रों का कहना है कि ईडी कोर्ट में रिमांड की अवधि तीन दिन और बढ़ाने की अर्जी दाखिल कर सकती है।

हनुमान बेनीवाल का एलान: जब तक एसआई भर्ती परीक्षा रद्द नहीं होगी तब तक जारी रहेगा आंदोलन

जयपुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने एसआई भर्ती परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर आंदोलन शुरू कर दिया है। आंदोलन की शुरुआत शहीद स्मारक पर अनिश्चितकालीन धरने के साथ हुई। आरएलपी संयोजक एवं नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने कार्यकर्ताओं के साथ जालूपुरा से शहीद स्मारक तक पैदल मार्च निकाला। कार्यकर्ताओं ने एसआइ भर्ती परीक्षा और पीटीआइ भर्ती परीक्षा रद्द करने की मांग लिखी तख्तियां लेकर नारे लगाए। कार्यकर्ताओं ने सरकार और विपक्षी दल कांग्रेस के खिलाफ भी नारे लगाए।

भाजपा- कांग्रेस पर साधा निशाना

आरएलपी संयोजक एवं नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा जयपुर से आंदोलन की शुरुआत है। राजस्थान का युवा अपने हक के लिए सड़कों पर आएगा। उन्होंने कहा जब तक एसआइ भर्ती परीक्षा रद्द नहीं होगी तब तक आंदोलन जारी रहेगा। राजस्थान लोकसेवा आयोग को रद्द करके पुनर्गठन करने की जरूरत है।

उन्होंने भाजपा सरकार के साथ कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए कहा कांग्रेस में अभी पायलट और गहलोत गुट की ही लड़ाई चल रही है।

युवा किससे मांगे न्याय

आरएलपी संयोजक एवं नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा युवाओं के सामने यह संकट है कि वे न्याय मांगने किसके पास जाएं। सरकार सुन नहीं रही और कांग्रेस नेता खुद इसमें लिप्त हैं। शाम को कार्यकर्ताओं ने कैंडल मार्च निकाला और पहलगाम में आतंकी हमले में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी।

आरएएस भर्ती 2018 एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। भर्ती में अभ्यर्थियों को गलत तरीके से नंबर जारी करने का मामला सामने आया है। अंग्रेजी विषय के प्रश्न संया 34 में एक महिला अभ्यर्थी ने उत्तर नहीं लिखा। उत्तर पुस्तिका जांच के दौरान अभ्यर्थी को शून्य नंबर दिए गए। इसके बाद भी आरपीएससी ने संशोधन कर महिला अभ्यर्थी को सात नंबर दे दिए। सांसद हनुमान बेनीवाल ने आरोप लगाया कि इससे भर्ती के परिणाम की रैंकिंग बिगड़ने के साथ सैकड़ों अभ्यर्थियों का परिणाम प्रभावित हुआ है।

उनका आरोप है कि चौथे पेपर में 200 में से 148 नंबर आए, जो अभी तक किसी के नहीं आए। प्रत्येक प्रश्न में जरूरत से अधिक नंबर दिए गए हैं। उन्होंने अभ्यर्थी को फर्जी तरीके से नंबर जारी करने का आरोप लगाया है। सांसद ने कहा है कि इस मामले की शिकायत एसओजी की जाएगी।

रावतसर-सरदारशहर मेगा हाईवे पर भीषण सड़क हादसा
जलकर खाक हुए ट्रॉले में सवार तीन लोग की मौत

हनुमानगढ़, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले के रावतसर थाना क्षेत्र में रावतसर-सरदारशहर मेगा हाईवे पर धन्नासर गांव के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। हादसे में दो ट्रॉलों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई, जिसके बाद दोनों ट्रॉलों में आग लग गई और उसमें सवार तीन लोगों की जलने से दर्दनाक मौत हो गई।

रावतसर थानाधिकारी रामचंद्र कस्वां ने बताया कि हादसे के तुरंत बाद एक तेज धमाका हुआ और दोनों वाहनों में भीषण आग फैल गई। सूचना मिलते ही रावतसर पुलिस थाना और धन्नासर पुलिस चौकी की टीमें मौके पर पहुंचीं और वहां जमा भीड़ को नियंत्रित किया।

हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों और अग्निशमन दल ने निजी टैंकरों और दमकल वाहनों की मदद से आग बुझाने की कोशिश की लेकिन क्षेत्र में चल रही तेज आंधी के कारण आग पर काबू पाने में काफी मुश्किलें आईं। बताया जा रहा है कि एक ट्रॉले में ईंट और दूसरे में बजरी भरी हुई थी।

पुलिस के अनुसार ट्रॉले में सवार तीनों लोगों के शव बुरी तरह जल गए हैं। इनमें से दो शवों की पहचान संभव नहीं हो पाई है, जबकि एक मृतक की पहचान के प्रयास जारी हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और मृतकों की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

आज होने जा रही कांग्रेस की महारैली, खड़गे आएंगे जयपुर

जयपुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। रामलीला मैदान में कल संविधान बचाओ महारैली का आयोजन होगा। जिसके लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कल जयपुर आएंगे। रामलीला मैदान में होने वाली 'संविधान बचाओ रैली' को खड़गे को संबोधित करेंगे। यह रैली कांग्रेस हाईकमान के निर्देश पर आयोजित की जा रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए जनता को जागरूक करना है।

रामलीला मैदान में होने वाली इस सभा के लिए कांग्रेस ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। पार्टी ने जयपुर और उसके आसपास के आठ जिलों – दौसा, टोंक, अजमेर, सीकर, झुंझुनूं और सवाई माधोपुर से अधिक से अधिक भीड़ जुटाने पर फोकस किया है। इसके लिए विधायकों, सांसदों,

जिलाध्यक्षों, पीसीसी संभाग प्रभारियों और जिला प्रभारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

रैली में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और अन्य वरिष्ठ नेता भी संबोधन करेंगे। कांग्रेस इस रैली के माध्यम से केंद्र की मोदी सरकार पर संविधान विरोधी नीतियों और लोकतंत्र को कमजोर करने के आरोप लगाएगी। पार्टी का कहना है कि केंद्र सरकार संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता को प्रभावित कर रही है और आम जनता के अधिकारों का हनन कर रही है।

कांग्रेस इस रैली को केवल एक राजनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए एक व्यापक आंदोलन के रूप में देख रही है। पार्टी विशेष रूप से आरक्षित वर्ग – दलित, अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को लुभाने की रणनीति पर भी काम कर रही है। इसके तहत कांग्रेस देशभर में 'संविधान बचाओ रैलियां' आयोजित करेगी, ताकि इन वर्गों के बीच अपनी राजनीतिक पकड़ को मजबूत किया जा सके।

कांग्रेस इस अभियान के जरिए न केवल भाजपा पर सीधा हमला करेगी, बल्कि आगामी चुनावों के मद्देनजर जनसमर्थन भी हासिल करने का प्रयास करेगी।

3 आरएएस अधिकारियों ने नशे में काटा बवाल!
सड़क पर थार लगाकर रोका रास्ता थाने में हेड कांस्टेबल का हाथ तोड़ा

जयपुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर में तीन एलाइड आरएएस अधिकारियों के खिलाफ कानोता पुलिस ने राजकार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि शराब के नशे में आरएएस अधिकारियों ने जमकर उत्पात मचाया। यहां तक की सड़क के बीच काले रंग की थार गाड़ी रोककर रास्ता जाम कर दिया।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों को थाने लाया गया। जहां उन्होंने कांस्टेबल पर हमला कर दिया। हमले में हेड कांस्टेबल बाबूलाल के दाहिने हाथ में फ्रैक्चर हो गया। अन्य दो कांस्टेबल के गले और हाथों पर खरोंचें और अंदरुनी चोटें आईं है।

पुलिस ने निवाई निवासी हरिराम सिंह पुत्र श्रीराम चौधरी, पीपलू निवासी जितेंद्र चौधरी पुत्र श्रद्धालाल, सकतपुरा निवासी रामावतार मीना पुत्र कैलाश चंद मीणा के खिलाफ राजकार्य में बाधा डालने, मारपीट करने, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है। थाने में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी जब्त कर ली गई है। मामले की जांच सहायक पुलिस आयुक्त बस्सी विनय कुमार डीएच को सौंपी गई है।

थानाधिकारी हिम्मत सिंह का कहना है कि पूछताछ करने पर तीनों अधिकारियों ने अपना नाम बताने से इनकार कर दिया।

स्वयं को बड़ा अधिकारी बताते हुए टेबल पर जोर-जोर से हाथ मारकर कांच तोड़ दिया। सीएल अवकाश रजिस्टर फाड़ दिया। हेड कांस्टेबल बाबूलाल, कांस्टेबल सेवा राम और कांस्टेबल महाराज सिंह पर हमला कर दिया। जिसमें हेड कांस्टेबल बाबूलाल के दाहिने हाथ में फ्रैक्चर हो गया।

कांस्टेबल ने कांग्रेस नेता को मारा थप्पड़
बवाल मचा तो केस दर्ज; एसपी बोले- होगी सख्त कार्रवाई

बारां, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के बारां जिले में एक पुलिसकर्मी ने नगरपरिषद उप सभापति व कांग्रेस नगर अध्यक्ष को थप्पड़ मार दिए। पुलिसकर्मी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। इस घटना से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में आक्रोश व्याप्त है। उप सभापति गोयल चेतक मोबाइल वाहन के समक्ष धरने पर बैठ गए। हालांकि, पुलिस ने कांस्टेबल पर सख्त कार्रवाई का आश्वासन देकर मामला शांत कराया।

कांग्रेस की ओर से पहलगाम आतंकी हमले के विरोध तथा मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए श्रीजी चौक स्थित कांग्रेस कार्यालय से कैंडल मार्च निकाला गया। मार्च प्रताप चौक पर समाप्त होने के बाद नलका निवासी युवक योगेश गौतम बाइक से गुजर रहा था। उसी समय पुलिस कांस्टेबल ज्ञानेश्वर ने उसे व एक अन्य को थप्पड़ लगा दिया।

समझाइश के दौरान मारा थप्पड़

इसका पता लगने पर कांग्रेस नगर अध्यक्ष प्रशांत भारद्वाज व नगरपरिषद उप सभापति नरेश गोयल मौके पर पहुंचे। समझाइश के दौरान कांस्टेबल ने उपसभापति गोयल व कांग्रेस नगर अध्यक्ष भारद्वाज को भी थप्पड़ जड़ दिया। इसके बाद उप सभापति गोयल चेतक मोबाइल वाहन के समक्ष धरने पर बैठ गए। कोतवाली प्रभारी योगेश चौहान ने बताया कि कांस्टेबल नशे में था। उसका मेडिकल कराया गया है। रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक बोले- होगी सख्त कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक राजकुमार चौधरी ने बताया कि कांग्रेस नेता को थप्पड़ मारने वाले कांस्टेबल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। आरोपी कांस्टेबल का मेडिकल कराया गया है। दोषी पाए जाने पर कांस्टेबल के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भीलवाड़ा में आईआईटी इंजीनियर बना साइको किलर
अंधविश्वास में तीन लोगों की हत्या कर काटे निजी अंग

भीलवाड़ा, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के भीलवाड़ा में सामने आए दिल दहला देने वाले हत्याकांड ने पूरे देश को चौंका दिया है। एक आईआईटी स्नातक इंजीनियर दीपक नायर ने अंधविश्वास और मानसिक विकृति के चलते अपने दो दोस्तों और मंदिर के एक चौकीदार की बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या के बाद उसने न केवल उन्हें मौत के घाट उतारा बल्कि उनकी लाशों के साथ भी वीभत्स हरकतें कीं। पुलिस ने दीपक को गिरफ्तार कर लिया है और पूछताछ में जो खुलासे हुए हैं, वे बेहद चौंकाने वाले हैं।

घटना की शुरुआत अय्यपा मंदिर के चौकीदार लाल सिंह रावणा की हत्या से हुई थी। दीपक ने मंगलवार रात करीब दो बजे मंदिर में घुसकर चौकीदार पर लात-घूंसों और फिर धारदार हथियार से 20 से अधिक वार किए। खासतौर पर सिर और प्राइवेट पार्ट को निशाना बनाया गया। हत्या के बाद दीपक काफी देर तक शव के पास बैठा रहा। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दीपक को गिरफ्तार कर लिया। जब पुलिस उसे उसके घर न्यू बापूनगर लेकर गई, तो वहां का दृश्य और भी भयावह था।

घर में पुलिस को उसके दो दोस्तों संदीप भारद्वाज और मोनू के शव भी मिले। कमरे में चारों ओर खून बिखरा था, जले हुए गद्दे और टूटी लकड़ियों के बीच दोनों के शव पड़े हुए थे। दोनों पर भी धारदार हथियार से किए गए गहरे घाव थे और उनके प्राइवेट पार्ट को भी निशाना बनाया गया था। जांच में सामने आया कि दीपक ने वारदात की रात दोस्तों के साथ शराब पी थी और किसी बात पर बहस होने के बाद उसने आपा खोकर उनकी हत्या कर दी थी। पुलिस पूछताछ में दीपक ने दावा किया कि उसके दोस्तों ने उसके घर पर जादू-टोना कर दिया था, इसलिए उसने उनकी हत्या कर दी। उसने मंदिर के पुजारी पर भी टोना-टोटका का आरोप लगाया था। पुलिस का मानना है कि दीपक अपनी बातों से गुमराह करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन उसकी मानसिक स्थिति पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। डीएसपी श्याम सुंदर बिश्नोई ने बताया कि दीपक आदतन अपराधी है और साइको टेंडेंसी वाला है। उस पर भीलवाड़ा और केरल में पहले से छह से सात आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। 2015 में प्रताप नगर थाने में पुलिसकर्मियों से मारपीट का मामला और 2020 में कार शोरूम से ट्रायल के बहाने कार चोरी का मामला भी उसके खिलाफ दर्ज है।

दीपक नायर केरल का मूल निवासी है और भीलवाड़ा में ही उसका जन्म हुआ था। माता-पिता के निधन के बाद वह अकेला न्यू बापूनगर के मकान में रह रहा था। उसने आईआईटी से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी और एक नामी मोबाइल कंपनी में 70 से 80 हजार रुपये मासिक वेतन पर कार्यरत था। चित्तौड़गढ़ जिले के निम्बाहेड़ा क्षेत्र की जिम्मेदारी उसके पास थी।

रणथम्भौर टाइगर रिजर्व से एक साल में 16 बाघ-बाघिन लापता

सवाई माधोपुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। देशभर में बाघों की सबसे सुरक्षित सैरगाह माने जाने वाले रणथम्भौर टाइगर रिजर्व पर संकट का काला साया मंडराने लगा है। सालाना करोड़ों खर्च करने के बावजूद जंगल की सुरक्षा भगवान भरोसे है। जिम्मेदारों की सुस्ती बाघों पर भारी पड़ रही है। यही वजह है कि बीते एक साल में 26 बाघ-बाघिन लापता हो गए। आनन-फानन में टाइगर रिजर्व प्रशासन 10 बाघों को ट्रेस करने का दावा कर रहा है, लेकिन 16 बाघों का अब तक अता-पता नहीं है। बाघ टी-90 की फीमेल शावक, बाघिन टी-92, बाघ टी-20, बाघ टी-70, 71, 76 और बाघ भैरूपुरा सहित 16 बाघ अब भी लापता हैं। रणथम्भौर टाइगर रिजर्व में साल भर पहले 73 बाघ-बाघिन थे, लेकिन कमजोर मॉनिटरिंग और एंटी पोचिंग सिस्टम फेल होने से बाघ कम होते गए। वन विभाग के मुताबिक पिछली वन्य जीण गणना तक यहां 67 बाघ-बाघिन थे।

सरिस्का में एसटी-13 बाघ करीब दो साल से गायब है, जिसका आज तक पता नहीं चला है। इसके लिए प्रशासन मॉनिटरिंग कर रहा है, लेकिन सफलता नहीं मिल पा रही है। अभी सरिस्का में 42 बाघ हैं।

रणथम्भौर पार्क में वर्तमान में क्षमता से अधिक बाघ-बाघिन हैं, जिनके लिए नए ठिकानों की व्यवस्था करना जरूरी है। यही कारण है कि बाघ-बाघिन टेरेटरी की तलाश में करौली-धौलपुर और मध्यप्रदेश से सटे जंगलों की ओर चले जाते हैं। जहां तक बाघों के मिसिंग की बात है तो कुछ टाइगर उम्रदराज भी हो सकते हैं। ऐसे में उनके मिलने की संभावना कम होती है।

राजस्थान की महिला डॉक्टर हरियाणा में जिंदा जली, पेट पर घाव के निशान

अलवर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। बहरोड़ क्षेत्र के अनंतपुरा गांव निवासी पच्चीस वर्षीय महिला चिकित्सक भावना यादव की संदिग्ध परिस्थितियों में जलने से मौत हो गई। डॉ. भावना यादव एमबीबीएस थी और वह पीजी की तैयारी कर रही थी। हरियाणा के हिसार में वह जलने से बुरी तरह झुलस गई थी। जयपुर के एसएमएस अस्पताल में इलाज के दौरान गुरुवार रात उन्होंने दम तोड़ दिया।

मृतका की मां गायत्री देवी पत्नी स्वर्गीय हेमंत यादव ने एसएमएस अस्पताल जयपुर पुलिस थाने में एक शून्य प्राथमिकी (जीरो) रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनकी बेटी भावना यादव दिल्ली में ऑनलाइन क्लासेज लेती थी और परीक्षा देने के लिए अक्सर दिल्ली जाती रहती थी। 21 अप्रेल को परीक्षा देने के लिए दिल्ली जाने के बाद उनकी बेटी से फोन पर बातचीत होती रही थी और वह पूरी तरह स्वस्थ थी और किसी प्रकार

की परेशानी में नहीं थी।

24 अप्रेल को उनके पास एक लड़के का फोन आया, जिसने अपना नाम उदेश बताया और कहा कि उनकी बेटी भावना जल गई है। इसके बाद सोनी हॉस्पिटल, हिसार के स्टाफ ने वीडियो कॉल के माध्यम से उनकी बेटी की स्थिति दिखाई। सूचना मिलते ही गायत्री देवी हिसार के लिए रवाना हो गईं। वहां पहुंचने पर उन्होंने देखा कि उनकी बेटी की हालत गंभीर थी और उसके पास कोई मौजूद नहीं था। अस्पताल का स्टाफ भी यह बताने में असमर्थ था कि भावना को कहां से लाया गया था और यह हादसा कैसे हुआ।

जयपुर में तोड़ा दम

बेटी की नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए जयपुर के एसएमएस अस्पताल रेफर किया गया। यहां इलाज के दौरान गुरुवार रात करीब साढ़े ग्यारह बजे भावना ने अंतिम सांस ली। अपनी रिपोर्ट में मृतका की मां ने सूचना देने वाले लड़के पर शक जाहिर करते हुए कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

मां ने जताई बेटी की हत्या की आशंका

मृतका की मां ने पुलिस को बताया कि ड्रेसिंग के दौरान उन्होंने अपनी बेटी के पेट में बड़े घाव देखे थे। उन्होंने आशंका जताई है कि उनकी बेटी को किसी धारदार हथियार से घायल करने के बाद आग लगाई गई है। पुलिस ने शून्य प्राथमिकी दर्ज कर इसे सिविल लाइन, हिसार पुलिस स्टेशन को भेज दिया है।

अधिकारी के साथ मिलीभगत कर बनाया फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट
6 के खिलाफ मामला दर्ज

बांसवाड़ा, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। जिला मुख्यालय के महात्मा गांधी चिकित्सालय में कार्यरत एक चिकित्सक द्वारा अपने पिता और एक अन्य व्यक्ति का फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाने का बड़ा मामला सामने आया है। डॉक्टर ने अपने ही वरिष्ठ अधिकारी से साधारण चोट को गंभीर बताकर मेडिकल सर्टिफिकेट तैयार करवाया और पुलिस कार्रवाई भी करवा दी। मामला उजागर होने के बाद तीन डॉक्टरों और एक हेड कांस्टेबल सहित छह लोगों के खिलाफ लोहारिया थाने में मामला दर्ज किया गया है। लोहारिया थाना क्षेत्र के आसोडा गांव निवासी जगदीश पाटीदार ने 16 मार्च 2022 को पुलिस अधीक्षक को एक परिवाद सौंपा था। परिवाद में आरोप लगाया गया कि गांव के भूरालाल, भावेंग और अन्य ने उनके घर में घुसकर मारपीट की। इस शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया। बाद में भूरालाल ने भी जगदीश के खिलाफ थाने में मामला दर्ज कराया। दोनों पक्षों का मेडिकल पालोदा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया, जहां किसी को गंभीर चोट नहीं पाई गई। इसके आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश कर दिया।

बगरू में ज्वेलरी शॉप पर डाका डालने वाले तीन आरोपी पुलिस हिरासत में

जयपुर, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। बगरू थाना पुलिस ने फिल्मी स्टाइल में ज्वेलरी शॉप लूटने के मामले में तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। बदमाशों के कब्जे से अवैध हथियारों के साथ वारदात में इस्तेमाल किए गए दो बाइक व एक कंटेनर जब्त किया गया है। पूछताछ में सामने आया है कि जेल से छूटकर आए दो दोस्तों ने जल्द पैसा कमाने के चलते यह प्लान बनाया था। जिसके तहत दोनों ने फिल्मी स्टाइल में रैकी करने के बाद देसी बम फोड़कर मार्केट में दहशत फैलाने के बाद गोलियां चलाकर ज्वैलरी शॉप लूटी और पुलिस को चकमा देने के लिए बाइक से वारदात करने के बाद कंटेनर में छिपकर भाग गए, फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि ज्वेलरी शॉप लूट के मामले में आरोपी कन्हैयालाल शर्मा उर्फ चिकू पण्डित (20), सोहेल पठान (20) और प्यारेलाल लुहार (37) को गिरफ्तार किया गया है। बदमाश कन्हैयालाल शर्मा बगरू रीका एरिया में रहकर आईएमएल कंटेनर्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में काम करता है। उसकी कंपनी में प्यारेलाल कंटेनर ड्राइवर है। वहीं इस मामले में फरार साथी कौशल की तलाश की जा रही है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो देसी कट्टा, तीन कारतूस, रेकी और वारदात में प्रयुक्त दो बाइक, फरारी में प्रयुक्त कंटेनर और लूटी गई ज्वेलरी बरामद की है।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर डेटा बेस तैयार करने के साथ रुट मैप बनाया और लुटेरों की पहचान के बाद मुखबिर की सूचना पर जोधपुर में दबिश देकर सोहेल को पकड़ लिया गया और उससे की गई पूछताछ के बाद दबिश देकर कन्हैयालाल और प्यारेलाल को भी हिरासत में ले लिया गया।

परिवहन अधिकारियों ने बीआरएस कार्यकर्ताओं को ले जा रही बसों को रोका

खम्मम, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिला परिवहन विभाग के अधिकारियों ने रविवार को पार्टी की रजत जयंती बैठक में भाग लेने के लिए वारंगल जाने हेतु पार्टी कार्यकर्ताओं और जनता को जुटाने के लिए बीआरएस द्वारा किराए पर ली गई निजी बसों को रोक दिया। आरटीए अधिकारियों ने पुलिस के साथ मिलकर खम्मम-वारंगल रोड पर तिरुमलायापलेम में बसों को रोक दिया। घटना की जानकारी मिलने पर खम्मम बीआरएस जिला पार्टी अध्यक्ष एमएलसी टाटा मधुसूदन, पूर्व विधायक के उपेंद्र रेड्डी और एस वेंकट वीरैया मौके पर पहुंचे और अधिकारियों से पूछा कि वे वाहनों को क्यों रोक रहे हैं। काफी बहस के बाद बसों को आगे जाने दिया गया।

बीआरएस नेताओं ने वाहनों को रोकने के लिए आरटीए अधिकारियों पर अपना गुस्सा जाहिर किया। अधिकारियों ने बीआरएस नेताओं को बताया कि वे उच्च अधिकारियों द्वारा दिए गए आदेशों का पालन कर रहे हैं, जिन्होंने पार्टी की बैठक के लिए स्कूल बसों को अनुमति नहीं देने का आदेश दिया है। जब बीआरएस नेताओं ने उच्च अधिकारियों से संपर्क किया, तो उन्होंने वाहनों को रोकने के लिए कोई आदेश जारी करने से इनकार कर दिया। इसी तरह आरटीए अधिकारियों ने सथुपल्ली से बीआरएस वारंगल की बैठक में जा रही निजी बसों को कल्लूर में रोक दिया। जब बीआरएस कार्यकर्ताओं ने अधिकारियों से इस बारे में पूछा तो वे कार्यकर्ताओं को कोई जवाब दिए बिना ही चले गए।

पूर्व मंत्री पुव्वाडा अजय कुमार ने भी आरटीए अधिकारियों से बात की और उनसे वाहनों को वारंगल जाने से न रोकने का आग्रह किया। इससे पहले दिन में राज्यसभा सदस्य वड्डीराजू रविचंद्र, एमएलसी मधुसूदन, पूर्व विधायक वेंकट वीरैया, उपेंद्र रेड्डी, के कोटेश्वर राव और चंद्रावती ने खम्मम में तेलंगाना भवन में बीआरएस का झंडा फहराया और वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कोतागुडेम में पूर्व विधायक वनमा वेंकटेश्वर राव ने येलंडू चौराहे पर पार्टी का झंडा फहराया और वाहन रैली में वारंगल के लिए रवाना हुए।

पिता को गिफ्ट करने जा रही लडकी की मौत

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पिता को बाइक गिफ्ट कर सरप्राइज देने जा रही एक युवती की मौत होने से घर में मातम छा गया है। बताया जा रहा है कि सॉफ्टवेयर कर्मचारी यशस्विनी हैदराबाद के गाच्चीबावली में एक कंपनी में सॉफ्टवेयर कर्मचारी के रूप में काम कर रही थी। यशस्विनी अपने पिता को रॉयल एनफील्ड गिफ्ट करके सरप्राइज देना चाहती थी।

हैदराबाद से अपने साथी कर्मचारी के साथ बाइक पर अपने गृहनगर जा रही यशस्विनी की सूर्यपेट जिले के मुनगाला मंडल के आकुपमुला के पास सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। यशस्विनी का गृहनगर पश्चिमी गोदावरी जिले के टुड्डू में है।

सड़क दुर्घटना में 3 लोगों की मौत

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद जिले के कोडांगल में रविवार को दो कारों की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई। तीनों कथित तौर पर शहर के कुकटपल्ली के निवासी हैं और मंदिर में दर्शन करने के लिए कर्नाटक गए थे। शहर लौटते समय, चिंतापल्ली-येल्लमांडा गांव की सड़क पर उनकी कार विपरीत दिशा से आ रही एक बोलेरो से टकरा गई। तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए और बाद में स्थानीय अस्पताल में उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वाहन को सड़क किनारे करवाया। दुर्घटना के बाद सड़क पर यातायात प्रभावित हुआ। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

महिला से छीनी सोने की चेन

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने बताया कि रविवार सुबह कीसरा के पास यादगारपल्ली गांव में एक अज्ञात मोटरसाइकिल सवार ने एक महिला से सोने की चेन छीन ली। पीड़िता चिंता पद्मा सड़क पर चल रही थी, तभी मोटरसाइकिल सवार ने उसकी चार तोला वजनी सोने की चेन छीन ली और भाग गया।

अक्षय तृतीया पर शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स में सुनहरा धमाका ऑफर

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सोने की चमक और श्रद्धा का अद्भुत संगम- अक्षय तृतीया का शुभ अवसर अब और भी खास बनने जा रहा है, जब सोमाजिगुड़ा स्थित प्रतिष्ठित शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स अपने ग्राहकों के लिए लेकर आया है शानदार अक्षय तृतीया धमाका ऑफर सेल। परंपरा और उत्कृष्टता के प्रतीक इस प्रतिष्ठान ने इस वर्ष गोल्ड, सिल्वर, डायमंड और पोल्की ज्वेलरी पर अत्यंत आकर्षक ऑफर्स प्रस्तुत किए हैं, जो न सिर्फ खरीदारी को सौभाग्यशाली बनाएंगे, बल्कि आपकी पूंजी का मूल्य भी बढ़ाएंगे।

इस विशेष अवसर पर, शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स ने एक्सक्लूसिव लाइट वेट ज्वेलरी का भव्य संग्रह भी प्रस्तुत किया है, जिसमें नेकलेस, हाथफूल, कंदोरा, बाजूबंद, मंगलसूत्र, बाल्स, गोगरू, गजरा आदि में हजारों शानदार डिजाइनों का भंडार तैयार किया गया है। हर आभूषण अद्वितीय शिल्प कौशल का प्रतीक है, जिसे परंपरा और आधुनिकता के उत्कृष्ट संगम से गढ़ा गया है। यहां प्रस्तुत हर गहना केवल एक आभूषण नहीं, बल्कि एक धरोहर है, जो पीढ़ियों तक आपकी विरासत बनकर चमकेगा।

अक्षय तृतीया इस वर्ष बुधवार, 30 अप्रैल 2025 को मनाई जाएगी। इस शुभ दिन को और भी स्मरणीय बनाने हेतु शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स का भव्य शोरूम प्रातः 7:00 बजे से लेकर रात्रि 11:00 बजे तक ग्राहकों के स्वागत के लिए खुला रहेगा। सूत्रों के अनुसार, सोने के दाम इस वर्ष लगभग 1,21,000 प्रति 10 ग्राम तक जाने की संभावना है, जो इसे निवेश और सौंदर्य दोनों दृष्टियों से अत्यंत उपयुक्त अवसर बनाता है।

शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स, जो वर्षों से गुणवत्ता, विश्वास और ग्राहकों की संतुष्टि का पर्याय रहा है, अपने सुंदर संग्रह और पारदर्शी सेवा के लिए जाना जाता है। हर गहना यहां पवित्रता, परंपरा और आधुनिकता की एक अनुपम गाथा कहता है। इस अक्षय तृतीया पर आइये, शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स के भव्य शोरूम में पधारिए, अपने सपनों के आभूषणों का चयन कीजिए और इस शुभ दिन को स्वर्णिम यादगार बनाइये।

जहां हर खरीदारी में छिपा है एक आशीर्वाद और हर आभूषण में चमकता है विश्वास, वहीं है- शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स।

सत्यम शिवम सुंदरम गगन पहाड़ स्थित गौशाला में गौ सेवा करते गौ भक्त

केआईएमएस में त्वचा शल्य चिकित्सा पर कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। त्वचाविज्ञान के क्षेत्र में डर्मेटोसर्जरी की उप-विशेषता पर जोर बढ़ रहा है, और रोगियों के लिए बेहतर परिणाम देने के लिए निरंतर कौशल वृद्धि महत्वपूर्ण है। यह बातें डॉ. बोलिनेनी भास्कर राव, सीएमडी, केआईएमएस अस्पताल ने एसीएस (आई) ईसी और अकादमी के सहयोग से केआईएमएस अस्पताल परिसर में आयोजित डर्मेटोसर्जरी पर एक कार्यशाला में बोलते हुए कही। त्वचा विशेषज्ञों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें विशेष रूप से टांके लगाने की तकनीक पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसका विषय था 'दैनिक अभ्यास में त्वचा शल्य चिकित्सा का विकास: सटीकता, जुनून, उत्कृष्टता और प्रगति।' भारत और नेपाल से लगभग 300 त्वचा विशेषज्ञों ने इसमें भाग लिया और अपने शल्य चिकित्सा कौशल को निखारने के लिए इस अवसर का उपयोग किया। डॉ. कोनाथम राज्यलक्ष्मी, डॉ. अंचल पार्थसारथी और डॉ. एएस कुमार के मार्गदर्शन में, एसीएस (आई) के अध्यक्ष डॉ. टी. सलीम और मानद महासचिव डॉ. प्रदीप कुमारी, टीएस आईएडीवीएल के अध्यक्ष डॉ.वी. रमेश और सचिव डॉ. रामचंदर दारक और वरिष्ठ त्वचा विशेषज्ञ उपस्थित थे।

सेवानिवृत्त अधिकारियों की सेवाएं समाप्त करने वाला आदेश सवालों के घेरे में

कई सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सेवाएं जारी रखने की अपील

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार द्वारा सभी विभागों को अनुबंध या आउटसोर्सिंग के आधार पर काम कर रहे सेवानिवृत्त अधिकारियों की सेवाएं समाप्त करने का निर्देश देने वाला आदेश सवालों के घेरे में आ गया है, क्योंकि कुछ विभागों ने कई सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सेवाएं जारी रखने की अपील की है।

मुख्य सचिव ए शांति कुमारी ने 25 मार्च को आदेश जारी कर विशेष मुख्य सचिवों, प्रमुख सचिवों, सचिवों और विशेष सचिवों को 31 मार्च तक सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त करने का निर्देश दिया था। जिन विभागों को सेवानिवृत्त अधिकारियों की सेवाओं की आवश्यकता है, उन्हें सक्षम प्राधिकारी से औचित्य सहित नए आदेश प्राप्त करने का निर्देश दिया गया।

तदनुसार, यह उम्मीद की जा रही थी कि विभिन्न विभागों से 6,700 से अधिक सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर दी जाएंगी। ऐसा माना जा रहा है कि नगर निगम प्रशासन से 177 वरिष्ठ रैंक के अधिकारी, उद्योग से 179 और पंचायत राज विभाग से 45 अधिकारियों को सेवा से हटाने के लिए चुना गया था। कई कर्मचारी संघों ने इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि जिन अधिकारियों को पदोन्नति मिलनी थी, उन्हें पदोन्नति मिलेगी तथा कई रिक्तियां भरी जाएंगी।

हालांकि, इन आदेशों के विपरीत कई विभागों ने अलग-अलग कारणों का हवाला देते हुए सरकार से सेवानिवृत्त अधिकारियों को बहाल करने की अपील की है। कुछ विभाग सेवानिवृत्त कर्मचारियों की विशेषज्ञता का उपयोग करना चाहते थे। अन्य लोगों का कहना था कि आदेशों के क्रियान्वयन के बाद और अधिक रिक्तियां पैदा होंगी और अल्प कर्मचारियों के साथ विभाग के संचालन पर असर पड़ेगा। सचिव, प्रबंध निदेशक और मुख्य अभियंता जैसे पदों पर कार्यरत कुछ सेवानिवृत्त अधिकारी पहले ही अपने पक्ष में आदेश प्राप्त करने में सफल हो चुके हैं। नगर निगम प्रशासन, पंचायत राज, सिंचाई और कुछ अन्य विभागों से ऐसे मामले सामने आए हैं। विभागाध्यक्ष उन सेवानिवृत्त अधिकारियों का विवरण साझा करने में चुप्पी साधे हुए हैं, जिन्हें सेवा विस्तार दिया गया है।

एआईसीआरपीआर की 60वीं वार्षिक चावल अनुसंधान समूह बैठक

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद- भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-आईआईआरआर) अखिल भारतीय समन्वित चावल अनुसंधान परियोजना (एआईसीआरपीआर) की 60वीं वार्षिक चावल अनुसंधान समूह बैठक (एआरजीएम) की हीरक जयंती का आयोजन 26 अप्रैल से 28 अप्रैल तक हो रहा है।

इस संदर्भ में, आईसीएआर-आईआईआरआर के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, आईसीएआर-भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-आईआईआरआर), हैदराबाद, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की प्रमुख चावल अनुसंधान और समन्वय इकाई, 26 से 28 अप्रैल, 2025 तक चावल पर, अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत चावल शोधकर्ताओं की वार्षिक समूह बैठक की हीरक जयंती का आयोजन कर रहा है। जिसमें एआईसीआरपीआर कार्यशाला का उद्घाटन रविवार 27 अप्रैल को सुबह 9.30 बजे डीएआरइ सचिव और डीजी-आईसीएआर डॉ. एमएल जाट द्वारा किया गया। इस उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि डीएआरइ के पूर्व सचिव और आईसीएआर डीजी डॉ.आर.एस. परोदा उपस्थित हुए। जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. आरएस परोदा ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि चीन में चावल की औसत उपज 6 टन है, जबकि भारत में यह 3.5 टन प्रति हेक्टेयर है। इस अंतर को किस्मों और प्रबंधन प्रथाओं के माध्यम से भरना होगा।

पंजाब के किसानों ने हाइब्रिड चावल की खेती बंद कर दी है, क्योंकि चावल की कम रिकवरी के कारण मिलर्स से खराब खरीद होती है। प्रजनकों को इस क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

इस 3 दिवसीय कार्यक्रम का समन्वयन आईसीएआर-भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के निदेशक डॉ.आर.एम. सुंदरम ने किया तथा उद्घाटन समारोह में उपस्थित जाने-माने वैज्ञानिकों में आईसीएआर, नई दिल्ली उप महानिदेशक (फसल विज्ञान) डॉ.डी.के. यादव, पीजेटीएयू, हैदराबाद कुलपति डॉ. अलदास जनैया, एएनजीआरएयू, गुंटूर कुलपति डॉ.आर. सरदा जयलक्ष्मी देवी, आईसीएआर-आईएआरआई, नई दिल्ली एमेरिटस वैज्ञानिक डॉ.ए.के. सिंह, आईसीएआर, नई दिल्ली सहायक महानिदेशक (एफएफसी) डॉ.एस.के. प्रधान तथा फॉच्यूर्न राइस लिमिटेड अध्यक्ष अजय भालोटिया शामिल हुए।

सुधांशु महाराज का जन्म महोत्सव 2 मई को

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व जागृति मिशन हैदराबाद मंडल के तत्वावधान में सुधांशु महाराज का 70वां जन्म महोत्सव के रूप में 2 मई को अमृतधाम आश्रम में मनाया जायेगा।

विश्व जागृति मिशन हैदराबाद मंडल के सत्संग व मीडिया प्रभारी राजकुमार दायमा द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार विश्व जागृति मिशन हैदराबाद मंडल के तत्वावधान में सुधांशुजी महाराज का जन्मदिवस पर्व के रूप में मनाया जाएगा। इसी श्रृंखला में आगामी 2 मई को सुबह 10:00 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक मंचीरेउला नारसींगी स्थित अमृतधाम आश्रम में गुरुभक्तों द्वारा गुरुदेव की दीर्घायु हेतु नगरद्वय के विभिन्न 70 मंदिरों में पूजा-अर्चना की जाएगी। सुबह ठीक 10:30 बजे अमृतधाम आश्रम के विशाल प्रांगण में गुरुजी की दीर्घायु हेतु सामूहिक महामृत्युंजय महामंत्र और महायज्ञ किया जाएगा। चरण पादुका पूजन, गुरु पूजन और गुरु वंदना का कार्यक्रम सुबह 11 बजे से आयोजित किया जाएगा। अवसर पर भजन-कीर्तन विडियो सत्संग सुबह 11:30 बजे रहेगा। दोपहर 12 बजे गुरुदेव जी का आशीर्वाद रूप में विशेष संदेश नई दिल्ली से फोन द्वारा प्राप्त होगा। दोपहर 12:30 बजे गुरु-वंदना, गुरु आरती की जाएगी। दोपहर 1:00 बजे श्रीमती सरोज विनोद कुमार अग्रवाल के द्वारा भंडारा-महाप्रसाद समस्त गुरु भक्तों के लिए आरंभ किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण महोत्सव में भजन गायिका श्रीमती मधु गोगीया द्वारा छांछ का वितरण किया जाएगा।

विश्व जागृति मिशन के राष्ट्रीय प्रधान प्रेमसिंह राठौड़ और हैदराबाद मंडल मिशन के महामंत्री अशोक कुमार अग्रवाल ने समस्त गुरुभाई और बहनों से कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है।

पहलगाम में आतंकवादी हमले के खिलाफ तेलंगाना जयसवाल सेवा समिति ने गौलीगुडा राममंदिर में कैंडल मार्च का आयोजन किया, कार्यक्रम में नितिन जयसवाल, सविता जयसवाल, अक्षय जयसवाल, शरद, रवि, अशोक, अमित, राजेंदर, पप्पू, दीपराज, धीरज, रणधीर, रितिक, नमिश, अमरीश आदि ने भाग लिया।

अलवाल स्थित लौह पुरुष गो धाम में गौसेवा में गौभक्तों ने गायों को घास खिलाते हुए दान पुण्य का लाभ लिया। कार्यक्रम उपस्थित दर्शन अग्रवाल, गोपाल दास अग्रवाल, शांतीलाल सुथार व अन्य।

निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर में 306 से अधिक मरीजों ने लाभ लिया

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बद्रीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा के सहयोग से 144वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर सरूनगर के कृष्णा नगर कॉलोनी स्थित आराधना होम में आयोजित किया गया।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार,शिविर में साधुराम नेत्र चिकित्सालय दोमलगुडा द्वारा नेत्रों की जांच की गई, जिसमें 50 लोगों को चश्मे वितरित किये गये तथा 5 रोगियों के मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। अवसर पर ऑप्टोमेट्रिस्ट पी.विजयश्री, लक्ष्मण, भरत, राहुल, शिविर संयोजक भास्कर, सलमान ने सहयोग दिया। किम्स सनशाइन अस्पताल बेगमपेट ने जनरल फिजिशियन, कार्डियोलोजी, ऑर्थोपेडिक्स, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, रक्तचाप, आरबीएस की सेवा प्रदान की। डॉ. गायत्री सामान्य जांच और कार्डियो की सेवा, डॉ. शेरली ने आँखों की सेवा प्रदान की। अवसर पर नर्सिंग स्टाफ सुजा, जॉर्डन, निरोशा, 2डी इको टेक्नीशियन गौतम, बीएमडी टेक्नीशियन मोहन, मार्केटिंग उदय कुमार ने सहयोग प्रदान किया। अवसर पर रेनबो चिल्ड्रन अस्पताल के डॉ. फहद ने शिशु रोग, डॉ. भव्या ने पीडियाट्रिक्स कार्डियोलॉजी की सेवा प्रदान की जिसमें मार्केटिंग मैनेजर-इरफान सिद्दीकी, कैंप सहयोगी भवन बाबू, सिस्टर लोकन्या और वासंती तकनीशियन-नरसिंग राव एवं मोहित, जयन्त ने सहयोग प्रदान किया। शिविर में सामान्य जांच डॉ.अखिल्स क्लिनिक के डॉ.अखिल सुगंधी (रुमेटोलॉजी), डॉ. मीनल खिरैया सुगंधी (एमबीबीएस डिप्लोमा मधुमेह) ने, फिजियोथैरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज तथा दांतों की जांच एसएनआर डेंटल के डॉ. निखिल ने दी। शिविर में श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति की ओर से 1 रोगी को चिकित्सा में सहयोग प्रदान किया गया। शिविर में 306 से अधिक मरीजों ने लाभ लिया। शिविर को सफल बनाने में शिविर संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, कैलाश केडिया, निखिल राणासरिया, स्थानीय पार्टनर अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा पंकज कुमार संघी, प्रदीप बंसल, शैलेश अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, सत्यनारायण मोदी, महावीर प्रसाद अग्रवाल, राजकुमार गुप्ता, सतीश बंसल, निशित अग्रवाल. कोत्तापेट शाखा के महेंद्र अग्रवाल, बबीता अग्रवाल.आराधना होम के माधव राव, प्रसाद, स्वयंसेवक निर्मला केडिया, अजय तुलस्यान, अरुणा तुलस्यान, सुनैना नरसया. अग्र महिला मंच की दीपा गर्ग, अंजू गोयल, सरला अग्रवाल, पित्ती इंजीनियरिंग के सदस्यों ने अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

शनि मंदिर शमशेरगंज स्थित गौशाला में गौ सेवा करते हुए भक्त

प्रज्ञा के धनी थे आचार्य श्री महाप्रज्ञ : डॉ गवेषणाश्री

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रेक्षाप्रणेता, युगप्रधान आचार्य श्री महाप्रज्ञजी के 16वें महाप्रयाण दिवस पर श्रद्धार्पण समारोह का आयोजन उनकी सुशिष्या साध्वी डॉक्टर गवेषणा श्री जी ठाणा-4 के सानिध्य में मानसरोवर हाइट्स में आयोजित हुआ।

राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस अवसर पर साध्वीश्री जी ने कहा आचार्य महाप्रज्ञ जी अनेक विशेषताओं के धनी थे। उन्होंने नथू से महाप्रज्ञ के दृष्टांत को उनकी जीवन शैली द्वारा बताया। वे एक संत, आचार्य प्रशासक, ज्ञानी, विज्ञानी, आगम वेत्ता, विधिवेता, दार्शनिक, प्रवचनकार, साहित्यकार, लेखक व कवि थे। उनकी प्रज्ञा को देखकर भट्टबाहु एवं हरिभद्र जीवंत हो उठते थे। उनकी सहिष्णुता, समर्पण श्रमनिष्ठा सहजता, सरलता बेजोड़ थी। वे निर्मल व पवित्र आभा से सम्पन्न थे। उन्होंने न्याय, दर्शन, प्रेक्षा जैनधर्म, संस्कृति आदि अनेक सम सामयिक विषयों पर करीबन 275 ग्रंथों की रचना की। उनके ग्रंथ साहित्य जगत की अमूल्य निधि है। वे आचार्य श्री तुलसी के विचारों के भाष्यकार थे। उन्होंने अपने जीवन के नौवें दशक में अहिंसा यात्रा कर विशिष्ट कार्य किया। अवस्था ज्येष्ठत्व, विशिष्ट संतत्व, कुशल नेतृत्व व ज्ञान वृद्धत्व था। उनके 16वें महाप्रयाण दिवस पर श्रद्धा समर्पित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ निष्ठा नाहटा द्वारा किया गया तत्पश्चात तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद की बहनों द्वारा मंगलाचरण के संगान से हुआ। स्वागत भाषण तेरापंथी सभा सिकंदराबाद सुरेश संचेती ने दिया। साध्वी मयंकप्रभा ने कहा- आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी दृढ़ संकल्प के धनी थे। साध्वी मेरुप्रभाजी ने सुमधुर गतिका का संगान किया।

इस अवसर पर पंकज बैद, टी पी एफ अध्यक्ष वीरेंद्र घोषल, अभिनंदन नाहटा, सुशीला मोदी, संपत नौलखा ने अपने श्रद्धासिक्त उद्गार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन साध्वी दक्षप्रभा ने किया। आभार ज्ञापन अशोक नाहटा ने किया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

मुंबई इंडियंस ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 54 रनों से हराया

बुमराह को 4 विकेट; सूर्या-रिकेलटन की फिफ्टी

मुंबई, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 का 45वां लीग मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच खेला गया। इस मुकाबले में लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इस मुकाबले में एमआई ने एलएसजी को 54 रन से हरा दिया है।

मुंबई ने बनाया था मजबूत स्कोर

मुंबई इंडियंस ने विकेटकीपर बल्लेबाज रेयान रिकलटन (58 रन) और सूर्यकुमार यादव (54 रन) की शानदार अर्धशतकीय पारियों की बदौलत रविवार को वानखेड़े स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 7 विकेट पर 215 रन बना लिए।

अंत में नमन धीर ने सिर्फ 11 गेंदों में दो चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 25 रन बनाए, जबकि कॉर्बिन बॉश ने 10 गेंदों पर 20 रनों का योगदान दिया। विल जैक्स ने भी अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 29 रन जोड़े। लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए आवेश खान और मयंक यादव ने 2-2 विकेट झटके।

जसप्रीत बुमराह की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की मदद से मुंबई इंडियंस ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को 54 रनों से हराया।

लखनऊ ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था, लेकिन सूर्यकुमार यादव और रियान रिक्लेटन की अर्धशतकीय पारी की मदद से मुंबई ने 20 ओवर में सात विकेट पर 215 रन बनाए।

जवाब में लखनऊ की टीम 20 ओवर में 161 रन पर ऑलआउट हो गई। मुंबई के लिए बुमराह ने शानदार गेंदबाजी की और चार ओवर में 22 रन देकर चार विकेट झटके।

बिश्नोई 14 गेंदों पर दो छक्के की मदद से 13 रन बनाकर आउट हुए। लखनऊ ने 19 ओवर की समाप्ति तक नौ विकेट पर 158 रन बनाए हैं। मार्श 24 गेंदों पर तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 34 रन बनाकर आउट हुए।

बुमराह इसके साथ ही मुंबई के लिए सबसे सफल गेंदबाज बन गए हैं और उन्होंने इस मामले में लसिथ मलिंगा को पीछे छोड़ दिया है। कॉर्बिन बॉश ने रवि बिश्नोई को आउट कर लखनऊ को नौवां झटका दिया।

गौतम गंभीर को धमकाने वाला गिरफ्तार

पहलगाम हमले के बाद मिली थी मारने की धमकी

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर को जान से मारने की धमकी देने के मामले को पुलिस ने सुलझा लिया है. दिल्ली पुलिस ने इस मामले में गुजरात के एक शख्स को गिरफ्तार किया है. भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज और मौजूदा कोच गंभीर को हाल ही में एक धमकी भरे ईमेल मिले थे, जिसके बाद पुलिस ने एक मामला दर्ज किया था. गंभीर को ये धमकी उस दिन ही मिली थी, जिस दिन पहलगाम में आतंकवादियों ने खौफनाक वारदात को अंजाम देते हुए 26 पर्यटकों की हत्या कर दी थी.

पहलगाम हमले के दिन मिली थी धमकी

आईपीएल 2025 के कारण इस वक्त ब्रेक पर चल रहे गौतम गंभीर ने 24 अप्रैल को दिल्ली पुलिस को शिकायत दी थी कि उन्हें जान से मारने की धमकी वाले दो ईमेल मिले हैं. सेंट्रल दिल्ली के राजिंदर नगर में रहने वाले गंभीर ने यहीं के थाने में एक एफआईआर दर्ज कराई थी और बताया था कि उन्हें 22 अप्रैल को दोपहर में और शाम के वक्त दो ईमेल मिले थे. इन दोनों में ही लिखा था- 'आई किल यू'. यानि मैं तुम्हें मारूंगा. धमकी देने वाले ने खुद को आईएसआईएस कश्मीर का हिस्सा बताया था.

गुजरात का इंजीनियरिंग स्टूडेंट गिरफ्तार

गंभीर को ये धमकी ऐसे वक्त में मिली थी, जब उसी दिन जम्मू-कश्मीर के मशहूर पर्यटक स्थल पहलगाम में आतंकियों ने 26 पर्यटकों को चुन-चुनकर मौत के घाट उतार दिया था. टीम इंडिया के हेड कोच और भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद गंभीर को मिली इस खौफनाक धमकी पर दिल्ली पुलिस ने तेजी से कार्रवाई की, जिसके बाद सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने एक गुजरात से एक गिरफ्तारी भी की है. समाचार एजेंसी एएनआई ने दिल्ली पुलिस के हवाले से बताया है कि गंभीर को धमकी भरे ईमेल भेजने वाले शख्स की पहचान जिग्नेशसिंह परमार के रूप में हुई है.

परिवार का दावा- मानसिक बीमारी से जूझ रहा बेटा

इसके मुताबिक, 21 साल का जिग्नेशसिंह गुजरात का रहने वाला है और एक इंजीनियरिंग स्टूडेंट है. पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है, जिसके बाद उससे काफी पूछताछ हुई है. इतना ही नहीं, अरेस्ट किए गए छात्र के परिवार ने दावा किया है कि वो मानसिक बीमारियों से जूझ रहा है. हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इस मामले में फिलहाल अपनी जांच को जारी रखा है.

भारतीय खिलाड़ियों को नजरअंदाज कर रहे रिकी पॉन्टिंग

आईपीएल 2025 में नहीं दे रहे मौका, लगा बड़ा आरोप

कोलकाता, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब किंग्स की गिनती सबसे कमजोर टीमों में होती थी. लेकिन हेड कोच रिकी पॉन्टिंग और श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में आईपीएल 2025 में पंजाब ने शानदार प्रदर्शन किया है. ये टीम 9 मैचों में 11 अंक हासिल कर चुकी है और फिलहाल पॉइंट्स टेबल में चौथे नंबर पर मजबूत है. इस बार पंजाब किंग्स को चैंपियन बनने का बड़ा दावेदार भी बताया जा रहा है. इसके बावजूद पूर्व भारतीय क्रिकेटर मनोज तिवारी ने कहा है कि वो ट्रॉफी जीतती हुई नहीं दिख रही है. इतना ही नहीं उन्होंने हेड कोच पॉन्टिंग की रणनीति पर सवाल भी खड़े किए हैं. साथ ही उन पर भारतीय खिलाड़ियों को नजरअंदाज करने का भी आरोप लगाया है.

मनोज तिवारी ने क्यों लगाया आरोप?

मनोज तिवारी ने ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स के मैच के आधार पर रिकी पॉन्टिंग पर आरोप लगाया. बारिश के कारण मुकाबला बिना किसी नतीजे के समाप्त हो गया था. इसके बाद उन्होंने कहा, "मेरी आंतरिक भावना कहती है कि पंजाब की टीम इस सीजन में आईपीएल ट्रॉफी नहीं जीत पाएगी, क्योंकि आज जब वो बैटिंग कर रहे थे तो मैंने देखा कि कोच ने भारतीय इनफॉर्म बल्लेबाजों नेहल वढेरा और शशांक सिंह को नहीं भेजा. उनकी जगह उन्होंने अपने विदेशी खिलाड़ियों पर भरोसा किया. लेकिन वो भरोसे पर खरे नहीं उतरे. साफ तौर पर देखा जा सकता है कि भारतीय खिलाड़ियों पर उनका भरोसा नहीं है. अगर वो इसी तरह से आगे बढ़ते रहे तो टॉप-2 में रहने के बावजूद खिताब नहीं जीत पाएंगे."

मैक्सवेल को बार-बार मिल रहा मौका

मनोज तिवारी का इशारा ग्लेन मैक्सवेल की ओर था. उनके मुताबिक, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मैक्सवेल के लगातार फ्लॉप होने के बावजूद भारतीय खिलाड़ियों की अनदेखी की जा रही है. उन्हें मौका देने के चक्कर में भारत के प्लेयर्स कीमत चुका रहे हैं. उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इसी रणनीति से वो चलते रहे तो वो इस बार भी उनके ट्रॉफी का सूखा खत्म नहीं होगा. बता दें मैक्सवेल ने केकेआर के खिलाफ इस मैच में वो 8 गेंद में सिर्फ 7 रन बना सके. वहीं इस सीजन में 6 मुकाबले खेले हैं और सिर्फ 48 रन बना सके हैं. इसके अलावा आईपीएल की पिछली 20 पारियों में वो 13 बार दहाई के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके हैं.

अविनाश साबले ज़ियामेन डायमंड लीग 3000 मीटर स्टीपलचेज़ में 13वें स्थान पर रहे

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के 3000 मीटर स्टीपलचेज़र अविनाश साबले ने शीर्ष श्रेणी के क्षेत्र में 8 मिनट 22.59 सेकंड का समय लेकर डायमंड लीग मीटिंग में 13वें स्थान पर रहकर अपने सीज़न की शुरुआत की।

साबले पूरे समय अग्रणी समूह से पीछे रहे और 16 धावकों के साथ दौड़ पूरी करने के बाद सबसे पीछे रहे।

30 वर्षीय राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक पिछले साल सितंबर में डायमंड लीग फ़ाइनल के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धा कर रहे थे, जहाँ वे 8 मिनट और 17.09 सेकंड के समय के साथ नौवें स्थान पर रहे थे। उनका राष्ट्रीय रिकॉर्ड 8:09.91 है।

इथियोपिया के सैमुअल फ़िरेवु ने बड़ा उलटफेर करते हुए मौजूदा ओलंपिक और विश्व चैंपियन मोरक्को के सौफ़िएने एल बक्काली को 8:05.61 के समय के साथ हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया। एल बक्कली ने 8:06.66 में फिनिश लाइन पार की। केन्या के साइमन किप्रोप कोच (8:07.12) तीसरे स्थान पर रहे।

साबले, जो 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों में 8:14.18 के समय के साथ 11वें स्थान पर रहे हैं, 3 मई को शंघाई/केकिआओ में अगली डीएल मीटिंग में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

वह पेरिस ओलंपिक के समय के आधार पर सितम्बर में टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए पहले ही अर्हता प्राप्त कर चुके हैं।

टीम इंडिया से निकाले जाने के बाद अभिषेक नायर को मिली दूसरी नौकरी

आईपीएल 2025 के बीच बने इस टीम के मेंटॉर

मुंबई, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। टीम इंडिया के पूर्व असिस्टेंट कोच अभिषेक नायर अब टीम इंडिया के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा नहीं हैं. हाल ही में बीसीसीआई ने उन्हें नौकरी से निकाल दिया था. हालांकि, टीम से बाहर होने के बाद टी20 लीग में उनकी मांग बढ़ गई है. पहले नायर की आईपीएल में वापसी हुई और वो अपनी पिछली फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स से जुड़े. इस बीच उन्हें अब दूसरी नौकरी भी मिल गई है. दरअसल, टी20 मुंबई लीग के तीसरे एडिशन के लिए मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स ने उन्हें अपना मेंटॉर बनाया है. यानि आईपीएल खत्म होने के बाद वो खाली नहीं बैठेंगे.

एमआई के बॉलिंग कोच के साथ करेंगे काम

टी20 मुंबई लीग में दो नई टीमों को शामिल किया गया है. मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स भी उनमें से एक है. आईपीएल 2025 खत्म होने के ठीक बाद 26 मई शुरू होने वाले इस लीग में नायर मेंटॉर की भूमिका में दिखेंगे. वो मुंबई के पूर्व तेज गेंदबाज और टीम के हेड कोच अमित दानी के साथ काम करेंगे. नायर की 7 मई को होने वाली नीलामी के दौरान टीम की मदद करेंगे. दूसरी ओर टीम इंडिया के पूर्व बॉलिंग कोच पारस म्हाम्ब्रे एआरसीएस अंधेरी की टीम में मेंटॉर के तौर पर शामिल हुए हैं. फिलहाल आईपीएल में वो मुंबई इंडियंस के बॉलिंग कोच हैं.

बीसीसीआई ने किया था बाहर

नायर 2024 में खिताब जीतने वाली कोलकाता के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा थे. फिर टीम के आईपीएल चैंपियन बनने के बाद मेंटॉर रहे गौतम गंभीर को टीम इंडिया का हेड कोच बनाया गया था. उनके साथ ही नायर को भी बतौर असिस्टेंट कोच टीम इंडिया में शामिल किया गया था. मगर 10 महीने से भी कम समय में उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया. नायर पर ये एक्शन जनवरी में हुई बीसीसीआई की रिव्यू मीटिंग के बाद हुआ था.

विमेंस ट्राई सीरीज: स्नेह राणा, प्रतीक रावल ने भारत को 9 विकेट से जीत दिलाई

कोलंबो, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पहला वनडे भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने श्रीलंका के खिलाफ टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

सलामी बल्लेबाज प्रतीक रावल ने नाबाद अर्धशतक लगाया, जबकि स्मृति मंधाना और हरलीन देओल ने उपयोगी योगदान दिया, जिससे भारत ने रविवार को यहां वर्षा बाधित महिला एकदिवसीय त्रिकोणीय श्रृंखला के मैच में श्रीलंका को नौ विकेट से आसानी से हरा दिया।

प्रतिका (नाबाद 50) और मंधाना (43) ने पहले विकेट के लिए 54 रनों की साझेदारी की, इससे पहले दिल्ली की इस युवा खिलाड़ी ने हरलीन (नाबाद 48) के साथ नाबाद 95 रनों की साझेदारी की, जिससे भारत ने 148 रनों के लक्ष्य को 29.4 ओवर में हासिल कर लिया। भारी बारिश के कारण तीन घंटे की देरी के कारण मैच को 39 ओवर का कर दिया गया था, जिसमें श्रीलंका की टीम 38.1 ओवर में 147 रन पर ढेर हो गई, जिसमें स्नेह राणा (3/31), श्री चरणी (2/26) और दीप्ति शर्मा (2/22) ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। श्रीलंकाई बल्लेबाजों में से कोई भी बड़ी पारी नहीं खेल सका क्योंकि हासिनी परेरा ने 46 गेंदों में 30 रन बनाए और कविशा दिलहारी ने 26 गेंदों में 25 रनों का योगदान दिया।

मैड्रिड ओपन में बड़ा उलटफेर, जोकोविच अपने पहले मैच में अर्नाल्डी से हारे

मैड्रिड, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। न की राजधानी मैड्रिड में उस समय बड़ा उलटफेर देखने को मिला जब सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच को मैड्रिड ओपन 2025 के पहले ही राउंड में हार का सामना करना पड़ा. शनिवार, 26 अप्रैल को उन्हें इटली के माटेओ अर्नाल्डी ने एक घंटे 41 मिनट तक चले खेल में सीधे सेटों में 6-3 और 6-4 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया.

चौथी बार जोकोविच पहले ही राउंड में हारकर टूर्नामेंट से हुए बाहर

हैरत की बात ये है कि ये चौथी बार था जब 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच को इस साल पहले ही दौर में हारकर टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा. ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद से, अनुभवी टेनिस स्टार निराशाजनक फॉर्म से गुजर रहे हैं. तबसे उन्हें कतर ओपन, इंडियन वेल्स मास्टर्स, मोंटे कार्लो मास्टर्स और अब मैड्रिड ओपन के पहले दौर में ही हार का सामना करना पड़ा है.

जोकोविच को 24 वर्षीय खिलाड़ी ने हराया

मजे की बात ये है कि जोकोविच को उस खिलड़ी ने मात दी, जो अपने स्कूल के दिनों में डेस्क के नीचे छिपकर फोन पर जोकोविच का मैच देखा करता था. अपने आदर्श को हराने के बाद 24 वर्षीय माटेओ अर्नाल्डी ने जीत का जश्न ऐसे मनाया जैसे सपना सच हो गया हो.

जोकोविच को हराने के बाद अर्नाल्डी ने क्या कहा?

अर्नाल्डी ने मैच के बाद कहा, 'काफी हद तक, बिना किसी संदेह के, वह वह हमेशा से मेरे आदर्श रहे हैं. मैं बस खुश था कि मैं उनके साथ खेल सका क्योंकि मैंने उनके साथ कभी नहीं खेला, मैंने उनके साथ केवल एक बार अभ्यास किया था. इसलिए इस तरह के मंच पर उनके साथ खेलना मेरे लिए पहले से ही जीत थी.'

उन्होंने आगे कहा, 'वह अभी अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं हैं, मैं अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस खेलने और जीतने की कोशिश करने के लिए कोर्ट पर आया था. अभी, मुझे यह भी नहीं पता कि क्या कहना है.'

एशियाई अंडर-15 और अंडर-17 मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत का जलवा

43 पदक पक्के किए

अम्मान (जॉर्डन), 27 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के चार और मुक्केबाजों ने सेमीफाइनल में जगह बनाकर यहां चल रही पहली एशियाई अंडर-15 और अंडर-17 मुक्केबाजी चैंपियनशिप में देश के लिए 43 पदक सुनिश्चित कर लिए हैं।

भारत ने अंडर-15 वर्ग में कम से कम 25 पदक पक्के कर लिए हैं, जबकि अंडर-17 वर्ग में 18 पदक जीतने तय हैं, क्योंकि सेमीफाइनल में पहुंचने वाले सभी खिलाड़ियों को कम से कम कांस्य पदक मिलता है।

अमन सिवाच (63 किग्रा) और देवांश (80 किग्रा) ने अंडर-17 लड़कों के क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में क्रमशः फिलीपींस और जॉर्डन के मुक्केबाजों के खिलाफ आरएससी (रेफरी द्वारा मुकाबला रोकना) में जीत हासिल की।

लड़कियों के वर्ग में, सिमरनजीत कौर (60 किग्रा) ने जॉर्डन की अया अलहसनत पर 5-0 से जीत दर्ज की, जबकि हिमांशी (70 किग्रा) ने फिलिस्तीन की फराह अबू लैला के खिलाफ आरएससी के साथ पहले ही दौर में अपना मुकाबला समाप्त कर दिया।

शाहिद अफरीदी की शर्मनाक हरकत

पहलगाम अटैक पर मांगा सबूत, दिया खून खौलाने वाला बयान

इस्लामाबाद, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आंतकी हमले में 26 निर्दोष लोगों ने जान गंवा दी थी. इसे लेकर पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने एक शर्मनाक हरकत की है. इस हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान से जुड़े आतंकी संगठन ने ली है. इसके बावजूद घटना की निंदा करने के बजाय वो भारत से ही सबूत मांग रहे हैं. पाकिस्तान को दोषी ठहराने के लिए अफरीदी बेशर्मी के साथ भारत की ही आलोचना कर रहे हैं. उनका कहना है कि आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद है और बिना किसी जांच के जल्दबाजी में पाकिस्तान को दोषी ठहराना ठीक नहीं है.

अफरीदी ने भारत से मांगा सबूत

शाहिद अफरीदी से पहलगाम हमले को लेकर उनकी राय मांगी गई. पाकिस्तान पर लगे आरोपों को लेकर अफरीदी ने कहा, "मेरा क्रिकेट और खेल की कूटनीति में गहरा विश्वास है. इसे लेकर सियासत नहीं होना चाहिए. पड़ोसी मुल्क हैं तो एक-दूसरे ख्याल रखा जाए.लेकिन ये मामला अभी हुआ है और आपने सीधे पाकिस्तान का नाम ले लिया. कम से कम सबूतों के साथ आएं. दुनिया को बताएं."

हालांकि, उन्होंने घटना को लेकर अफसोस जताया और कहा कि कोई भी धर्म हो दहशतगर्द को कोई सपोर्ट नहीं करता है. पाकिस्तान में भी ऐसा होता रहा है. इस घटना के बावजूद उनका मानना है कि दोनों देशों के रिश्ते बेहतर होने चाहिए, क्योंकि लड़ाई की कोई वजह नहीं है.

भारत ने उठाए सख्त कदम

पहलगाम में हुए हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है. भारत की ओर से कई सख्त कदम उठाए गए हैं. भारत ने पाकिस्तान के साथ लगती सीमा को भी बंद कर दिया है. साथ ही भारत में मौजूद सभी पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेज दिया है. इतना नहीं ही पाकिस्तान के राजनयिकों के वीजा भी रद्द कर दिए गए हैं. इसके अलावा पाकिस्तान के साथ पानी शेयर करने वाला सिंधु जल समझौता को भी खत्म कर दिया है. वहीं बीसीसीआई की ओर से आईसीसी को पत्र लिखकर भारत और पाकिस्तान को एक ग्रुप में नहीं रखने का अनुरोध किया जा सकता है.

पोन्नम ने आरटीसी सेवानिवृत्त कर्मचारियों के कल्याण के लिए पूर्ण सहयोग का वादा किया

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने वादा किया है कि राज्य सरकार सेवानिवृत्त आरटीसी अधिकारियों और कर्मचारियों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है, और वह इस मामले में आरटीसी निगम को पूर्ण समर्थन प्रदान करेगी। उन्होंने उल्लेख किया कि आरटीसी कर्मचारियों के सामने आने वाले लंबित मुद्दों को व्यवस्थित रूप से हल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पोन्नम प्रभाकर रविवार को एक होटल में आयोजित टीजीएसआरटीसी सेवानिवृत्त अधिकारी कल्याण संघ के पांचवें वार्षिक सम्मेलन में मुख्य अतिथि थे। इस कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने 90 वर्ष की आयु तक पहुंच चुके सेवानिवृत्त आरटीसी कर्मचारियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में बोलते हुए, पोन्नम प्रभाकर ने सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को बढ़ाने के लिए सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा किए गए महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार किया।

मंत्री ने कहा कि पूरे वर्ष के दौरान कर्मचारियों के कल्याण पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिसमें नई बसों की खरीद और इसके साथ ही चल रही नौकरियों की भर्ती शामिल है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा महालक्ष्मी योजना के क्रियान्वयन के माध्यम से निगम वित्तीय स्थिरता प्राप्त कर रहा है।

इसके अलावा, तेलंगाना आरटीसी को देश में अग्रणी परिवहन निगम के रूप में स्थापित करने के लिए उपाय किए जा रहे हैं। बैठक में टीजीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक वीसी सज्जनार, सेवानिवृत्त अधिकारी कल्याण संघ के अध्यक्ष नागवेंद्र राव, उपाध्यक्ष नागराजू, सचिव विजय कुमार, संयुक्त सचिव सीताराम बाबू, कोषाध्यक्ष वेंकट रेड्डी और अन्य ने भाग लिया।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों ने महिला एवं बाल कल्याण तथा पंचायत राज मंत्री सीताक्का से शिष्टाचार भेंट की।

आय से अधिक संपत्ति मामले में सिंचाई विभाग का चीफ इंजीनियर गिरफ्तार

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने शनिवार रात सिंचाई एवं सीएडी विभाग के मुख्य अभियंता हरि राम को गिरफ्तार कर लिया। उनके खिलाफ ज्ञात आय स्रोतों से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया गया है। एसीबी की टीमों ने शनिवार को हरि राम और उनके रिश्तेदारों के घर समेत 14 जगहों पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान एसीबी को शेखपेट में एक विला, कोंडापुर में विला, श्रीनगर कॉलोनी, माधापुर और नरसिंगी में फ्लैट, अमरावती में व्यावसायिक जगह, मरकूक मंडल में 28 एकड़ कृषि भूमि, पटनचेरुवु में 20 गुंटा, श्रीनगर कॉलोनी में दो स्वतंत्र घर, बोम्मालारामरम में छह एकड़ में फैला एक फार्म हाउस, कोठागुडेम में निर्माणाधीन एक इमारत, कुथबुल्लापुर, मिर्यालगुडा में खुला प्लॉट और बीएमडब्ल्यू समेत दो कारें, सोने के गहने और बैंक जमा से जुड़े दस्तावेज मिले।

एसीबी ने कहा कि तलाशी से पता चला कि आरोपी अधिकारी ने अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करके ये चल और अचल संपत्तियां अर्जित की हैं। संपत्ति का बाजार मूल्य आधिकारिक मूल्य से कहीं अधिक होने की उम्मीद है। अधिकारी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया। आगे की जांच जारी है। देर रात तक एसीबी की तलाशी जारी रही।

उस्मानिया विश्वविद्यालय ने मनाया 108वां स्थापना दिवस

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय ने शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर के ऐतिहासिक टैगोर ऑडिटोरियम में दिन भर के उत्साहपूर्ण समारोह के साथ अपना 108वां स्थापना दिवस मनाया। ओयू के कुलपति प्रोफेसर कुमार मोलुगरम ने 1918 में इस प्रतिष्ठित संस्थान की नींव रखने वाले दूरदर्शी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा और सार्वजनिक दृष्टि की परिवर्तनकारी शक्ति का जीवंत स्मारक है। हैदराबाद पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद ने युवाओं में नागरिक जिम्मेदारी, नैतिक नागरिकता और सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने में शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। निजाम मीर उस्मान अली खान के पोते मीर नजफ अली खान ने अपने दादा की स्थायी विरासत के बारे में बात की और बताया कि कैसे ओयू उन दूरदर्शी आदर्शों को कायम रखता है जिन पर इसकी स्थापना हुई थी।

3200 करोड़ रुपये के शराब घोटाले में फंसे वाईएसआरसीपी के बड़े नेता

विशाखापट्टनम, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। 3200 करोड़ रुपये के कथित शराब घोटाले को लेकर आंध्र प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। दरअसल एसआईटी के रिमांड नोट में बताया गया है कि इस शराब घोटाले में वाईएसआरसीपी के कई बड़े नाम शामिल हैं, जिन्होंने घोटाले के चलते हर महीने 50-60 करोड़ रुपये की रिश्वत ली और इस पैसे को पार्टी फंड में भी जमा किया गया। रिमांड नोट में मुख्य आरोपी के राजशेखर रेड्डी उर्फ राज कसिरेड्डी को बताया गया है। कसिरेड्डी पूर्व सीएम और वाईएसआरसीपी के प्रमुख जगन मोहन रेड्डी का सहयोगी है। इस मामले को लेकर पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी पर भी आरोप लगाए जा रहे हैं।

कैसे किया गया घोटाला :

रिमांड नोट के अनुसार, वाईएसआरसीपी के शीर्ष नेताओं ने शराब ब्रांड्स से हर महीने 50-60 करोड़ रुपये की रिश्वत ली, और रिश्वत देने वाले शराब ब्रांड्स को सरकारी दुकानों के माध्यम से बिक्री में तरजीह की सुविधा दी गई। यह रैकेट साल 2019 में शुरू हुआ था, जिसके जरिए हर महीने इकट्ठा की गई रिश्वत को हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली के हवाला ऑपरेटर्स के जरिए लूटा गया। आरोप है कि सरकारी खुदरा दुकानों के जरिए बिक्री के लिए डिस्टिलरी से शराब की खरीद के लिए ऑर्डर देने की प्रणाली में कथित रूप से हेरफेर किया गया, जिसमें राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित ब्रांडों को हटा दिया गया और निर्धारित सीमा से कहीं अधिक नए ब्रांडों के ऑर्डर दिए गए थे। इसमें आरोप लगाया गया है कि सस्ते ब्रांडों के लिए 150 रुपये प्रति केस, मध्यम श्रेणी के ब्रांडों के लिए 200 रुपये और उच्च श्रेणी के ब्रांडों के लिए 600 रुपये प्रति केस की रिश्वत ली गई थी।

इकट्ठा राशि कासिरेड्डी को सौंपी गई, जिसने इस पैसे को वाईएसआरसीपी के शीर्ष नेताओं जैसे वी विजय साई रेड्डी, मिथुन रेड्डी और अन्य को दिया। रिमांड नोट में आरोप लगाया गया है कि रिश्वत में एकत्र की गई कुल राशि 3,200 करोड़ रुपये है। कासिरेड्डी पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी का आईटी सलाहकार रहा। रिमांड रिपोर्ट में कहा गया है कि मामले के मुख्य आरोपी कासिरेड्डी ने अपने इकबालिया बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया है। नोट के अनुसार, घोटाले के चलते प्रतिष्ठित ब्रांड की बिक्री, जो 2018-19 में 53 प्रतिशत थी, वह 2023-24 में गिरकर सिर्फ पांच प्रतिशत रह गई।

वाईएसआरसीपी ने आरोपों को नकारा :

वाईएसआरसीपी ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज किया है और सत्ताधारी टीडीपी के नेतृत्व वाली गठबंधन की आलोचना की है। वाईएसआरसीपी का कहना है कि राजनीति से प्रेरित होकर शराब घोटाले की कहानी गढ़ी गई है और इसे प्रचारित करने के लिए मीडिया का इस्तेमाल किया गया।

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में कैंडल मार्च निकाला

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में फहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए, राष्ट्रीय रियल एस्टेट विकास परिषद (नारेडको) तेलंगाना ने "दुख में, क्रोध में, एकजुटता में" शीर्षक से कैंडल मार्च निकाला। यह मार्च शाम 7 बजे बसवतारकम इंडो-अमेरिकन अस्पताल के सामने केबीआर पार्क पार्किंग लॉट से शुरू हुआ और जुबली हिल्स चेक पोस्ट पर समाप्त हुआ। शांतिपूर्ण मार्च में जुबली हिल्स के निवासियों, नारेडको तेलंगाना के सदस्यों और कर्मचारियों ने दिल से भाग लिया। उपस्थित लोगों में नारेडको तेलंगाना के अध्यक्ष विजया साई मेका, कार्यकारी उपाध्यक्ष काली प्रसाद दमेरा, कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ. लायन वाई किरण, नारेडको तेलंगाना के महासचिव श्रीधर रेड्डी, कोषाध्यक्ष आर. वेंकटेश्वर राव और अन्य वरिष्ठ सदस्य शामिल थे। प्रतिभागियों ने ऐसे संदेश लिखे तख्तियां ले रखी थीं, जैसे कि हम पीड़ितों के लिए शोक मनाने के लिए एक साथ खड़े हों और हिंसा के खिलाफ अपनी आवाज उठाएं। मोमबत्ती जलाएं। एक जीवन का सम्मान करें, शांति के लिए बोलें, यह आतंक के कृत्यों के खिलाफ एकता और लचीलेपन का एक शक्तिशाली प्रदर्शन था। इस अवसर पर बोलते हुए, विजय साई मेका ने कहा, फहलगाम आतंकी हमला सिर्फ निर्दोष लोगों पर हमला नहीं है, बल्कि मानवता और शांति पर हमला है। इस मोमबत्ती मार्च के माध्यम से, हम दुख, आक्रोश और पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ अटूट एकजुटता में एक साथ खड़े हैं। नारेडको तेलंगाना सिर्फ इमारतों के माध्यम से नहीं, बल्कि कठिन समय में करुणा और सामूहिक शक्ति के माध्यम से समुदायों को बढ़ावा देने में विश्वास करता है। नारेडको तेलंगाना के महासचिव श्रीधर रेड्डी ने कहा, यह कैंडललाइट मार्च सिर्फ़ दुख की अभिव्यक्ति नहीं है, बल्कि शांति, एकता और हमारे प्रिय मूल्यों के लिए एक शक्तिशाली स्टैंड है। अंधेरे के क्षणों में, एक भी लौ आशा को प्रज्वलित कर सकती है। नारेडको तेलंगाना पीड़ितों के साथ गंभीर एकजुटता में खड़ा है, हमारे इस विश्वास की पुष्टि करता है कि लचीलापन

अनुबंध सहायक प्रोफेसरों ने एक हाथ में झाड़ू और दूसरे हाथ में कलम लेकर किया प्रदर्शन

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एक हाथ में झाड़ू और दूसरे हाथ में कलम लेकर अनुबंधित सहायक प्रोफेसरों ने राज्य सरकार से अपनी सेवाओं को नियमित करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन के तहत उस्मानिया विश्वविद्यालय परिसर की सड़कों की सफाई की।

प्रदर्शनकारी मांग कर रहे हैं कि सरकार नौकरी की सुरक्षा बढ़ाए, साथ ही तीन प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ मूल वेतन, डीए और एचआरए प्रदान करे। उन्होंने शिकायत की कि पिछले 15 महीनों से सरकारी अधिकारियों को अपने मुद्दों पर ज्ञापन देने के बावजूद कुछ हासिल नहीं हुआ है।

ओयू में विरोध प्रदर्शन में डॉ. धर्मतेजा, डॉ. परशुराम, डॉ. कुमार, डॉ. उपेंदर, डॉ. विजेंदर रेड्डी, डॉ. तल्लापल्ली वेंकटेश्वरलु, डॉ. विनीता पांडे, डॉ. शैलजा रेड्डी और डॉ. नसीमा बेगम सहित अन्य ने भाग लिया। इस बीच, अनुबंध सहायक प्रोफेसरों ने पलामुरु विश्वविद्यालय के कुलपति कक्ष और काकतीय विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार कार्यालय में विरोध प्रदर्शन किया और मांग की कि उनकी मांगों को सरकार के ध्यान में लाया जाए और उन्हें तुरंत पूरा किया जाए। सातवाहन विश्वविद्यालय, आरजीयूकेटी-बसर और डॉ. बीआर अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय में भी विरोध प्रदर्शन किया गया।

बीआरएस कार्यकर्ताओं ने फहराए पार्टी के झंडे

विचारकों और शहीदों को दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव द्वारा रजत जयंती समारोह शुरू करने से कुछ घंटे पहले, पार्टी कार्यकर्ताओं ने रविवार को राज्य भर में पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर अपने झंडे फहराए। उन्होंने तेलंगाना के विचारक प्रोफेसर जयशंकर और स्वतंत्रता सेनानी कोंडा लक्ष्मण बापूजी तथा तेलंगाना के अनेक शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा तेलंगाना राज्य का मार्ग प्रशस्त करने वाले उनके बलिदान को याद करते हुए नारे लगाए।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने वरिष्ठ नेताओं के साथ तेलंगाना भवन में पार्टी का झंडा फहराया। बाद में उन्होंने प्रोफेसर जयशंकर को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने टैंक बंड में कोंडा लक्ष्मण बापूजी और गन पार्क में तेलंगाना शहीदों के स्मारक पर भी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बोलते हुए रामा राव ने कोंडा लक्ष्मण बापूजी और प्रोफेसर जयशंकर को तेलंगाना राज्य आंदोलन के स्तंभ बताया, जिनकी विचारधाराओं ने पार्टी प्रमुख चंद्रशेखर राव को पिछले 25 वर्षों से पार्टी का नेतृत्व करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी, जिसका जन्म 25 साल पहले के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में जल दृश्यम से हुआ था, एक व्यक्ति के मिशन से बढ़कर एक जन आंदोलन में बदल गई है, जिसने तेलंगाना राज्य का दर्जा हासिल किया है।

आभार व्यक्त करते हुए पूर्व मंत्री ने कहा कि पार्टी के जन्मस्थान जल दृश्यम में रजत जयंती समारोह का शुभारंभ करना बहुत गर्व की बात है। उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि तेलंगाना की प्रगति बीआरएस का एकमात्र एजेंडा है और राज्य के लोगों के समर्थन से अगले 25 वर्षों तक तेलंगाना समाज की सेवा करने की पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराई।

बुनकर ने केसीआर के लिए तैयार किया विशेष चांदी का शॉल

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिरिसिल्ला हथकरघा कारीगर हरिप्रसाद ने पार्टी की रजत जयंती समारोह के अवसर पर बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव के लिए एक विशेष चांदी के धागे का शॉल बुना है। बीआरएस शहर अध्यक्ष जिंदम चक्रपाणि के सुझाव के अनुसार, हरिप्रसाद ने रेशम के धागों से 32 ग्राम चांदी को बुनकर 2.5 मीटर लंबा, 46 इंच चौड़ा अनोखा शॉल तैयार करने में पांच दिन का समय लगाया। शॉल पर चंद्रशेखर राव, वारंगल काकतीय तोरणम और रजत जयंती के लोगो की जटिल बुनाई की गई है।

रविवार को वारंगल में आयोजित भव्य कार्यक्रम के दौरान बीआरएस सुप्रीमो को यह विशेष शॉल भेंट की जाएगी। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने हरिप्रसाद की शिल्पकला की सराहना करते हुए उन्हें बेहद प्रतिभाशाली कलाकार बताया और उनके समर्पण के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

टीजीएएनबी ने वर्ष 2024 में 148.09 करोड़ रुपये मूल्य की प्रतिबंधित दवाएं कीं जब्त

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना एंटी-नारकोटिक्स ब्यूरो (टीजीएएनबी) ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर 2,169 एनडीपीएस मामलों में 5,205 संदिग्धों को गिरफ्तार किया, जिसके परिणामस्वरूप वर्ष 2024 के दौरान 148.09 करोड़ रुपये मूल्य की प्रतिबंधित दवाएं जब्त की गईं।

एक सहायक उपाय के रूप में, टीजीएएनबी पूरे राज्य में जांच इकाइयों को उच्च परिशुद्धता वाले वजन मापने वाली मशीनों का प्रावधान प्रायोजित कर रहा है, जिसमें टास्क फोर्स, एसओटी, एच-न्यू, सुराग टीमें और रेलवे पुलिस शामिल हैं। ये मशीनें जब्ती की मात्रा निर्धारित करने में अधिकारियों की सहायता करेंगी।

वे सटीक दस्तावेज़ीकरण और फोरेंसिक नमूनाकरण सुनिश्चित करते हैं और मामले की अखंडता को बनाए रखते हैं।

हरीश राव ने तेलंगाना के विकास को रोकने के लिए की कांग्रेस की आलोचना

बीआरएस को सत्ता में वापस लाने का किया आह्वान

सिद्दीपेट, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद तेलंगाना का विकास रुक गया है। रविवार को सिद्दीपेट में बीआरएस के 25वें स्थापना दिवस के अवसर पर पार्टी के झंडे का अनावरण करने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राव ने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव प्रचार के दौरान झूठे वादे करके लोगों को धोखा दिया। डेढ़ साल तक कांग्रेस को सत्ता में देखने के बाद पूर्व मंत्री ने कहा कि राज्य में हर कोई पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में बीआरएस को फिर से सत्ता में देखना चाहता है।

पार्टी की 24 साल की यात्रा के बारे में बात करते हुए राव ने कहा कि बीआरएस ने तेलंगाना को एक अलग राज्य के रूप में देखने के लोगों के दशकों पुराने सपने को साकार किया है। उन्होंने आगे कहा कि चंद्रशेखर राव ने तेलंगाना को विकास के मामले में भी सबसे ऊपर रखा है।

सिद्दीपेट में बीआरएस शासन के दौरान किए गए विकास कार्यों से कांग्रेस पर ईर्ष्या करने का आरोप लगाते हुए राव ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आने के बाद कई परियोजनाओं को सिद्दीपेट से बाहर स्थानांतरित कर दिया।

आईसीएआर महानिदेशक डॉ.एम.एल. जाट ने पीजेटीएयू का दौरा किया

हैदराबाद, 27 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के नवनियुक्त महानिदेशक और कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डीएआरई), नई दिल्ली के सचिव डॉ.एम.एल. जाट ने शनिवार को यहां प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय (पीजेटीएयू) का दौरा किया। पीजेटीएयू के कुलपति प्रोफेसर अलदास जनैया ने उनका स्वागत किया और राजेंद्र नगर स्थित प्रशासनिक भवन में कुलपति और विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारियों से उनकी बातचीत हुई। बैठक के दौरान कुलपति ने डॉ. जाट को पिछले छह महीनों के दौरान की गई कई पहलों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति पर प्रकाश डाला, जिसमें हीरक जयंती समारोह का आयोजन भी शामिल है, जिसमें इसकी उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को प्रदर्शित किया गया।

प्रोफेसर जनैया ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों के पदों को भरने के बारे में बताया जो कई वर्षों से खाली पड़े थे। इसके अलावा, उन्होंने शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार प्रणालियों के पुनर्गठन की योजनाओं और पीएचडी धारकों के लिए पोस्ट-डॉक्टरल अकादमिक अप्रेंटिसशिप जैसी नई पहल शुरू करने के बारे में बताया। कुलपति ने डॉ. जाट से विश्वविद्यालय में बड़ी संख्या में महिला छात्राओं (लगभग 727) के लिए छात्रावास की सुविधा प्रदान करने का अनुरोध किया। उन्होंने राज्य के विभाजन के बाद कुछ परियोजनाओं को आंध्र प्रदेश में स्थानांतरित करने पर विचार करते हुए तेलंगाना को नई अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं (एआईसीआरपी) के आवंटन का भी अनुरोध किया। डॉ.एम.एल. आईसीएआर के महानिदेशक जाट ने कुलपति और पीजेटीएयू के अधिकारियों की उनकी टीम को देश के एक प्रतिष्ठित संस्थान का नेतृत्व करने के लिए बधाई दी है। उन्होंने भूजल संसाधनों के संरक्षण के साथ-साथ चावल उत्पादन में उपलब्धि सहित विभिन्न क्षेत्रों में तेलंगाना की प्रगति की प्रशंसा की।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.